हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, गुरुवार 29 अगस्त 2024

हजारों घरों में है पालतू तोता

उल्लेखनीय है कि रायपुर में ही हजारों परिवारों ने तोता पाला हुआ है। पक्षियों में सबसे ज्यादा तोता पालने का ही चलन है। यह बेहद घरेलू है और परिवार के साथ कुछ ही दिनों में घुलमिल जाता है। इसका पालन भी आसान है। आदेश जारी होने के बाद पूरे छत्तीसगढ़ में इसे लेकर प्रतिक्रिया हुई थी। लोग पालतू तोते को लेकर संवेदनशील हुए और व्यापक प्रतिक्रिया के बाद फिलहाल आदेश स्थगित कर दिया गया है।

तोता-मैना की कहानी.... अब पुरानी, पालतू को पालते रहिए, जब्ती का आदेश वापस हुआ

तोता पालने का प्रतिबंध केंद्रीय वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के निर्देश पर स्थगित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

तोता-मैना को जब्त करने की कहानी अब पुरानी हो गई है। तोता तथा अन्य प्रकार के संरक्षित पक्षियों के पालने तथा खरीदी-बिक्री को 23 अगस्त को रोक लगाने तथा कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए गए थे। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के निर्देश पर जारी आदेश को बुधवार को स्थगित कर दिया गया है। वन अफसर केंद्रीय वन्यप्राणी प्रभाग से आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन लिए जाने की बात कह रहे हैं। अब लोग फिलहाल तोता-मैना या लव बर्ड्स पाल सकेंगे। गौरतलब है कि तोता के संरक्षित सूची में शामिल होने का हवाला देकर पक्षी प्रेमियों की मांग पर वनबल प्रमुख के निर्देश पर तोता पालने तथा खरीदी-बिक्री करने पर रोक लगाने आदेश जारी किया गया था। साथ ही जिन लोगों ने अपने घरों में तोता पाले हैं, उन्हें एक सप्ताह के भीतर तोता वन विभाग के जिम्मेदार लोगों के पास जमा करने के लिए कहा गया था। ▶▶ शेष पेज 4 पर

अवैध खरीद-बिक्री रोकने लिया गया था निर्णय

गौरतलब है कि तोता संरक्षित प्रजाति का पक्षी है, राज्य के ज्यादातर वनमंडलों में बड़े पैमाने पर बहेलिया जंगल से तोता पकड़कर कारोबारियों के माध्यम से लोगों को बेचने का काम करते थे। इस बात को लेकर पक्षी प्रेमी चिंता व्यक्त करते हुए वनबल प्रमुख से लगातार कार्रवाई की मांग कर रहे थे। पक्षी प्रेमियों की मांग को देखते हुए वन मुख्यालय ने तोता की अवैध खरीदी-बिक्री पर रोक लगाने के उद्देश्य से तोता की अवैध खरीद-बिक्री हतोत्साहित करने तोता पालने से लेकर खरीदी-बिक्री करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने संबंधित आदेश जारी किया था।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महिलाओं के साथ अपराध को लेकर कहा कि बेटियों के खिलाफ ऐसे अपराध मंजूर नहीं हैं। ऐसा पहली बार हुआ है, जब राष्ट्रपति ने कोलकाता की इस घटना पर बयान दिया है...

राष्ट्रपति बोलीं- मैं निराश और भयभीत

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने विशेष हस्ताक्षरित लेख में कोलकाता में एक डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या पर पहली बार अपनी बात रखी है और महिलाओं के खिलाफ जारी अपराधों पर अपना आक्रोश व्यक्त किया है। 'महिलाओं की सुरक्षा : बस! बहुत हो चुका!' इधर, बुधवार को पश्चिम बंगाल बंद के दौरान कई स्थानों पर भाजपा कार्यकर्ताओं और पुलिस में झड़प हुई, वहीं आईएमए ने मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष की सदस्यता निलंबित कर दी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों में हालिया वृद्धि और इस बीमारी को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए हमें ईमानदारी से आत्मावलोकन करना होगा। कोलकाता में एक डॉक्टर के साथ बलात्कार और उसकी हत्या की जघन्य घटना ने राष्ट्र को सकते में डाल दिया है। जब मैंने यह खबर सुनी तो मैं बुरी तरह स्तब्ध और व्यथित हो गई। सबसे अधिक हताश करने वाली बात यह है कि ये केवल एक अकेला मामला नहीं है; यह महिलाओं के खिलाफ अपराधों की कड़ी का एक हिस्सा है। छात्र, डॉक्टर और नागरिक कोलकाता में जब प्रदर्शन कर ▶▶ शेष पेज 4 पर

राष्ट्रपति ने कहा

- राष्ट्र का आक्रोशित होना स्वाभाविक है और मैं भी आक्रोशित
- कोई भी सभ्य समाज ऐसी बर्बरता की अनुमति नहीं दे सकता

बंगाल बंद के दौरान चलीं गोलियां, पुलिस से भिड़े

पश्चिम बंगाल में बुधवार को भाजपा के 12 घंटे के बंद के दौरान हिंसा की छिटपुट घटनाएं हुईं। राज्य के कई हिस्सों में बंद समर्थकों की पुलिस और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के साथ झड़प हुई और बंद का मिला-जुला असर रहा। उत्तर 24 परगना जिले के भाटपाड़ा से झड़प होने की खबरें सामने आईं, जहां भाजपा ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के 'गुंडों' ने उसके स्थानीय नेता प्रियांगु पांडे की कार पर गोलीबारी की। भाजपा के नेताओं ने दावा किया कि हालांकि पांडे सुरक्षित बच गए, लेकिन वाहन के चालक और पार्टी के एक कार्यकर्ता के सिर में गोली लग गई जिन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

ममता बोलीं-बंगाल जला तो जलेगा पूर्वोत्तर हिमंता बोले- धमकी देने की हिम्मत कैसे हुई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में लेडी-डॉक्टर की हत्या के मामले में बढ़ते तनाव के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि याद रखें अगर बंगाल जला तो असम, बिहार, झारखंड, ओडिशा और दिल्ली भी जलेंगे। सीएम के इस बयान पर सियासत गरमा गई है। ममता के इस बयान पर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने पलटवार किया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, दीदी, आपकी हिम्मत कैसे हुई असम को धमकाने की? इधर, भाजपा नेता सुकांत मजूमदार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा कि इस तरह की राष्ट्र विरोधी टिप्पणियां किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति की आवाज नहीं है।

ममता के कड़वे बोल

सीएम बनर्जी ने कहा, मोदी बाबू कोलकाता के रेप-मर्डर केस में अपनी पार्टी का इस्तेमाल करके बंगाल में आग लगवा रहे हैं। अगर आपने बंगाल को जलाया तो असम, नॉर्थ-ईस्ट, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा और दिल्ली भी जलेंगे।

असम सीएम का पलटवार

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक्स में लिखा, दीदी, आपकी हिम्मत कैसे हुई असम को धमकाने की? हमें लाल आंखें मत दिखाइए। आपकी असफलता की राजनीति से भारत को जलाने की कोशिश भी मत कीजिए।

गृहमंत्री शाह को लिखा पत्र

भाजपा नेता सुकांत मजूमदार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी है। मजूमदार ने कहा कि यह संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति की आवाज नहीं है, यह एक देश विरोधी व्यक्ति की आवाज है। यह नफरत फैलाने की एक कोशिश है।

हत्याओं से इलाके में दहशत

नक्सलियों ने फिर खेला खूनी खेल, जवान के भाई की हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

नक्सलियों ने एक बार फिर मुखबिरी के आरोप में पुलिस जवान के भाई की दिनदहाड़े हत्या कर दी है। नक्सलियों ने पिछले चार दिनों में तीन हत्या की घटनाओं को अंजाम देकर इलाके में दहशत फैलाने की कोशिश की है। जानकारी के मुताबिक मिरतुर थाना क्षेत्र के ग्राम तिमेनार में नक्सलियों ने पुलिस जवान के भाई कारम सुदरु की दिनदहाड़े धारदार हथियार से वार कर निर्ममता पूर्वक हत्या कर दी।

जारी है खूनी खेल

बीते शनिवार की रात नक्सलियों ने गंगालुर थाना क्षेत्र के पुसनार में ग्रामीण लांचा पुनेम की मुखबिरी के शक में धारदार हथियार से हत्या कर दी थी। वहीं सोमवार को जांगला थाना के जैगुर निवासी ग्रामीण मंडावी सीतु की मुखबिरी के आरोप में जन अदालत लगाकर हत्या कर दी थी और अब मिरतुर थाना क्षेत्र के तिमेनार में नक्सलियों ने खूनी खेल खेलते हुए पुलिस जवान के भाई को मौत के घाट उतार दिया हैं।

नक्सलियों का मंसूबा नाकाम

सुकमा जिले के चिंतागुफा थाना क्षेत्र में कोंटा व किस्टाराम एरिया कमेटी के नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर सुरक्षा बलों ने बड़ी कार्रवाई की। नक्सलियों के मंसूबों को सुरक्षा बलों द्वारा नाकाम कर दिया गया। यहां सुरक्षा बलों को नुकसान पंहुचाने की नीयत से नक्सलियों के द्वारा छुपा कर रखे भरमार बंदूक, पाइप बम, विस्फोटक सहित अन्य सामाग्री को जवानों द्वारा बरामद किया गया है। नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर जिला बल, कोबरा वाहिनी सेकंट बटालियन की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की।

खबर संक्षेप

कांवरे को बिलासपुर कमिश्नरी का भी जिम्मा

रायपुर। राज्य शासन ने बुधवार को आदेश जारी कर संभागायुक्त

रायपुर महादेव कांवरे को बिलासपुर संभाग की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी है। बिलासपुर संभाग के आयुक्त नीलम नामदेव एक्का को सचिव मंत्रालय के रूप में पदस्थ किया गया है। इसी तरह आईएएस जनक प्रसाद पाठक को आयुक्त उच्च शिक्षा की ▶▶ शेष पेज 4 पर

द्रमुक सांसद के खिलाफ 908 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली। ईडी ने बुधवार को कहा कि द्रमुक सांसद एस.

जगतरक्षकन और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ विदेशी मुद्रा नियमों के उल्लंघन से संबंधित मामले में 908 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। 2020 में जब्त की गई 89.19 करोड़ रुपए की संपत्ति को फेमा के तहत 26 अगस्त को कुर्क कर लिया गया है।

सेवानिवृत्त मेजर जनरल से दो करोड़ की ठगी

नोएडा। साइबर अपराधियों ने सीबीआई और मुंबई पुलिस

अधिकारी बनकर सोशल मीडिया से सेना के एक सेवानिवृत्त मेजर जनरल एन के धीर से कथित रूप से दो करोड़ रुपए की ठगी को अंजाम दिया। उन्हें अवैध वस्तुएं विदेश भेजे जाने का उल्लेख कर जेल का डर दिखा ठगी की गई।

पांच करोड़ अधिक का ड्रग्स जब्त, दो गिरफ्तार

आइजोल। मिजोरम पुलिस ने मेथामफेटामाइन की चार लाख

गोलियां जब्त कर इस सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। बरामद मेथामफेटामाइन की कीमत पांच करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। सीआईडी (विशेष शाखा) की एक टीम ने खुफिया अभियान चलाया।

अरुणाचल प्रदेश में बड़ा हादसा

ऑपरेशन अलर्ट के दौरान खाई में गिरा ट्रक, तीन जवान शहीद

एजेंसी ▶▶ ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सुबनसिरी जिले में सेना के ऑपरेशन अलर्ट के दौरान बड़ा हादसा हो गया। एक ट्रक के गहरी खाई में गिर जाने से उसमें सवार तीन सैन्यकर्मियों शहीद हो गए। इस हादसे में कई अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना मंगलवार सुबह करीब छह बजे 'ट्रांस अरुणाचल' राजमार्ग पर तापी गांव के पास हुई। सैन्य सूत्रों के अनुसार, शहीदों की पहचान हवलदार नखत सिंह, नायक मुकेश कुमार और 'ग्रेनेडियर' आशीष कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सेना का यह दुर्घटनाग्रस्त ट्रक ऊपरी सुबनसिरी के जिला मुख्यालय शहर दापोरिजो से लेपाराडा जिले के बसर की ओर जा रहे सैन्य काफिले का हिस्सा था।

सेना की पूर्वी कमान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं, जिन्होंने अरुणाचल प्रदेश में अपना कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। भारतीय सेना शोक संतप्त परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है।

ये हुए शहीद

हादसा ट्रांस अरुणाचल हाइवे पर तापी गांव के पास हुआ। सेना के सूत्रों के मुताबिक, शहीदों की पहचान हवलदार नखत सिंह, नायक मुकेश कुमार और ग्रेनेडियर आशीष कुमार के रूप में हुई है। सेना का जो ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हुआ, वह कर्मियों को ले जा रहे काफिले का हिस्सा था।

सीएम ने शोक जताया

मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने सैन्य कर्मियों की शहादत पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, ऊपरी सुबनसिरी जिले में तापी के पास हुए एक दुखद हादसे में तीन सैन्यकर्मियों हवलदार नखत सिंह, नायक मुकेश कुमार और ग्रेनेडियर आशीष कुमार की जान जाने से मुझे गहरा दुख हुआ है। राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा और सर्वोच्च बलिदान को सम्मान के साथ याद किया जाएगा। उन्होंने कहा, शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। मैं भगवान बुद्ध से बहादुर आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं।

कोल घोटाला मामला

सौम्या की जमानत अर्जी तीसरी बार भी खारिज

छोटा बच्चा होने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट से रानू साहू और सुनील अग्रवाल की जमानत को बनाया था आधार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

कोल घोटाले मामले में पूर्व मुख्यमंत्री की उपसचिव सौम्या चौरसिया की जमानत याचिका तीसरी बार निरस्त कर दी गई है। रानू साहू सहित तीन को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत के आधार पर उन्होंने हाईकोर्ट में जमानत देने याचिका लगाई थी। सौम्या चौरसिया की ओर जमानत अर्जी में कहा गया कि वह पिछले डेढ़ साल से ▶▶ शेष पेज 4 पर

रानू, दीपेश को सुप्रीम कोर्ट से मिली थी जमानत

अब सुप्रीम कोर्ट से आईएएस रानू साहू, दीपेश टांक को जमानत मिलने के आधार पर सौम्या चौरसिया ने तीसरी बार जमानत याचिका लगाई थी। इससे पहले कोयला घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में भी सुप्रीम कोर्ट ने सौम्या की जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

आईबी ने किया था अलर्ट

भागवत की सुरक्षा जेड प्लस से बढ़कर एएसएल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। मोहन भागवत को पहले से ही जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है। भागवत की सुरक्षा को अब जेड प्लस से बढ़ाकर एडवांस सिक्योरिटी लाइजन कर दिया गया है। बता दें कि मोहन भागवत की सुरक्षा सीआईएसएफ जवानों द्वारा की जाती है। रिपोर्ट के अनुसार, मोहन भागवत की सुरक्षा आईबी के थ्रेट अलर्ट के बाद बढ़ाई गई है।

तगड़ी सुरक्षा

एडवांस सिक्योरिटी लाइजन (एएसएल) प्रोटोकॉल के बाद अब मोहन भागवत को पीएम मोदी वाली सुरक्षा मिलेगी। अब वो विशेष तौर पर तैयार किए गए हेलिकॉप्टर से ही यात्रा करेंगे। उनके दौरे से पहले उस जगह की समीक्षा होगी और रिहर्सल भी किया जाएगा। नई सिक्योरिटी के बाद सीआईएसएफ की टीम उस स्थान पर पहले से ही मौजूद रहेगी जहां मोहन भागवत को दौरा होगा।

भिलाई में सीबीआई के छापे

बीएसपी से एग्रीमेंट करने वाली कंपनी के पूर्व अफसर-पार्टनर के ठिकानों पर जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

साढ़े पांच सौ करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाला मामले में सीबीआई टीम ने भिलाई स्थित ईपीआईएल के तत्कालीन डीजीएम मूलतः उत्तरप्रदेश, बिजनौर निवासी इंतखाब आलम, और कोहका स्थित मेसर्स एसपीएस कंस्ट्रक्शन एंड इंजीनियरिंग वर्क्स के पार्टनर मनोज कुमार सोनी के यहां धावा बोला। इनके खिलाफ अपराध दर्ज करने के बाद सीबीआई की टीम ने उनके ठिकानों पर छापा मारा है।

भ्रष्टाचार को लेकर सीबीआई ने उत्तर प्रदेश के बिजनौर तथा भिलाई में दोनों आरोपियों के ▶▶ शेष पेज 4 पर

जाली दस्तावेज का उपयोग

ठेका लेने वाले साझेदार कंपनी पर आरोप है कि उसने जाली गेट मटेरियल एंट्री चालान (फॉर्म सीआईएसएफ-157) और स्टोर इश्यू स्लिप के माध्यम से गलत बिलिंग की, जिसे ईपीआईएल के तत्कालीन उप महाप्रबंधक द्वारा सत्यापित किया गया था। इन जाली दस्तावेजों के आधार पर सुदृढ़ीकरण स्टील की आपूर्ति और स्थापना की दर 70 हजार रुपए प्रति टन तय की गई थी, जिसके जरिए गलत तरीके से वित्तीय लाभ अर्जित किया गया।

छत्तीसगढ़ की कला की देशभर में मांग

गणेश मूर्तियां बनाने के लिए प्रसिद्ध गांव थनौद

यू-ट्यूब से देखी कला, थनौद के मूर्तिकार के पास हैदराबाद और बिहार से आया आर्डर

सत्यम शर्मा ▶▶ राजनांदगांव

प्रदेश में गणेश मूर्तियां बनाने के लिए प्रसिद्ध गांव थनौद के मूर्तिकारों को अब दूर-दराज से भी आर्डर मिलने लगे हैं। इनमें मूर्तिकारों की बड़ी मदद यूट्यूबर कर रहा है। देश के अलग-अलग हिस्सों में लोग यूट्यूब के माध्यम से इन मूर्तिकारों की कला देख रहे हैं और पसंद आने पर आर्डर भी दे रहे हैं।

थनौद गांव के ही मूर्तिकार राधे ने बताया कि उनके पास इस बार गणेश पर्व के लिए हैदराबाद और बिहार से आर्डर आए हैं। वहीं अगले साल के लिए उत्तरप्रदेश से भी आर्डर ▶▶ शेष पेज 4 पर

अलग खबर

गांव में लगा रहता है मेला

भले ही देशभर में गणेश पर्व की धूम चतुर्थी से होती हो, लेकिन इस गांव में इससे महीनेभर पहले ही उत्सव जैसा माहौल बन जाता है। दुर्ग-भिलाई, रायपुर, राजनांदगांव से लेकर बालोद जैसे जिलों से लोग यहां सिर्फ मूर्तियां बनते हुए देखने आते हैं। वहीं अब बड़ी संख्या में यूट्यूबर भी यहां पहुंचने लगे हैं, जो मूर्तिकारों के इंटरव्यू लेते हुए दिखाई दे जाएंगे। पूरे गांव में महीनेभर तक मेले जैसा माहौल रहता है।

शिवनाथ से मिट्टी गांव से कलाकार

गणेश प्रतिमाएं तैयार करने के लिए मूर्तिकार शिवनाथ नदी के तट से चार महीने पहले ही मिट्टी ले आते हैं। वहीं हर मूर्तिकार अपने साथ आधा दर्जन से लेकर दर्जनभर कलाकरों को रखता है। इनमें मूर्ति को पेंट करने से लेकर उसकी बारीकियां निखारने की जिम्मेदारी अलग-अलग कलाकार को दी जाती है। खास बात यह है कि सभी कलाकार इस गांव के ही हैं।

750 किमी की रेंज, चीन-पाक की हर चाल होगी नाकाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय नौसेना गुरुवार को अपनी दूसरी परमाणु पनडुब्बी आईएनएस अरिघात को शामिल करेगी। यह पनडुब्बी आईएनएस अरिहंत श्रेणी की दूसरी पनडुब्बी है। पहली पनडुब्बी INS अरिहंत 2009 में नौसेना में शामिल हुई थी। यह पनडुब्बी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा और सेना के शीर्ष अधिकारी की मौजूदगी में नौसेना में शामिल होगी। आईएनएस अरिघात, आईएनएस अरिहंत के साथ मिलकर काम करेगी। भारतीय नौसेना जल्द ही तीसरी पनडुब्बी को भी शामिल करने वाली है। दो और पनडुब्बियां साल 2035-36 तक तैयार हो जाएंगी।

महीनों तक पानी में रह सकती है

परमाणु मिसाइलों से लैस पनडुब्बी आईएनएस अरिघात को विशाखापट्टनम के जहाज निर्माण केंद्र पर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी वेसल एटीवी प्रोजेक्ट के तहत बनाया गया है। ये अरिहंत क्लास न्यूक्लियर पावर से लैस सबमरीन है। परमाणु रिएक्टर से चलने वाली यह सबमरीन आम सबमरीन से तेज चल सकती है। यहां तक कि यह सतह पर चलने वाले जहाजों की रफ्तार की बराबरी भी कर सकती हैं। आम पनडुब्बियां जहां सिर्फ कुछ घंटों तक ही पानी के नीचे रह पाती हैं, वहीं यह पनडुब्बियां महीनों तक पानी में रह सकती हैं।

भारतीय नौसेना में आज होगी घातक अरिघात की एंट्री

दूसरी सबमरीन

भारत दूसरी न्यूक्लियर पनडुब्बी आईएनएस अरिघात को कमीशन करने जा रहा है। इसमें 750-किमी रेंज के के-15 मिसाइलें होंगी। यह चीन के समुद्री विस्तार पर लगाम लगाने के मद्देनजर बनाई गई हैं। भारत ने दो नए परमाणु पनडुब्बियों के निर्माण की योजना भी बनाई है, जो एक दशक में तैयार होंगी। भारत में दो और न्यूक्लियर पावर अटैक सबमरीन के निर्माण से प्रोजेक्ट को भी अंतिम मंजूरी मिलने वाली है।

अरिघात की खासियत

अरिहंत कैटेगरी की दूसरी मिसाइल सबमरीन आईएनएस अरिघात के ब्लेड प्रोपेलर जल रिएक्टर से संचालित होंगे। यह पनडुब्बी पानी की सतह पर 12-15 समुद्री मील यानी 22 से 28 किमी/घंटे से भी ज्यादा रफ्तार से चल सकती है और समुद्र की गहराई में 24 समुद्री मील यानी 44 किमी/घंटा की गति से चल सकती है। इस पनडुब्बी पर आठ लॉन्च ट्यूब होंगे। यह 750 किमी. रेंज वाली 24 के-15 सागरिका मिसाइलों या 3,500 किमी. की रेंज वाली 8 के-4 मिसाइल तक ले जा सकती है।

खबर संक्षेप

पार्टी की सोच के अनुसार चलूंगी : कंगना रनौत

मंडी। हिमाचल की मंडी लोकसभा सीट से बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने बुधवार को कहा कि हाल ही में उन्होंने किसान आंदोलन को लेकर

जो बयान दिया था, उसे लेकर पार्टी नेतृत्व ने उन्हें फटकार लगाई है। एक चैनल को दिए एक इंटरव्यू में कंगना रनौत ने कहा कि वह भविष्य में अपने शब्दों के चयन को लेकर अधिक सावधान रहेंगी। कंगना रनौत ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि अगर हमारा शीर्ष नेतृत्व मजबूत नहीं रहता तो किसान आंदोलन के दौरान पंजाब को भी बांग्लादेश बना दिया जाता। प्रदर्शन के नाम पर हिंसा फैलाई गई। वहां रेप हो रहे थे, लोगों को मारकर लटकाया जा रहा था।

वेस्ट बैंक में मौत बनकर बरसीं इजराइली मिसाइलें, 9 की मौत

यरुशलम। इजराइली सेना ने गाजा के बाद अब अपना टारगेट

वेस्ट बैंक की ओर सेट कर दिया है। बुधवार को इजराइल की ओर से वेस्ट बैंक में कई घातक हमले किए गए, जिसमें कम से कम 9 फिलस्तीनियों की मौत हो गई। इसके साथ ही सेना ने संवेदनशील माने जाने वाले जेनिन शहर को घेर लिया है। इजराइली ने सात अक्टूबर को हमास के हमले के बाद से लगभग हर दिन वेस्ट बैंक पर हमले किए हैं। फिलस्तीनी आतंकवादी समूहों ने कहा कि इजराइली सेना के साथ उनकी मुठभेड़ जारी है। जेनिन के गवर्नर कमाल अबू अल-रब ने फिलस्तीनी रेडियो से कहा कि इजराइली बलों ने शहर को घेर लिया है, निकासी और प्रवेश बिन्दुओं को बंद कर दिया है।

हरियाणा चुनाव : कांग्रेस ने लिया बड़ा फैसला

'सीएम के दावेदार' शैलजा-सुरजेवाला क्लीन बोल्ड! किसी सांसद को नहीं मिलेगा विधानसभा टिकट

हरियाणा विधानसभा की सभी 90 सीटों पर 1 अक्टूबर को मतदान होगा और चुनाव नतीजे 4 अक्टूबर को मतगणना के बाद आएंगे। इस चुनाव को लेकर कांग्रेस में गुटबाजी चरम पर है। हुड्डा, शैलजा, सुरजेवाला गुट के बीच आपसी रस्साकशी चरम पर है। ऐसे में सीएम पद की दौड़ में खुद को शामिल करने के लिए विधानसभा चुनाव लड़ने के कुमारी शैलजा और रणदीप सुरजेवाला के फैसले को बड़ा धक्का लगा है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

दरअसल, प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया के साफ कर दिया कि किसी सांसद को विधानसभा चुनाव का टिकट नहीं दिया जायेगा। उनको प्रचार पर फोकस करना चाहिए। बाबरिया ने कहा कि ये पार्टी का फैसला है और जो सांसद टिकट चाहते हैं वो पार्टी अध्यक्ष से बात कर सकते हैं। हमारा मत सांसदों को टिकट न देने का है। सूत्रों के मुताबिक हुड्डा गुट के नेताओं का स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में कहना था कि सांसदों को विधानसभा टिकट नहीं मिलना चाहिए। इसके पीछे हुडा गुट का शैलजा और सुरजेवाला के विधानसभा चुनाव लड़ने के मनसूबे पर पानी फेरना था, जो प्रभारी ने मान भी लिया।

खास बातें

- कांग्रेस में चल रही है जमकर गुटबाजी, कई बड़े नेताओं के बीच टकराव की स्थिति
- 90 सीटों पर 1 अक्टूबर को मतदान होगा और चुनाव नतीजे आएंगे 4 अक्टूबर को

सीएम पद के लिए हुड्डा की दावेदारी मजबूत

भूपिंदर हुड्डा विधानसभा चुनाव लड़ते रहे हैं और विधायक होने के नाते सीएम पद पर उनका दावा सबसे मजबूत होता है। इस बार शैलजा और रणदीप अपने लिए टिकट मांग रहे थे लेकिन आलाकमान ने हुडा गुट की सुनी। कांग्रेस का मानना है कि राज्यसभा में कांग्रेस के 27 सांसद हैं, 25 से कम होने पर खरगे से नेता प्रतिपक्ष का दर्जा छिन जायेगा। लिहाजा रणदीप जैसे राज्यसभा के सांसदों को चुनाव नहीं लड़वाना चाहिए। इस सूरत में सुरजेवाला के बेटे को टिकट मिल सकता है।

भाजपा को लगा झटका, सभी दलों की सहमति से बदलेगी चुनाव की तारीख!

हरियाणा विधानसभा चुनाव की डेट को बढ़ाने कि मांग चुनाव आयोग के सामने रखी गई थी, जिसका फैसला मंगलवार को आयोग की ओर से लिया जाने वाला था। इसके लिए चंडीगढ़ में निर्वाचन आयोग ने बैठक भी की गई, लेकिन इसे लेकर कोई फैसला नहीं लिया गया। अब कहा जा रहा है कि आयोग सभी राज्य के सभी दलों की सहमति होने पर ही चुनाव कार्यक्रम में बदलाव करेंगे और वह इस मुद्दे पर राज्य के अन्य दलों की राय भी जानना चाहता है। अगर सभी दल इस पर सहमत होते हैं, तो बदलाव किया जा सकता है।

बीजेपी और इनेलो ने आयोग को लिखा था लेटर

बता दें कि पिछले सप्ताह बीजेपी और इनेलो ने आयोग को लेटर भेजकर मतदान की तिथि आगे बढ़ाने की मांग करते हुए यह कहा था कि 1 अक्टूबर के आगे और पीछे छुट्टियां पड़ रही हैं। एक साथ कई छुट्टियों की वजह से लोग राज्य से बाहर घूमने जा सकते हैं। इसके कारण मतदान पर खासा असर पड़ सकता है। इसके बाद यह कहा गया था कि आयोग मंगलवार, 27 अगस्त को राजनीतिक दलों के अनुरोध पर फैसला ले सकता है, लेकिन फिलहाल इस संबंध में अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है और न ही इसकी सूचना राजनीतिक दलों को दी गई।

महबूबा ने किया चुनाव लड़ने से इंकार

सीएम बनकर भी नहीं पूरा कर पाऊंगी एजेंडा

एजेंसी ▶▶| श्रीनगर

पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को ऐलान किया कि वह जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी। उन्होंने कहा कि अगर वह मुख्यमंत्री बन भी गईं तो भी वह केंद्र शासित प्रदेश में अपनी पार्टी का एजेंडा पूरा नहीं कर पाएंगी। मुफ्ती ने कहा, "मैं भाजपा के साथ एक सरकार की मुख्यमंत्री रही हूं जिसने (2016 में) 12,000 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी वापस ले ली थी। क्या हम अब ऐसा कर सकते हैं? मैंने (प्रधानमंत्री) मोदी के साथ सरकार की मुख्यमंत्री के रूप में अलगाववादियों को बातचीत के लिए आमंत्रित करने के लिए एक पत्र लिखा था। क्या आप आज ऐसा कर सकते हैं? मैंने जमीनी स्तर पर संघर्ष विराम (लागू) करवाया। क्या आप आज ऐसा कर सकते हैं? अगर आप मुख्यमंत्री के तौर पर प्राथमिकी वापस नहीं ले सकते, तो ऐसे पद का क्या मतलब है?"

- **अधिकार में कटौती होने से निराश हैं कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री**

एलजी पर रहना होगा निर्भर

पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती ने कहा, "उमर ने खुद कहा कि चपरासी के तबादले के लिए उन्हें (लेफ्टिनेंट) गवर्नर के दरवाजे पर जाना पड़ेगा। मुझे चपरासी के तबादले की चिंता नहीं है, लेकिन क्या हम अपना एजेंडा लागू कर सकते हैं?" उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश बने रहने तक विधानसभा चुनावों में भाग नहीं लेने का संकल्प व्यक्त किया था लेकिन मंगलवार को पार्टी द्वारा घोषित 32 उम्मीदवारों की सूची में उनका नाम भी शामिल था। बता दें कि उमर गांदेरबल से चुनाव लड़ेंगे, जहां से उन्होंने 2008 में जीत हासिल की थी।

स्लीपर सेल्स से कहा- ट्रेनों को पटरियों से उतारो

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पाकिस्तानी में रह रहे भारत के वॉन्टेड आंतकी फरहतुल्लाह गोरी ने एक वीडियो में भारत पर हमले की धमकी दी है। उसने अपने स्लीपर सेल्स से दिल्ली-मुंबई समेत दूसरे शहरों में ट्रेनों को पटरियों से उतारने और सप्लाई चेन को डिस्टर्ब करने के लिए कहा। यह वीडियो तीन हफ्ते पहले टेलीग्राम पर अपलोड किया गया। बुधवार, 28 अगस्त को यह मीडिया में सामने आया। यह आतंकियों से कह रहा है, 'बम विस्फोट में प्रेशर कुकर का इस्तेमाल करें। भारत सरकार की खुफिया एजेंसिया और ईडी उनकी संपत्तियों को निशाना बना रही है। इससे स्लीपर सेल नेटवर्क कमजोर पड़ रहा है। हम वापस आएंगे और सरकार को हिलाकर रख देंगे।' गोरी को भारत सरकार ने यूएपीए के तहत आंतकी घोषित किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गोरी की धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसिया अलर्ट पर हैं। दूसरी तरफ रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेस में ट्रेन की पटरियों पर पत्थर रखने की घटनाओं को संवेदनशील बताया। वैष्णव ने कहा कि रेल पटरियों पर हो रही दुर्घटनओं की जांच चल रही है।

पाकिस्तानी आंतकी गोरी ने भारत पर दी हमले की धमकी

यौन उत्पीड़न

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में 17 मामले

तिरुवनंतपुरम। यौन उत्पीड़न के आरोपों की बाढ़ से मलयालम फिल्म इंडस्ट्री मॉलीवुड में भूचाल आ गया है। यौन उत्पीड़न के मामलों में अब तक 17 मामले दर्ज किए गए हैं। आरोपों के बीच मलयालम मूवी आर्टिस्ट की एसोसिएशन (एम्मा) को भी भंग कर दिया गया है। पुलिस आरोपों को लेकर मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के कई फिल्मी सितारों और फिल्म निर्माताओं से पूछताछ कर सकती है। यौन उत्पीड़न के आरोपों की कड़ी में नया आरोप फिल्म अभिनेत्री सोनिया मल्हार का है।

ढाका में झील से बरामद किया गया महिला टीवी पत्रकार का शव

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में एक झील से बुधवार को 32 वर्षीय महिला टीवी पत्रकार का शव बरामद किया गया। मीडिया में जारी की गई खबरों में यह जानकारी दी गई। मृतक की पहचान सारा रहनुमा के रूप में हुई है। वह बांग्ला भाषा के सैटेलाइट और केबल टीवी चैनल गाजी टीवी की न्यूजरूम एडिटर थीं। ढाका ट्रिब्यून अखबार में प्रकाशित की गई खबर में बताया गया कि ढाका की हातिरझील में सारा रहनुमा का शव तैरता हुआ पाया गया। ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल पुलिस चौकी के प्रभारी निरीक्षक बच्चू मिया ने महिला पत्रकार का शव मिलने की पुष्टि की।

रायपुर
गुरुवार 29 अगस्त 2024
भाद्रपद कृष्ण पक्ष एकादशी
वर्ष : 23, अंक : 42
पृष्ठ : 12+4 +4 = 20, मूल्य : 5 .00**

मौसम
अधि. 34.1
न्यून. 25.6

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

फर्जी दिव्यांग सर्टिफिकेट से नौकरी करने वालों पर एक्शन की तैयारी, सीएम ने दिए कार्रवाई के आदेश

हरिभूमि लगातार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

फर्जी दिव्यांगता सर्टिफिकेट के मामले में राज्य शासन भी गंभीर हो गया है। छत्तीसगढ़ दिव्यांग संघ से हुई मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है। इसके तत्काल बाद छत्तीसगढ़ समाज कल्याण विभाग के सचिव ने स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव और महिला बाल विकास के सचिव को पत्र लिखते हुए इस मामले में जांच और कार्रवाई करने लिखा है। दूसरी ओर जिन लोगों पर फर्जीवाड़े के आरोप लग रहे हैं उन्होंने अब नया दांव खेला है। सस्पेंड कृषि विस्तार अधिकारी गुलाब सिंह राजपूत के मुताबिक दिव्यांग प्रमाण पत्र जिला मेडिकल बोर्ड से जारी हुआ है और वे सत्यापन भी वहीं कराएंगे। उनका दावा है कि उन्हें कोर्ट से भी स्टे मिल चुका है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ दिव्यांग संघ ने 28 अगस्त को प्रदेश स्तरीय पैदल मार्च का आयोजन किया था। जिसमें प्रदेश के अलग-अलग जिलों से 1000 से अधिक दिव्यांग शामिल होने वाले थे। इससे एक दिन पहले मंगलवार को संघ के पदाधिकारियों ने सीएम विष्णुदेव साय से मुलाकात की। सीएम के आश्वासन के बाद दिव्यांग संघ ने अपना ▶▶ शेष पेज 4 पर

विभागों की लापरवाही से मिला स्टे

इस पूरे मामले एक बात जो निकलकर सामने आ रही है वह है कि विभिन्न विभागों के गलत पत्राचार और धारा 51 की जगह 91 का उल्लेख होने से 20 के करीब फर्जी दिव्यांग सर्टिफिकेट वालों को कोर्ट से स्टे मिल गया है। दिव्यांग संघ ने इसका तत्काल निपटारा करने के साथ एक ▶▶ शेष पेज 4 पर

छत्तीसगढ़ दिव्यांग संघ ने प्रदेश स्तरीय पैदल मार्च स्थगित किया

मेडिकल बोर्ड में जांच कराने 22 को नोटिस, कोई नहीं पहुंचा, इंतजार करते रहे अफसर
24 और 27 अगस्त को राज्य मेडिकल बोर्ड के सामने हाजिर होना था

सत्यापन के बाद भी सिर्फ परेशान किया जा रहा

इस मामले में मुंगेली में कृषि विस्तार अधिकारी के पद पर पदस्थ गुलाब सिंह राजपूत पर लगातार आरोप लग रहे हैं। आरोप है कि रायपुर और बिलासपुर में कृषि कोचिंग सेंटर चलाने के दौरान यहां अध्ययनरत छात्र-छात्राओं का भी फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाकर कृषि महाविद्यालयों में दिव्यांग सीट में प्रवेश ▶▶ शेष पेज 4 पर

ये है दिव्यांग संघ की मांग

- सरकारी नौकरी में फर्जी दिव्यांग सर्टिफिकेट से नौकरी करने वाले लोगों का मेडिकल बोर्ड के सामने दिव्यांगता का भौतिक परीक्षण कराया जाए। फर्जी दिव्यांग साबित हो चुके सत्येन्द्र सिंह चंदेल व्याख्याता जिला जांजगीर और अक्षय सिंह राजपूत व्याख्याता जिला मुंगेली को बर्खास्त किया जाए।
- रिचा दुबे सहायक संचालक कृषि महासमुंद बर्खास्त हो चुकी हैं, उस पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज हो।
- वास्तविक दिव्यांग शासकीय अधिकारी–कर्मचारी को केन्द्र के सामान 4 प्रतिशत पदोन्नति में आरक्षण दिया जाए।
- छत्तीसगढ़ में दिव्यांगों को केवल 500 रुपए पेंशन दिया जाता है, इसे बढ़ाकर 5000 रुपए प्रतिमाह किया जाए।
- दिव्यांगता के कारण दिव्यांग बहनों की शादी नहीं हो पा रही है, उन्हें महतारी वंदन योजना का लाभ दिया जाए।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

बादल फटने से तीन की मौत, चार लापता

जम्मू। रामबन के राजगढ़ में बादल फटने की घटना के बाद 3 लोगों की मौत हो गई। 4 लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं।

तहसीलदार मेजर सिंह ने बताया है कि लापता लोगों में से 3 के शव बरामद कर लिए गए हैं। प्रशासन ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए एनडीआरएफ और बाकी सभी उपलब्ध संसाधनों को बचाव कार्यों में लगा दिया है।

शेट्टी ने एसबीआई चेयरमैन का संभाला पदभार

नई दिल्ली। चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी ने बुधवार को सार्वजनिक क्षेत्र के एसबीआई के चेयरमैन का

पदभार संभाल लिया। वह दिनेश खारा का स्थान लिया। कारोबारी समय समाप्त होने पर बैंक की सेवाओं से सेवानिवृत्त हो गए। शेट्टी इससे पहले एसबीआई के वरिष्ठतम प्रबंध निदेशक थे।

दही हांडी उत्सव में 245 'गोविंदा' घायल

मुंबई। मुंबई में एक दिन पहले 'दही हांडी' उत्सव के तहत मानव पिरामिड बनाने में शामिल कुल

245 'गोविंदा' घायल हो गए। इन घायलों में से 32 विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं, जबकि 213 को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। जन्माष्टमी के तहत दही हांडी उत्सव में लोगों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया।

सड़क हादसे में चार लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के सीकर जिले में बुधवार को सुबह एक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत

हो गई। यह हादसा जयपुर-बीकानेर राजमार्ग पर रींगस में हुआ जब सीमेंट से भरा एक ट्रेलर अनियंत्रित होकर आगे चल रही कार पर चढ़ गया और पलट गया। पुलिस ने कार में फंसे लोगों को निकाला।

बारिश से गिरी दीवार 30 लोग घायल

पटना। पटना जिले में पुनपुन थाना क्षेत्र के श्रीपालपुर गांव के समीप बुधवार को एक दीवार के

अचानक ढह जाने से करीब 30 लोग घायल हो गए। पुनपुन इलाके में श्रीपालपुर के पास एक दीवार गिरने से कम से कम 30 लोग मामूली रूप से घायल हो गए। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को नजदीकी चिकित्सा केंद्र ले गए।

छत्तीसगढ़ में दो नए रेलवे स्टेशन, डबल रेल लाइन परियोजना को भी मंजूरी

देश के 10 राज्यों में बनेंगे 12 औद्योगिक स्मार्ट शहर, 40 लाख नई नौकरियां!

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

देश के नौ राज्यों में 12औद्योगिक स्मार्ट शहर तैयार किए जाएंगे। इसके अलावा, 10 राज्यों में 6 कॉरिडोर बनेंगे। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने मंजूरी दी। 12 औद्योगिक स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत 10 लाख लोगों को प्रत्यक्ष तौर पर और 30 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। परियोजना की कुल लागत 28,602 करोड़ होगी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए बुधवार को 28,602 करोड़ रुपए के अनुमानित निवेश से 10 राज्यों में 12 नए औद्योगिक शहरों की स्थापना को मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए इस अहम फैसले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम (एनआईसीडीपी) के तहत 28,602 करोड़ रुपए

के अनुमानित निवेश से 12 नए परियोजना प्रस्तावों को मंजूरी दी है। ये औद्योगिक शहर उत्तराखंड के खुरपिया, पंजाब के राजपुरा-पटियाला, महाराष्ट्र के दिघी, केरल के पलक्कड़, उत्तर प्रदेश के आगरा एवं प्रयागराज, बिहार के गया, तेलंगाना के जहीराबाद, आंध्र प्रदेश के ओर्वकल एवं कोपर्थी और राजस्थान के जोधपुर-पाली में स्थित होंगे। इन औद्योगिक शहरों की परिकल्पना छह प्रमुख गलियारों के करीब रणनीतिक रूप से की गई है। ये परियोजनाएं भारत की विनिर्माण क्षमताओं और आर्थिक वृद्धि को रफ्तार देने में एक महत्वपूर्ण पहल को दर्शाती हैं। यह कदम देश के औद्योगिक परिदृश्य को बदल देगा। इससे औद्योगिक क्षेत्र एवं शहरों का एक मजबूत नेटवर्क तैयार होगा जो आर्थिक वृद्धि और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को महत्वपूर्ण रूप से ▶▶ शेष पेज 4 पर

इन राज्यों को फायदा

- उत्तराखंड- खुरपिया
- पंजाब -राजपुरा- पटियाला
- महाराष्ट्र- दिघी
- केरल-पलक्कड़
- उत्तर प्रदेश - आगरा एवं प्रयागराज
- बिहार- गया
- तेलंगाना - जहीराबाद
- आंध्र प्रदेश - ओर्वकल एवं कोपर्थी
- राजस्थान- जोधपुर-पाली

10 राज्यों में 6 कॉरीडोर
10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार

30 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार
1.52 लाख करोड़ का निवेश

कृषि अवसंरचना कोष योजना का दायरा बढ़ाया

सरकार ने एक लाख करोड़ रुपए की कृषि अवसंरचना कोष योजना का दायरा बढ़ाकर इसे और अधिक आकर्षक बना दिया। यह कदम देश में कृषि संबंधी बुनियादी ढांचा सुविधाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया गया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में एआईएफ के तहत वित्तपोषण सुविधा की केंद्रीय क्षेत्र योजना के प्रगतिशील विस्तार को मंजूरी दी गई है।

जगदलपुर, अंबिकापुर कोरबा में खुलेंगे एफएम चैनल

केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ में डबल रेल लाइन परियोजना को मंजूरी दी है। इस परियोजनाओं की कुल लागत करीब 1,360 करोड़ रुपए हैं। इसमें 2 नए रेलवे स्टेशन भी बनेंगे। इसके अलावा प्रदेश में 9 नए एफएम चैनल भी स्वीकृत किए गए हैं। कैबिनेट बैठक में रेलवे की कुल 6,456 करोड़ की 3 परियोजनाओं को मंजूरी मिली है। इससे छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के 7 जिलों को कवर किया जाएगा। परियोजना के तहत रायगढ़ के थांगरघाट और धौरभांठा 2 नए रेलवे स्टेशन ▶▶ शेष पेज 4 पर

सीएम साय ने पीएम-रेलमंत्री का जताया आभार

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में 1360 करोड़ रूपए लागत की भालुमुड़ा-सारडेगा रेल परियोजना की मंजूरी मिलने पर छत्तीसगढ़वासियों को बधाई दी। साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नई दोहरी रेल लाइन परियोजना से 25 लाख मानव दिवस का रोजगार सृजन होगा।

सरगुजा मार्ट कंपनी की मुख्य डायेक्टर ठगी मामले में गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जशपुरनगर

सरगुजा मार्ट कंपनी की मुख्य संचालक लता खुंटे को ठगी के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की संपत्ति अटैच करने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सरगुजा मार्ट के नाम से कुनकुरी के आजाद

मोहल्ला में क्षेत्रीय कार्यालय खोलकर क्षेत्र के अनेक भोले-भाले ग्रामीणों को 41500 रुपए के सस्ते दर पर बोर खनन के नाम पर अनेकों लोगों से कुल रकम 3,63,000 रूपए नगद एवं फोन पे के माध्यम से बोर खनन के नाम पर डिप्टी डायरेक्टर निशांत तिर्की एवं एरिया मॅनेजर फ्रांसिस पन्ना को दिये है। उनके द्वारा न ही बोर खनन नहीं किया गया और ना ही पैसा वापस किया गया है। ग्रामीणों के साथ बोर खनन के नाम पर धोखाधड़ी किये जाने की रिपोर्ट पर चौकी दोकड़ा में अपराध अप.क्र. 99/24 धारा 420, 34 भा.द.वि. पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक जशपुर के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में टीम बनाकर दबिश देकर प्रकरण के आरोपीगण निशांत तिर्की उम्र 40 साल निवासी कुंजारा थाना कुनकुरी एवं फ्रांसिस पन्ना उम्र 30 साल निवासी जुमईकेला चौकी दोकड़ा को दिनांक 25 अगस्त को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। कंपनी की डायरेक्टर लता खुंटे उम्र 45 साल निवासी गंगापुरखुर्द अंबिकापुर सरगुजा संभाग के अन्य जिलों में ठगी करने पर अपराध दर्ज होने से पूर्व से जेल में निरूद्ध थी। पुलिस द्वारा उक्त आरोपियों ▶▶ शेष पेज 4 पर

- कंपनी के डिप्टी डायरेक्टर निशांत तिर्की व एरिया मैनेजर फ्रांसिस पन्ना पूर्व से गिरफ्तार

किया जा रहा संपत्ति का आकलन

सरगुजा मार्ट कंपनी की मुख्य डायेक्टर सरगना लता खुंटे को प्रोडक्शन वारंट में लेकर पूछताछ करने पर इस अपराध में शामिल होना बताए जाने पर आरोपी की संपति का आंकलन किया जा रहा है। तद्नुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी।
शशि मोहन सिंह, पुलिस अधीक्षक जशपुर

अमृतसर हवाई अड्डे पर अलर्ट

ड्रोन जैसी वस्तु दिखी, तीन घंटे तक बाधित रही उड़ानें

एजेंसी ▶▶ अमृतसर

अमृतसर में हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) टावर द्वारा हवाई क्षेत्र में अचानक 'ड्रोन' जैसी दिखने वाली तीन वस्तुओं की गतिविधि देखने के बाद यहां हवाई अड्डे पर उड़ान सेवाएं लगभग तीन घंटे तक बाधित रहीं। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना से उस समय सभी निर्धारित उड़ानों को हवाई अड्डे पर उतरने और वहां से उड़ान भरने में बाधा उत्पन्न हुई। श्री गुरु रामदास अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के कार्यवाहक निदेशक संदीप अग्रवाल ने बुधवार को बताया कि यह घटना सोमवार रात 10:10 बजे घटी और ड्रोन जैसी वस्तुओं की गतिविधियां लगभग तीन घंटे तक सक्रिय रहीं। उन्होंने बताया कि हवाई अड्डे पर रात 10:10 बजे से देर रात 12:45 बजे तक उड़ान परिचालन स्थगित रहा, जिसके बाद एटीसी टावर से मंजूरी मिलने के बाद सेवाएं बहाल कर दी गईं। अग्रवाल ने बताया कि ड्रोन जैसी वस्तुओं की गतिविधि देखे जाने के बाद हवाई अड्डा प्राधिकारियों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया।

नहीं मिला कोई सुराग

हवाई अड्डा थाना प्रभारी हरसिमर ने बताया कि मामले की सूचना पुलिस को मिलने के बाद सीआईएसएफ के साथ व्यापक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया। इसके तहत हवाई अड्डे के आसपास के विभिन्न गांवों के कई लोगों से पूछताछ की गई, लेकिन किसी को भी हवाई अड्डे के आसपास उड़ती वस्तुओं के बारे में कोई सुराग नहीं मिला।

मामले की जांच जारी

आमतौर पर जब ड्रोन हवा में उड़ते हैं, तो ऊपर लगी लाइट टिमटिमाती हैं। हवाई अड्डा प्राधिकरण के अनुसार इस मामले में एक 'सिंगल स्पॉटलाइट' थी। उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है और अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि वे ड्रोन थे या कोई अन्य वस्तु।

कोरोना काल में जेल से पैरोल पर छूटे 14 कैदी 4 साल से फरार, नहीं ली जा रही सुध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

कोरोना काल के दौरान जेल से पैरोल पर छूटे 14 कैदी समय समाप्त होने के बाद भी नहीं लौटे। ये कैदी पिछले 4 साल से फरार हैं, पुलिस ने इनके खिलाफ एफआईआर तो दर्ज किया है, परन्तु इन्हें पकड़ने का कोई प्रयास नहीं किया है, इसलिए ये सजायाप्ता कैदी आराम से खुली हवा में घूम रहे हैं। वर्ष 2020 में कोरोना काल के दौरान जेल में संख्या कम करने के लिए कोर्ट के निर्देश पर बड़ी संख्या में सजायाप्ता कैदी व बंदियों को पैरोल पर छोड़ा गया था। कोरोना ▶▶ शेष पेज 4 पर

पुलिस को करना है कार्रवाई

वर्ष 2020 कोरोना काल में कोर्ट के निर्देश पर कैदी व बंदियों को पैरोल पर छोड़ा गया था। 4 साल बाद भी 14 कैदियों की वापसी नहीं हुई है। फरार होने वाले कैदी प्रदेश, संभाग व जिले हैं। संबंधित थानों में कैदियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने पत्राचार किया गया था। पुलिस कैदियों को गिरफ्तार करेगी।
-खोमेश मंडावी, जेल अधीक्षक

गंभीर अपराध के कैदी घूम रहे बाहर

पैरोल में छुटकर वापस नहीं लौटने वाले अधिकांश कैदी हत्या, बलात्कार जैसे गंभीर मामले के सजायाप्ता है। उसके बाद भी पुलिस खूंखार कैदियों को खोजने सुध नहीं ले रहे हैं। ऐसे में उक्त फरार कैदी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकते हैं। 4 साल से फरार कैदियों को खोजने के लिए जेल प्रशासन व पुलिस विभाग के अधिकारी गंभीर नहीं हैं।

29 अगस्त से 2 सितंबर तक

देशभर में पांच दिन बंद रहेगी पासपोर्ट सर्विस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

नया पासपोर्ट बनवाने के लिए अभी 5 दिन और इंतजार करना पड़ेगा। 5 दिन तक देश में पासपोर्ट विभाग का पोर्टल बंद रहेगा। 29 अगस्त की रात 8 बजे से 2 सितंबर की सुबह तक इसकी सर्विस नहीं दी जाएगी। अगर आप पहले ही अप्लाई कर चुके हैं और आपको 30 अगस्त से 2 सितंबर के बीच की कोई डेट मिली है तो वह भी कैंसिल करके आगे बढ़ा दी जाएगी। इससे आवेदकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

आगे बढ़ जाएगी तारीख

इस दौरान कोई भी काम नहीं किया जा सकेगा। जो पहले से इन तारीखों में अपॉइंटमेंट मिली होगी, उस तारीख को भी आगे बढ़ा दिया जाएगा। इस सर्विस के बंद होने का असर पासपोर्ट सेवा केंद्र के साथ-साथ क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय और विदेश मंत्रालय में दिखेगा।

केंद्र ने डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए राज्यों को लिखी चिट्ठी

अस्पताल में पर्याप्त रोशनी, होगी नियमित गश्त !

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र ने कार्यस्थलों पर डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्यों को विभिन्न कदम उठाने को कहा है। इनमें अस्पताल परिसरों में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था, रात में नियमित गश्त और महत्वपूर्ण स्थानों तक लोगों की पहुंच को विनियमित करना शामिल है। कोलकाता में एक जूनियर डॉक्टर के बलात्कार-हत्या मामले में उच्चतम न्यायालय के आदेशों के बाद केंद्र ने यह कदम उठाया है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा ने 23 अगस्त को राज्यों के मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों को पत्र लिखा है।

अलग खबर

अस्पताल परिसर में लगाएं नियम

चंद्रा ने स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा के लिए राज्य के कानूनों और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के साथ-साथ दंडात्मक विवरणों को स्थानीय भाषा और अंग्रेजी में अस्पताल परिसर में प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित करने पर जोर दिया। उन्होंने अस्पताल सुरक्षा समिति और हिंसा रोकथाम समिति के गठन का भी आह्वान किया, जिसमें वरिष्ठ डॉक्टर और प्रशासनिक अधिकारी सदस्य के तौर पर शामिल हों।

राज्य सरकारों को दिए दो हफ्ते

चंद्रा ने कहा, शीर्ष अदालत ने यह निर्देश भी दिया है कि राज्य सरकारें दो सप्ताह की अवधि के भीतर स्थिति की आवश्यकताओं को देखते हुए उपचारात्मक और उचित कार्रवाई करेंगी। उन्होंने अपने पत्र में कहा, इस संबंध में, निम्नलिखित कुछ तत्काल कदम हैं, जिन पर स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा और उनके लिए सुरक्षित माहौल प्रदान करने के वास्ते विचार किया जा सकता है।

ऐसे निर्देश

- रात की ड्यूटी के दौरान अस्पताल के विभिन्न हिस्सों, छात्रावास भवनों और अन्य क्षेत्रों में रेजिडेंट डॉक्टरों एवं नर्सों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करें
- अस्पताल के सभी क्षेत्रों में उचित रोशनी सुनिश्चित किया जाए
- रात में अस्पताल परिसर में नियमित गश्त होनी चाहिए
- 24 घंटे काम करने वाले सुरक्षा नियंत्रण कक्ष और निकटतम पुलिस स्टेशन के साथ संपर्क होना चाहिए।
- यौन उत्पीड़न के संबंध में अस्पतालों द्वारा एक आंतरिक समिति का गठन किया जाना चाहिए

चिंतन

बंगाल में जीवन का हिस्सा क्यों बनती जा रही है हिंसा

अपराध व हिंसा देश के किसी भी राज्य में हो सकते हैं और उस पर तुरंत काबू भी पा लिया जाता है, लेकिन पश्चिम बंगाल में हिंसा की घटनाएं मूलतः राजनीतिक प्रकृति की होती हैं। हिंसा हमेशा से बंगाल के इतिहास का अभिन्न अंग रही है। समय के साथ-साथ हिंसा के स्वरूप में भी बदलाव आते रहे हैं। कभी राजनीतिक हिंसा तो कभी जमीन बचाने की जंग। कभी सत्ता से टकराव की हिंसा तो कभी अपराध से निपटने की असफलता पर उपद्रव। जैसे समय के साथ विरोध और विद्रोह का चेहरा बदलता है, वैसे ही हिंसा का चेहरा भी बदलता है। औपनिवेशिक शासन के दौरान बंगाल में जो हिंसा देखी गई, उसने स्वतंत्रता के बाद के दौर में अपना रूप बदल लिया। इस अवधि में हिंसा सड़क पर युद्ध और माफिया अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के रूप में प्रकट हुई। इसमें जबरन वसूली और अनौपचारिक करों में वृद्धि हुई। हिंसा के इस बदले हुए रूप में योगदान देने वाला अन्य कारक एक विशेष प्रकार का विकास मॉडल था जो इस अवधि में आकार लेना शुरू हुआ। वह मॉडल जिसमें विभिन्न किराया-मांगने वाले समूह, भूमि विकास और निर्माण उद्योग से आय निकालने के लिए अत्यधिक हिंसा का सहारा लेते थे। फिर दौर आया वामपंथ सरकार का। वाम मोर्चे के शासन के दौरान, प्रलयकारी हिंसा कम हो गई और राजनीतिक हिंसा 'सामान्य' हो गई। वाम मोर्चे के 34 साल के शासन में राजनीतिक हत्याएं बेरोकटोक जारी रहीं। उसके बाद ममता बैनर्जी के शासनकाल में हिंसा तो वैसे ही रही, बस उसका स्वरूप बदल गया। पहले जहां वामपंथ पैर पसारने को हिंसा का समर्थन कर रहा था, अब तृणमूल जड़ें मजबूत करने के लिए इसे समर्थन कर रहा है। अब नया उपद्रव ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर के बाद शुरू हुआ है। हालांकि पूरे मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई है, लेकिन घमासान है कि थमने का नाम ही नहीं ले रहा। इस केस में छात्र संगठनों के प्रोटेस्ट मार्च के बाद भाजपा ने 12 घंटे का बंगाल बंद बुलाया तो हंगामा खड़ा हो गया। बंद के दौरान कई जिलों में पुलिस और भाजपा समर्थकों के बीच झड़प हुई है। कई नेताओं-वर्कर्स को हिरासत में लिया गया है। नॉर्थ 24 परगना जिले के भाटपारा में भाजपा नेता प्रियंगु पांडे की कार पर फायरिंग हुई। टीएमसी केकरीब 50-60 लोगों ने हमला किया। गाड़ी पर 6-7 राउंड फायरिंग की और बम फेंके गए। ड्राइवर समेत दो लोगों को गोली लगी है। तृणमूल समर्थकों ने भाजपाइयों पर लाठी-डंडे से हमला किया। बनगांव और बारासात दक्षिण में ट्रेनें रोकी गईं। भाजपा 27 अगस्त को कोलकाता में छात्र प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज और उन्हें हिरासत में लेने का विरोध कर रही है। बंद के दौरान लगभग पूरे राज्य में दहशत का माहौल रहा। बंद के दौरान के जो वीडियो सामने आ रहे हैं, वे हैरान करने वाले हैं। बस ड्राइवर भी सुरक्षा की दृष्टि से हेलमेट लगाकर चल रहे हैं। शायद हिंसा प. बंगाल में जनजीवन का हिस्सा बन चुकी है। कोई राज्य अपने पूरे इतिहास में एक ही तरह की हिंसा का अनुभव नहीं करता है, लेकिन प. बंगाल जैसे हिंसा में ही चल रहा है। केंद्र सरकार को तुरंत इस ओर ध्यान देना होगा। हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। जब राज्य सरकार इससे निपटने में असफल रहे या फिर हिंसा के सहयोगी की भूमिका में हो तो इस पर एक्शन लेना बहुत जरूरी हो जाता है। ऐसे में हिंसा पर लगाव के लिए जो भी जरूरी हों, सख्त से सख्त कदम उठाए जाने चाहिए।

शिक्षा
कल्लोल चक्रवर्ती

शिक्षा की असमानता खत्म हो

> चिंतित करने वाली बात यह है कि वर्ष 2022 के मुकाबले 2023 में ओवरऑल पास प्रतिशत कम रहा। इस सच्चाई की अनदेखी भी नहीं की जा सकती कि तमाम घोषणाओं और दावों के बावजूद उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश जैसे हिंदीभाषी राज्य स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में अब भी बहुत पीछे हैं। एनसीईआरटी के संगठन 'परख' द्वारा तैयार रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि देश के अलग-अलग शिक्षा बोर्ड के सिलेबस और मूल्यांकन प्रक्रिया में असमानता इस दिशा में बड़ी चुनौती है। इसी के चलते छात्रों को बराबरी के मौके नहीं मिल पाते। ऐसे में, सिलेबस और मूल्यांकन प्रक्रिया में समानता आज की जरूरत है। वोकेशनल और स्किल कोर्स को बढ़ावा देना भी जरूरी है।

शिक्षा मंत्रालय ने वर्ष 2022 की तरह 2023 में भी देशभर के 59 स्कूल बोर्डों (56 राज्य बोर्डों और तीन राष्ट्रीय बोर्डों) के रिजल्ट का विश्लेषण कर एक रिपोर्ट पेश की है। इस रिपोर्ट के कुछ निष्कर्ष जहां लंबे समय से चले आ रहे ट्रेंड के बारे में बताते हैं, वहीं कुछ निष्कर्ष चिंताजनक भी हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने यह पहल क्यों की है? दरअसल मंत्रालय की कोशिश है कि देश के अलग-अलग स्कूल बोर्ड्स को साझा मंच पर लाकर सभी छात्रों को बराबरी के मौके दिए जाएं। रिपोर्ट का एक निष्कर्ष यह है कि वर्ष 2022 की तरह 2023 में भी 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में पास होने के मामले में लड़कियां लड़कों से आगे रहीं। यह ट्रेंड आज का नहीं है।

पिछले काफी समय से 10वीं-12वीं की तरह नीट और जेईई जैसे प्रोफेशनल कोर्स की परीक्षाओं और सिविल सर्विस की रैंकिंग तक में लड़कियों का दबदबा कायम है। इसके बावजूद समाज में लड़के-लड़कियों की शिक्षा में भेदभाव जारी है, जो स्कूलों में दाखिले तक में दिखता है। अभिभावक निजी स्कूलों में, जहां खर्च ज्यादा है, दाखिले के मामले में लड़कियों की तुलना में लड़कों को प्राथमिकता देते हैं। ज्यादातर अभिभावक लड़कियों को सरकारी स्कूलों में पढ़ाना पसंद करते हैं, क्योंकि उनमें खर्च कम पड़ता है। इस साल की रिपोर्ट भी बताती है कि प्राइवेट स्कूलों में लड़के आगे हैं, जबकि सरकारी स्कूलों में लड़कियां ज्यादा हैं। इसके बावजूद हर तरह के स्कूलों के रिजल्ट में लड़कियां आगे हैं। 2023 में 10वीं में लड़कियों की कामयाबी का पर्सेंटेज 89 फीसदी और लड़कों का 83 प्रतिशत रहा। जबकि 12वीं में लड़कियों का पास पर्सेंटेज 86.3 फीसदी और लड़कों का पास पर्सेंटेज 78.9 प्रतिशत रहा। स्ट्रीम या शाखा चुनने में भी छात्रों और छात्राओं के बीच का फर्क साफ दिखता है।

साइंस में छात्रों का और आर्ट्स में छात्राओं का नामांकन ज्यादा होना समाज में व्याप्त इस रूढ़ि के बारे में ही बताता है कि लड़कों को साइंस पढ़ना चाहिए और लड़कियों को आर्ट्स। लेकिन साइंस और आर्ट्स, दोनों स्ट्रीम में पास होने वालों में लड़कियों की संख्या ज्यादा रही। यह तथ्य बताता है कि तमाम रूढ़िवाद और वर्जनाओं के बावजूद लड़कियां लड़कों को पीछे छोड़ती जा रही हैं। हैरानी की बात अलबत्ता यह है कि लड़कों-लड़कियों में फर्क करने वाला समाज न तो लड़कियों की मेहनत और प्रतिभा को रेखांकित कर रहा है, न उसे इससे कोई परेशानी है कि तमाम जतन किए जाने के बावजूद लड़के सालोंसाल पिछड़ रहे हैं। 2023 की रिपोर्ट के इस सकारात्मक पहलू का अलबत्ता संज्ञान लिया जाना चाहिए कि एससी/एसटी और पिछड़े वर्ग के छात्रों का नामांकन बढ़ा है और उनकी पास पर्सेंटेज में भी वृद्धि हुई है। एससी/एसटी लड़कियों का प्रदर्शन भी 2023 में बेहतर हुआ। इससे स्पष्ट है कि शिक्षा के क्षेत्र में वंचित तबकों की जगह बढ़ रही है। रिपोर्ट के दूसरे निष्कर्ष देश भर में स्कूली शिक्षा में व्याप्त अंतर के बारे में बताते हैं। जैसे, शिक्षा में सबसे उन्नत राज्यों में गिने जाने वाले केरल में 10वीं में पास पर्सेंटेज देश में सर्वाधिक 99 फीसदी है, तो मेघालय में यह सबसे कम 51.9 प्रतिशत

है, जो केरल का लगभग आधा है। आम सोच यह है कि मुख्यधारा से दूरी का पूर्वोत्तर को बहुत नुकसान हुआ है। मेघालय इसका ज्वलंत उदाहरण है, जहां 12वीं में साइंस पढ़ने वाले छात्र देश में सबसे कम मात्र 11 फीसदी हैं। त्रिपुरा में इससे थोड़ा ज्यादा लगभग 12.8 प्रतिशत छात्र साइंस के थे। हालांकि यह पूर्वोत्तर का पूरा सच नहीं है, क्योंकि मणिपुर में 68.4 फीसदी साइंस के छात्र पाए गए। राज्यवार विश्लेषण से कुछ और चीजें साफ होती हैं। जैसे केरल में पास प्रतिशत सबसे ज्यादा होना तथा आंध्र बोर्ड में साइंस पढ़ने वाले छात्रों का सर्वाधिक 78 फीसदी और तमिलनाडु में 65.9 प्रतिशत होना दक्षिण भारत में स्कूली शिक्षा के उन्नत स्तर के बारे में बताता है। अगर आर्ट्स या मानविकी की बात करें, तो त्रिपुरा बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन में आर्ट्स के सर्वाधिक 84.6 फीसदी छात्र थे, तो गुजरात बोर्ड में 82.8 प्रतिशत और मेघालय में 81.1 फीसदी छात्र आर्ट्स के पाए गए।

चिंतित करने वाली बात यह है कि वर्ष 2022 के मुकाबले 2023 में ओवरऑल पास प्रतिशत कम रहा। इस मामले में राज्य बोर्डों में विफलता की दर सीबीएसई और आईसीएसई जैसे राष्ट्रीय बोर्डों की तुलना में अधिक रही। ओपन स्कूल का प्रदर्शन भी खराब रहा। इस साल 10वीं-12वीं में 65 लाख से अधिक छात्र फेल हुए। फेल होने वालों में उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश के छात्र सबसे अधिक थे। 10वीं में फेल होने वाले छात्रों में सबसे अधिक मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तर प्रदेश के थे। जबकि 12वीं में फेल होने वालों में सबसे आगे उत्तर प्रदेश, फिर मध्य प्रदेश रहे। यानी उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश जैसे राज्य शिक्षा के क्षेत्र में तुलनात्मक रूप से पिछड़े होने के टैग से अब भी निकल नहीं पाए हैं।

केंद्र सरकार की नई शिक्षा नीति (एनईपी), 2024 का उद्देश्य देश में शिक्षा के मानक को वैश्विक स्तर पर ले जाना है। इसके लिए सरकार ने पुरानी शिक्षा नीति में कई बदलाव किए हैं, जिसका लक्ष्य शिक्षा के स्तर को बेहतर करना और अच्छी शिक्षा तक बच्चों की पहुंच बनाना है। नई शिक्षा नीति के अनुसार, पढ़ाई का तनाव घटाने के लिए 2025-26 के शैक्षणिक सत्र से छात्रों को 10वीं और 12वीं की परीक्षा साल में दो बार देने का विकल्प मिलेगा। निश्चित रूप से ये अच्छे उपाय हैं, लेकिन शिक्षा के स्तर में केरल और मेघालय के बीच का विराट अंतर पाटने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है।

इस सच्चाई की अनदेखी भी नहीं की जा सकती कि तमाम घोषणाओं और दावों के बावजूद उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश जैसे हिंदीभाषी राज्य स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में अब भी बहुत पीछे हैं। दरअसल एनसीईआरटी के संगठन 'परख' द्वारा तैयार रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि देश के अलग-अलग शिक्षा बोर्ड के सिलेबस और मूल्यांकन प्रक्रिया में असमानता इस दिशा में बड़ी चुनौती है। इसी के चलते छात्रों को बराबरी के मौके नहीं मिल पाते। ऐसे में, सिलेबस और मूल्यांकन प्रक्रिया में समानता आज की जरूरत है। वोकेशनल और स्किल कोर्स को बढ़ावा देना भी जरूरी है। आज 61.11 फीसदी स्कूल बोर्डों में फिजिकल एडुकेशन को, तो 38.80 स्कूल बोर्डों में आर्ट और क्राफ्ट को अनिवार्य विषय के तौर पर शामिल किया गया है। इसी तरह अभी 25 प्रतिशत स्कूल बोर्ड 50 फीसदी से ज्यादा बहुविकल्पीय प्रश्न देते हैं, जबकि 32 फीसदी स्कूल बोर्डों में 40 प्रतिशत प्रश्न अति लघु उत्तरीय होते हैं। दूसरी तरफ, कुछ स्कूल बोर्डों में 90 प्रतिशत से ज्यादा प्रश्न आसान होते हैं, तो कुछ बोर्डों में 50 फीसदी प्रश्न बेहद सरल होते हैं। इन फर्कों को मिटाने पर ही बात बनेगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

राष्ट्रीय खेल दिवस
डॉ. मोनिका शर्मा

खेलों से सामाजिकता सीखे नई पीढ़ी

हॉकी का जादूगर के नाम से चर्चित भारत के दिग्गज हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यान चन्द के जन्मदिन को राष्ट्रीय खेल दिवस रूप में मनाया जाता है। यह दिन जीवन में खेलों की अहमियत को भी रेखांकित करता है। असल में जीवन की जंग हो या खेल का मैदान बहुत कुछ एक सा होता है। कड़ी मेहनत, जीतने का जज्बा, हौसला, नेतृत्व दृढ़ता, गंभीरता, सधी-अनुशासित दिनचर्या और हार मिलने पर भी असीम धैर्य। जो कुछ जिन्दगी से जूझने के लिए चाहिए, वही खेल के मैदान में टिके रहने के लिए भी आवश्यक होता है। यही वजह है कि बच्चों का खेलों से जुड़ाव बेहद जरूरी है। विचारों की सही दिशा, श्रमशील व्यक्तित्व और स्वास्थ्य संभाल के लिए जीवन के पहले ही पड़ाव पर नई पीढ़ी की खेल के मैदान में मौजूदगी रहे। देश के भावी नागरिकों को व्यक्तित्व के ठहराव और संघर्ष का पाठ पढ़ाने के लिए खेलों से जोड़ना सबसे जरूरी है।

ध्यातव्य है कि भारत में राष्ट्रीय खेल दिवस मेजर ध्यानचंद सिंह और हॉकी के खेल में उनकी असाधारण उपलब्धियों के स्मरण से जुड़ा हुआ है। इतना ही नहीं, खेलों और शारीरिक गतिविधियों के महत्व को पहचानने और बढ़ावा देने के लिए भी यह दिन मनाया जाता है। देशभर में शारीरिक सक्रियता और खेलों से मिलने वाली मानसिक मजबूती का संदेश देने के लिए कई कार्यक्रम, समारोह और गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। हर बार एक विषय विशेष के मद्देनजर मनाए जाने वाले राष्ट्रीय खेल दिवस की वर्ष 2024 की आधिकारिक थीम 'शांतिपूर्ण और समावेशी समाजों के संवर्धन और विकास के लिए खेल' रखी गई है। यह विषय बताता है कि लोगों की एकजुटता, समुदायों की समावेशिता और शांति को बढ़ावा देने के लिए खेल एक सार्थक परिवेश बना सकते हैं। इस वर्ष की थीम खेलों और सामाजिक बंधनों की मजबूती को जोड़कर देखने-समझने का संदेश लिए है।

असल में सोशल बॉंडिंग हो या आपसी संवाद और मेलजोल। वर्चुअल स्क्रीन में खेलते आज के बच्चे सहज जीवन से जुड़ी कई बातों से दूर हैं। बच्चों की निष्क्रिय जीवनशैली तो अब चिंता का विषय बन गई है। मोटापा और कम उम्र में दूसरी बीमारियों की दस्तक अभिभावकों को भी डरा रही है। इतना ही नहीं, तकनीकी गैजेट्स में गुम आज के बच्चे अपने हमउम्र साथियों के साथ मिलकर खेलने और हार-जीत को जीने का भाव भी भूल रहे हैं। लांसेंट मेडिकल जर्नल में छपे एक अध्ययन के मुताबिक बीते चार दशक में 18 साल से कम उम्र के बच्चों में मोटापे के स्तर में 10 गुना बढ़ोतरी हुई है। ध्यातव्य है कि वैश्विक स्तर पर 200 देशों के आंकड़ों के आधार पर सामने आया कि यह अध्ययन अपनी तरह का सबसे बड़ा शोध है।

विचारणीय है कि नयी पीढ़ी की जीवनशैली और तकनीकी व्यस्तता कमोबेश दुनिया के हर समाज में ही बढ़ी है। नतीजतन, खेल-कूद के अभाव में बच्चों की शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं भी बढ़ रही हैं। समझना मुश्किल नहीं कि बालमन के उत्साह, ऊर्जा और सामाजिक जुड़ाव को पोषण देने वाली खेलने की गतिविधि उनके सम्पूर्ण व्यक्तित्व पर प्रभाव डालती है। ज्ञात हो कि बीते दिनों केरल उच्च न्यायालय ने भी अपने एक निर्देश में खेलकूद को बच्चों का मौलिक अधिकार कहा था। असल में खेल और हमउम्र बच्चों से मेलजोल ही बच्चों की अधिकतर शारीरिक-मनोवैज्ञानिक परेशानियों का हल है। आज आपराधिक गतिविधियों तक में लिप्त हो रहे बच्चों का आक्रोश और चिड़चिड़ापन दूर करने के लिए भी उनका खेलना आवश्यक है। साथ ही खेलों से जुड़ने वाले बच्चे समय प्रबंधन और अनुशासन सीखते ही हैं। इसके अलावा वे स्मार्ट स्क्रीन से भी दूर रहत पाते हैं। एक ओर वर्चुअल खेल खेलने वाले बच्चे दुखदायी कदम तक उठा लेते हैं तो दूसरी ओर मन की व्याधियों से घिरते भी बच्चे खेल के मैदान में उतर कर मानसिक तनाव भूल जाते हैं।

खेलों के माध्यम से बच्चों में बेहतर शारीरिक और बौद्धिक विकास का परिवेश बनता है। खास तौर पर एकल परिवारों के इस दौर में खेल ही बालमन को अपने आप तक सिमटे रहने के दायरे से बाहर निकालकर लाते हैं। मन की झिझक दूर कर उन्हें मिलनसार बनाते हैं। बचपन में मिलने वाला सामाजिकता, नियमितता और स्वनियमन का यह सकारात्मक पाठ बच्चों को जिम्मेदार और सहयोगी नागरिक भी बनाता है। ज्ञात हो कि वर्ष 2024 की थीम भी सोशल बॉंडिंग के इसी भाव को सम्बोधित है।

(लेखिका स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आवश्यक है समर्पण

संकलित
दर्शन

समर्पण प्रत्येक प्राणी के लिए अत्यंत आवश्यक भाव है। यही वह भाव है जिसके माध्यम से हम अपने आत्मीय जनों के प्रिय बन सकते हैं। यह स्मरण रहे कि राग, द्वेष, घृणा तथा स्वार्थ का त्याग किए बिना समर्पण की कल्पना व्यर्थ है। हमारे जीवन के प्रत्येक पहलू में समर्पण का भाव आवश्यक है। समर्पण हमारे लौकिक एवं पारलौकिक दोनों जीवन की उन्नति के लिए आवश्यक है। संबंधों में मधुरता के लिए हमें परस्पर समर्पण भाव रखते हुए रिश्तों का निर्वहन करना होता है। स्वार्थ की दृष्टि से बनाए गए रिश्ते अल्पावधि के उपरांत समाप्त हो जाते हैं। इसी प्रकार लक्ष्य की प्राप्ति के लिए भी समर्पण भाव का होना अत्यंत आवश्यक है। जब हम अपने संपूर्ण समर्पण के साथ लक्ष्य प्राप्ति के लिए समर्पित हो जाते हैं, तब कोई भी लक्ष्य हमसे दूर नहीं रहता। समर्पण के साथ-साथ विश्वास का होना भी आवश्यक है। जिस प्रकार एक बीज धरती में रोपित किया जाता है, तो वह संपूर्ण रूप से खुद को धरती मां की गोद में समर्पित कर देता है। तभी उसमें विकास के नए अंकुर फूट पड़ते हैं। भास्कर की किरणों उसे शक्ति प्रदान करती हैं। पवन की शीतलता उसे दुलारती है। मेघ उसका अभिसिंचन करते हैं। इस प्रकार उसे संपूर्ण प्रकृति का सहयोग एवं साहचर्य मिलने लगता है। उसके बाद वह धीरे-धीरे एक संपूर्ण वृक्ष का आकार ले लेता है। एक ऐसे वृक्ष का, जिसके आश्रय में तमाम प्राणी शीतलता प्राप्त करते हैं। यही नहीं, वह वृक्ष सैकड़ों बीजों के जनक होने का गौरव भी प्राप्त करता है।

लक्ष्मी जी कहां निवास करतीं हैं

संकलित
प्रेरणा

एक बार की बात है, राजा बलि समय बिताने के लिए एकान्त स्थान पर गधे के रूप में छिपे हुए थे। देवराज इन्द्र उनसे मिलने के लिए उन्हें ढूंढ़ रहे थे। एक दिन इन्द्र ने उन्हें खोज निकाला और उनके छिपने का कारण जानकर उन्हें काल का महत्व बताया। साथ ही उन्हें तत्वज्ञान का बोध कराया। तभी राजा बलि के शरीर से एक दिव्य रूपात्मा स्त्री निकली। उसे देखकर इन्द्र ने पूछाः दैत्यराज! यह स्त्री कौन है? देवी, मानुषी अथवा आसुरी शक्ति में से कौन-सी शक्ति है? राजा बलि बोलेः देवराज! ये देवी तीनों शक्तियों में से कोई नहीं हैं। आप स्वयं पूछ लें। इन्द्र के पूछने पर वे शक्ति बोलीं: देवेन्द्र! मुझे न तो दैत्यराज बलि जानते हैं और न ही तुम या कोई अन्य देवगण। पृथ्वी लोक पर लोग मुझे अनेक नामों से पुकारते हैं। जैसे- श्री, लक्ष्मी आदि। इन्द्र बोलेः देवी! आप इतने समय से राजा बलि के पास हैं लेकिन ऐसा क्या कारण है कि आप इन्हें छोड़कर मेरी ओर आ रही हैं? लक्ष्मी जी बोलीं: देवेन्द्र! मुझे मेरे स्थान से कोई भी हटा या डिगा नहीं सकता है। मैं सभी के पास काल के अनुसार आती-जाती रहती हूँ। जैसा काल का प्रभाव होता है मैं उतने ही समय तक उसके पास रहती हूँ। अर्थात मैं समयानुसार एक को छोड़कर दूसरे के पास निवास करती हूं। इन्द्र बोलेः देवी! आप असुरों के यहां निवास क्यों नहीं करतीं? लक्ष्मी जी बोलीं: देवेन्द्र! मेरा निवास वहीं होता है जहां सत्य हो, धर्म के अनुसार कार्य होते हों, व्रत और दान देने के कार्य होते हों। लेकिन असुर भ्रष्ट हो रहे हैं। ये पहले इंद्रियों को वश में कर सकते थे, सत्यवादी थे।

अंतर्मन

आज की पाती

बर्फ के पहाड़ों का पिघलना शुभ संकेत नहीं

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में ओउम पर्वत है। इसकी ऊंचाई लगभग 19,356 फीट अर्थात यह लगभग 5900 मीटर है। यहां ओम शब्द भी लिखा दिखता था, लेकिन हमने जो आधुनिकता और भौतिकतावादी चीजों के लिए प्रकृति की नाक में दम किया और इस कारण पर्यावरण में गर्मी बढ़ी, इसका बुरा असर पहाड़ों पर भी पड़ना शुरू हुआ और इसी कारण ओउम पर्वत से ओम शब्द भी नहीं रहा, अर्थात यह पिघल गया। वैज्ञानिक और अन्य विशेषज्ञ इसका कारण ग्लोबल वार्मिंग भी बता रहे हैं और हिमालयी क्षेत्रों से बर्फ का पिघलना बहुत ही हानिकारक बता रहे हैं। अभी कुछ दिन पहले ही एक खबर आई थी कि जहां एक तरफ देश के बहुत से मैदानी इलाकों में झमाझम बारिश हो रही थी, वहीं कश्मीर में गर्म हवाएं चल रही थीं और अब अमरनाथ गुफा में शिवलिंग के समय से पहले पिघलने की खबर है।

- मनीष बघेल, धमतरी

ट्रेंड

लाभार्थियों को बधाई

प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा शुरू की गई 'पीएम जन-धन योजना' ने करोड़ों गरीबों के वित्तीय समावेशन से उनके सपनों को नई ऊँचाई देकर अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है। देश की अर्थव्यवस्था में अकल्पनीय परिवर्तन लाने वाली इस योजना के 10 वर्ष पूर्ण होने की सभी लाभार्थियों को बधाई।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

इतनी जल्दबाजी क्यों

इतनी भयावह घटना के बाद एक पिता को ये सवाल क्यों उठाने पड़ रहे हैं? क्या एक पीड़ित पिता का ये भी हक नहीं कि उसे अपनी बेटी के साथ हुए सुलूक का सच पता चल सके? आखिर प्रशासन बच्चियों के शवों को जलाने की जल्दबाजी क्यों दिखा रहा है?

-प्रियंका गांधी वढ़ेरा, कांग्रेस नेत्री

जयशाह का कार्यकाल

उत्साही होना और क्रिकेट के लिए कुछ अच्छा करने का जज्बा रखना एक क्रिकेट प्रशासक के लिए आवश्यक गुण हैं। बीसीसीआई सचिव के रूप में जयशाह ने अपने कार्यकाल के दौरान इन गुणों को अद्भुत ढंग से प्रदर्शित किया।

-सचिन तेंदुलकर, पूर्व क्रिकेटर

निष्क्रियता और क्रिया

निष्क्रियता भी क्रिया का ही एक रूप है। कभी-कभी कुछ न करना अपनी बात को साबित करने के लिए कुछ करने से ज्यादा कुछ कहता है।

-काजोल, फिल्म अभिनेत्री

करंट अफेयर

अमेरिकी संयंत्र ने तोप के गोलों का उत्पादन बढ़ाया

रूस के खिलाफ यूक्रेन की लड़ाई में इस्तेमाल के लिए तोप के गोले बनाने वाले पेनसिल्वेनिया स्थित संयंत्र ने बढ़ती मांग के मद्देनजर उत्पादन को 50 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है। सरकारी अधिकारियों ने ऐतिहासिक कारखाने के 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर की लागत से किए जा रहे आधुनिकीकरण के बारे में बताते हुए उत्पादन में हुई वृद्धि की इस सप्ताह जानकारी दी। 'स्क्रैंटन आर्मी एम्युनीशन प्लांट' इस्पात की 2,000 पाउंड (907 किलोग्राम) छड़ों को काटकर 155 मिमी 'हॉवित्जर' के गोलों में ढालता है, जिन्हें आयोवा भेजा जाता है और वहां उन्हें विस्फोटकों से भरा जाता है और 'फ्यूज' से जोड़ा जाता है। वहां से कई गोलों को यूक्रेन में लड़ाई के लिए भेजा जाता है जहां इनकी अत्यधिक मांग है। स्क्रैंटन संयंत्र के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि उसने निकटवर्ती विल्क्स-बर्रे में स्थित दो अन्य गोला-बारूद संयंत्रों के साथ मिलकर अपना उत्पादन 24,000 गोले प्रति माह से हाल में बढ़ाकर 36,000 गोले प्रति माह कर दिया है। उन्होंने बताया कि तीन नयी उत्पादन लाइन विकसित की जा रही हैं, जिससे स्क्रैंटन संयंत्र को इन अहम हथियारों का उत्पादन और बढ़ाने में मदद मिलेगी।

ऑफ बीट

अटलांटिक नीना मौसम को कैसे प्रभावित करता है

उत्तरी अटलांटिक महासागर में कई महीनों से भीषण गर्मी चल रही है और सतह का तापमान रिकॉर्ड ऊंचाई पर या इसके करीब है। लेकिन अटलांटिक और पूर्वी प्रशांत दोनों में भूमध्य रेखा के साथ ठंडा होने से अंततः कुछ राहत मिलनी शुरू हो सकती है, खासकर, मूंगा चट्टानों के कमजोर पारिस्थितिकी तंत्र के लिए। यह ठंडक समान नामों वाली दो जलवायु घटनाओं से आती है : ला नीना, जो उष्णकटिबंधीय प्रशांत क्षेत्र में बनती है, और कम प्रसिद्ध अटलांटिक नीना। दोनों अटलांटिक तूफान के मौसम को प्रभावित कर सकते हैं। जबकि ला नीना अटलांटिक तूफानों के लिए आदर्श स्थितियाँ लाता है, कम शक्तिशाली अटलांटिक नीना में तूफान के कुछ जोखिम को कम करने की क्षमता है। हम महासागर और वायुमंडलीय वैज्ञानिक हैं जो इस प्रकार की जलवायु घटना का अध्ययन करते हैं। दोनों निनाओं को एक ही समय में देखना दुर्लभ है, फिर भी अगस्त 2024 में दोनों विकसित होते दिख रहे हैं। आइए बारीकी से देखें कि इसका क्या मतलब है। ला नीना और उसका चचेरा भाई, अटलांटिक नीना ला नीना अल नीनो-दक्षिणी दोलन का हिस्सा है, जो एक प्रसिद्ध जलवायु घटना है जिसका दुनिया भर में जलवायु और मौसम पर व्यापक प्रभाव पड़ता है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।

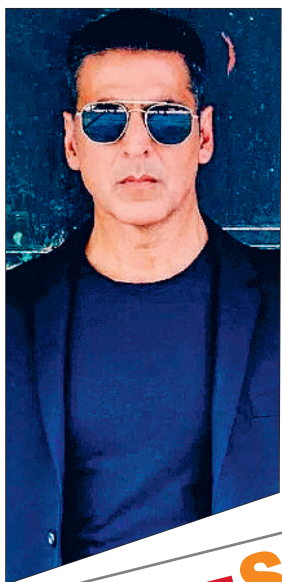

अब 'कनप्पा' से धमाल मचाएंगे अक्षय कुमार

मुंबई। बॉलीवुड इंडस्ट्री में ऐसे कई स्टार्स हैं, जिनकी फैन फॉलोइंग सिर्फ हिंदी बेल्ट में नहीं, बल्कि साउथ इंडिया में भी हैं। इसी पॉपुलैरिटी को इनकैश करते हुए निर्माता इन्हें साउथ की फिल्मों में भी कास्ट कर रहे हैं। अब खबर ये आ रही है कि बॉलीवुड इंडस्ट्री के खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार विष्णु मांचू की आगामी फिल्म 'कन्नप्पा' के साथ अपना तेलुगु डेब्यू करने वाले हैं। इस मूवी को देखने के बाद नॉर्थ से लेकर साउथ बेल्ट तक के लोग बेताब हैं। बता दें कि इससे पहले भी बॉलीवुड के कई दिग्गज अभिनेताओं ने तेलुगु जगत में धमाल मचाया है। इस लिस्ट में सलमान खान और अमिताभ बच्चन जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं।

लाइफ Style

श्रद्धा

शादी को लेकर बताई थी दिल की बात

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

श्रद्धा कपूर इन दिनों 'स्त्री 2' की सफलता का आनंद ले रही हैं। यह कहना बिल्कुल भी गलत नहीं होगा कि 'स्त्री 2' की रिलीज के बाद से श्रद्धा की फैन फॉलोइंग काफी बढ़ गई है। श्रद्धा को उनके निर्मल स्वभाव की वजह से डाउन-टू-अर्थ माना जाता है।

अक्सर सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों को सकारात्मक संदेश भेजती हैं। एक इंटरव्यू के दौरान श्रद्धा ने अपनी शादी के बारे में अपने विचार खुलकर बताए थे। श्रद्धा ने अपने जीवनसाथी के साथ 'पूरी तरह से खुश' रहने बात कही थी। दरअसल, यह बात है 2020 में स्ट्रीट डांसर 3डी के प्रमोशन के दौरान की, जब श्रद्धा कपूर ने बताया था कि शादी के बाद वह खुद को कैसे देखती हैं। श्रद्धा ने सुझाव दिया कि उन्हें अपने पार्टनर के समान ही पागलपन के स्तर पर रहने की जरूरत है। आगे श्रद्धा ने कहा था, 'जब भी मैं शादी करूंगी, चाहे मैं किसी से भी शादी करूं, मुझे उस व्यक्ति के साथ पूरी तरह से घुलना-मिलना होगा। यह मेरे लिए बहुत अहम बात है।' प्रमोशन के दौरान श्रद्धा के साथ मौजूद वरुण ने उनसे कहा कि वह भविष्य में इसे पा लेंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस बीच, श्रद्धा कपूर ने हाल ही में 'स्त्री 2' की रिलीज के बीच अपने कथित बॉयफ्रेंड राहुल मोदी को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया है। कथित तौर पर, श्रद्धा ने उनकी बहन, उनके प्रोडक्शन हाउस और उनके कुत्ते के अकाउंट को भी अनफॉलो कर दिया है। जुलाई में श्रद्धा द्वारा राहुल के साथ अपने रिश्ते को सोशल मीडिया पर दिखाने के बाद उन्होंने यह कदम उठाया था।

हॉलीवुड मसाला

'बेबीगर्ल' की रिलीज से पहले सहमी

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड की बेहद खूबसूरत और उससे भी कहीं अधिक दमदार एक्ट्रेस निकोल किडमैन एक बार फिर चर्चा में हैं। 57 साल की निकोल जल्द ही इरोटिक-थ्रिलर 'बेबीगर्ल' में नजर आने वाली हैं। फिल्म में उनके साथ हैरिस डिकिंसन, सोफी वाइल्ड और एंटोनियो बैंडेरस भी हैं। यह फिल्म 30 अगस्त को 81वें वेनिस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर होने वाली है। दिलचस्प है कि फिल्म के प्रीमियर से पहले निकोल खुद इसको लेकर सहमी हुई हैं। एक्ट्रेस ने अपने नए इंटरव्यू में कहा है कि इस फिल्म में उन्होंने जरूरत से 'ज्यादा एक्सपोज' कर दिया है।

ये उम्रदराज निर्देशक अभी भी बना रहे हैं फिल्में...

लॉस एंजिल्स। फिल्म बनाना एक ऐसी कला है, जिसमें समय के साथ-साथ अनुभव और परिपक्वता का खास महत्व होता है। बिना थके लंबे वक्त तक फिल्में बनाते रहना और उनमें नए-नए प्रयोग करना कोई आसान काम नहीं है, लेकिन कुछ ऐसे निर्देशक मौजूद हैं, जो सालों से ऐसा करते आ रहे हैं। इनमें फ्रेडरिक वाइजमैन, मार्टिन स्कॉर्सेसी, वर्नर हर्जोग, वुडी एलन और फ्रांसिस फोर्ड कोपोला का नाम सबसे प्रमुख है। इन सभी की उम्र 80 साल से ज्यादा है और आज भी फिल्में बना रहे हैं। फ्रेडरिक 94 साल के हो चुके हैं और अभी भी फिल्में बना रहे हैं। साल 2022 में उनकी बनाई फिल्म 'ए कपल' रिलीज हुई थी। मार्टिन स्कॉर्सेसी 81 साल की उम्र में भी लगातार फिल्मों में नए प्रयोग कर रहे हैं। वर्नर हर्जोग की उम्र 81 हो चुकी है और अभी भी उनका फिल्म बनाने का जुनून कम नहीं हुआ है।

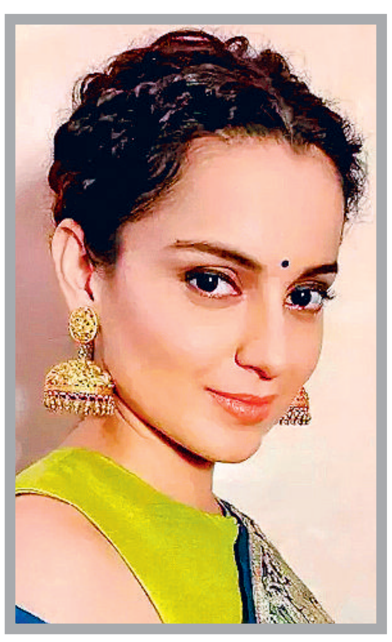

इंडस्ट्री में हो रही है खेमेबाजी...

नई दिल्ली। अभिनेत्री कंगना रणौत अपनी नई फिल्म 'इमरजेंसी' का जमकर प्रचार कर रही है। फिल्म के रिलीज होने में अब चंद ही दिन बचे हैं। ऐसे में इसके प्रमोशन के लिए वो लगातार साक्षात्कार दे रही हैं और अपनी फिल्म और अपने करियर के साथ-साथ फिल्म इंडस्ट्री पर भी अपनी बात रख रही है। हाल ही में, उन्होंने एक बार फिर से बॉलीवुड को निशाने पर लिया है। कंगना रणौत ने बॉलीवुड को निराशाजनक जगह बताते हुए कहा कि इस जगह का कुछ नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री के लोग प्रतिभाशाली लोगों से चिढ़ते हैं। उन्हें बदनाम करने के लिए अभियान चलाया जाता है। कंगना ने यह बातें एक साक्षात्कार में कही। कंगना ने कहा कि आज इंडस्ट्री में नई पीढ़ी के फिल्म निर्माता खेमेबाजी कर रहे हैं।

'पुष्पा-2: द रूल' की नहीं टलेगी रिलीज डेट

नई दिल्ली। अल्लू अर्जुन स्टारर 'पुष्पा 2: द रूल' के नए पोस्टर के साथ फिल्म की रिलीज को लेकर काउंटडाउन शुरू हो चुका है। इस पोस्टर के साथ ही यह साफ कर दिया गया है कि फिल्म की रिलीज डेट अब टलेगी नहीं और इसे आने में बस 100 दिन बचे हैं। अल्लू अर्जुन ने भी सोशल मीडिया पर इस फिल्म का पोस्टर शेयर किया है। सुकुमार द्वारा डायरेक्टेड और फहाद फासिल और रश्मिका मंदाना के अहम भूमिकाओं वाली यह फिल्म 6 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जो एक हाई-ऑक्टेन सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है। लीड एक्टर, अल्लू अर्जुन ने भी पोस्टर को अपनी स्टोरी पर अपलोड किया है। पहली फिल्म, 'पुष्पाः द राइज' एक बड़ी हिट रही, जिसने अपनी जबरदस्त कहानी और यादगार परफॉर्मेंस से भारत और दूसरे देशों के दर्शकों को अपनी तरफ खींचा था।

टीवी मसाला

ई-रिक्शा ड्राइवर पारसमणि ने जीते 12.50 लाख रुपए

नई दिल्ली। 'कौन बनेगा करोड़पति 16' का लेटेस्ट एपिसोड काफी दिलचस्प रहा। हॉटसीट पर मुजफ्फरनगर के ई-रिक्शा ड्राइवर पारसमणि सिंह बैठे। उन्होंने ऐसा गेम खेला कि होस्ट अमिताभ बच्चन को भी हैरत में डाल दिया। पारसमणि सिंह दी गईं लाइफलाइनों का

इस्तेमाल करके 25 लाख रुपए के पड़ाव तक पहुंच गए। पर यह राशि जीतने से चूक गए। उन्होंने 12 लाख 50 हजार रुपए जीते। पारसमणि से 25 लाख रुपए के लिए जो सवाल पूछा गया था, वह उसका जवाब नहीं दे सके। यह सवाल राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से जुड़ा हुआ था। अमिताभ ने पारसमणि सिंह से 25 लाख रुपए के लिए जो सवाल पूछा था, वह था, 'किस लेखक ने महात्मा गांधी पर किताब लिखी, जो कभी उनसे मिले नहीं थे। पारसमणि को इसका जवाब मालूम नहीं था, और कहा कि उन्होंने दिए गए विकल्पों में से सिर्फ गांधी जी का नाम सुना है। पारसमणि ने फिर लाइफलाइन यूज की, पर उन्हें सही जवाब नहीं मिला। इसके बाद पारसमणि ने खेल छोड़ दिया। सही उत्तर रोमन रोनाल्ड था।

हीरो हो तो ऐसा! फैन की हुई मौत तो 11 साल से उसके परिवार का पेट पाल रहे जूनियर एनटीआर

मुंबई। जूनियर एनटीआर के तीन ऐसे किस्से, जिन्हें जान आपको एक्टर से और प्यार हो जाएगा। जूनियर एनटीआर जहां 11 साल से अपने एक फैन के पूरे परिवार को पाल रहे हैं, वहीं अपनी शादी में 12 हजार फैंस को न्यौता दिया था। जूनियर एनटीआर साउथ के हाइस्ट पेड स्टार्स में से एक हैं और अब पैन इंडिया भी अपनी तगड़ी पहचान बना चुके हैं। आरआरआर के जरिए उनके नाम का डंका ऑस्कर्स तक में बजा और अब सितंबर में जूनियर एनआटीआर की 'देवराः पार्ट 1' रिलीज होने जा रही है, जिसे लेकर फैंस एक्साइटेड हैं। जूनियर एनटीआर की बेहद तगड़ी फैन फॉलोइंग है, और एक्टर भी कभी उन्हें निराश नहीं करते। वह एक ऐसे स्टार हैं, जो फैंस की खुशी में खुश तो दुख में हर घड़ी साथ रहते हैं। यही वजह है कि जूनियर एनटीआर ने जहां एक फैन के पूरे परिवार को गोद लिया हुआ है, वहीं शादी में 12 हजार फैंस को बुलाया था।

कभी मिलने पहुंच गए थे 10 लाख लोग

11 साल पहले फैन की मौत गोद लिया पूरा परिवार

बात साल 2013 की है। तब जूनियर एनटीआर की फिल्म 'बादशाह' का म्यूजिक लॉन्च इवेंट था, और उसमें फैंस की भारी भीड़ पहुंची थी। पर तभी वहां भगदड़ मच गई, जिसमें एक फैन की दर्दनाक मौत हो गई थी। जूनियर एनटीआर को तगड़ा झटका लगा था। वह न सिर्फ उसके परिवार से मिले। उन्होंने न सिर्फ मृत फैन के परिवार को पांच लाख रुपए दिए, बल्कि उन्हें गोद भी ले लिया। वह आज तक उस परिवार की सारी जिम्मेदारियां उठा रहे हैं।

100 करोड़ में शादी बुलाए थे 12 हजार फैंस

शायद ही कोई ऐसा फिल्म स्टार होगा, जिसने अपनी शादी में किसी फैन को इनवाइट किया होगा, लेकिन जूनियर एनटीआर ने अपनी शादी में एक-दो नहीं बल्कि 12 हजार फैंस को बुलाया था। उनकी शादी में कुल 15 हजार मेहमान शामिल हुए थे, और इनमें से 12 हजार सिर्फ फैंस थे। जूनियर एनटीआर ने अपनी शादी पर करीब 100 करोड़ रुपए खर्च किए थे, और इसे टीवी चैनल पर लाइव दिखाया गया था।

फैंस के लिए चलवाई थीं 9 स्पेशल ट्रेनें

जूनियर एनटीआर का तगड़ा क्रेज साल 2004 में तब देखने को मिला था, जब उनकी फिल्म 'आंद्रा' रिलीज हुई थी। इस फिल्म के म्यूजिक लॉन्च इवेंट में एक्टर की एक झलक पाने को 10 लाख फैंस पहुंच गए थे। एक्टर क्या मेकर्स को भी अंदाजा नहीं था कि इतनी भीड़ पहुंच जाएगी। व्यवस्था उस तरह की नहीं थी कि इतने फैंस को संभाल पाती। ऐसे में फैंस के लिए 9 स्पेशल ट्रेनें चलवाई थीं।

चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर शुरुआत

जूनियर एनटीआर ने अपने करियर की शुरुआत चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर की थी। उनकी पहली ही फिल्म जबरदस्त हिट रही थी। जूनियर एनटीआर ने साल 2001 में रिलीज हुई रामोजी राव की फिल्म 'निन्नू चूड़ालानी' से बतौर लीड हीरो एक्टिंग डेब्यू किया था।

'तारक मेहता' छोड़ रहे 'मिस्टर भिड़े'

नई दिल्ली। पिछले कुछ दिनों से ऐसी खबरें आ रही हैं कि 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के कलाकार एक-एक करके शो छोड़ रहे हैं। कुछ दिन पहले ही एक्टर शरद सांकला को लेकर ऐसी खबरें आई थीं, जिनका उन्होंने खंडन किया था। अब खबर है कि 'मिस्टर भिड़े' यानी मंदार चंदवादकर भी शो छोड़ रहे हैं।

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड
नवरत्न कम्पनी
(भारत सरकार का उपक्रम)
वेबसाईट : www.ircon.org, CIN - L45203DL1976GOI008171

ई-प्रोक्योरमेंट सूचना

ई-निविदा सं.: इरकॉन/2059/सीजीआरपी/ई-निविदा/सीएसपीजीसीएल साइडिंग/इलेक्ट्रिकल-01 दिनांक: 29.08.2024

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड की ओर से पात्रता आवश्यकताएँ पूर्ण करने वाले निविदादाताओं से "गारे पेलमा-III (5 एमटीवाई) माइन्स, सीएसपीजीसीएल के रायगढ़ क्षेत्र पर घरघोड़ा-गारे पेलमा खंड (सीएच. किमी 22.456 से किमी 24.528 घरघोड़ा/सीएसबी से) के बीच मिलूपारा के पास एक क्रॉसिंग स्टेशन के विकास द्वारा जीपी-III कोयला ब्लॉक से कोयले के परिवहन हेतु सीईआरएल लाइन से सीएसपीजीसीएल की निजी रेलवे साईडिंग की स्थापना हेतु 25 केवी, 50 एचजेड, सिंगल फेज, ओएचई ट्रैक्शन प्रणाली, बाहरी विद्युतीकरण व रकाड़ा कार्यों का डिजाईन, आपूर्ति, इरेक्शन, परीक्षण व कमीशनिंग" के कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित हैं।

कार्य की अनुमानित लागत	रु. 7,01,91,151/-
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	19.09.2024 को 15.00 बजे (आईएसटी) तक

अधिक जानकारी हेतु वेबसाइट https://etenders.gov.in/eprocure/app देखें। शुद्धिपत्र, यदि कोई होगा तो, केवल वेबसाइट पर होस्ट किया जाएगा। सीजीएम/इलेक्ट्रिकल/सीजीआरपी, प्रथम तल, एआरके, जूडियो के सामने, बिलासपुर, छ.ग.-495001

'कोहरा 2' में 'मुंज्या' स्टार मोना सिंह की एंट्री : मुंबई। हिट क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'कोहरा' जल्द ही दूसरे सीजन के साथ वापसी कर रहा है। मेकर्स ने दूसरा सीजन अनाउंस कर दिया है। पर इस बार जहां 'मुंज्या' स्टार मोना सिंह की एंट्री हुई है। वहीं, एक एक्टर इस बार कास्ट से मिसिंग है। नेटफ्लिक्स ने 27 अगस्त को 'कोहरा' का दूसरा सीजन अनाउंस करते हुए एक पोस्ट शेयर किया, जिसने फैंस के बीच खलबली मचा दी। हालांकि, खबर है कि शायद एक्टर सुविंदर विक्की 'कोहरा 2' में नजर नहीं आएंगे। 'कोहरा' का पहला सीजन जबरदस्त हिट रहा था, और फैंस तभी से इसकी डिमांड कर रहे थे।

जैकेट के शेष

तोता-मैना की ....

राज्य के ज्यादातर वनमंडलों ने आदेश जारी होने के तत्काल बाद तोता जमा करने जिम्मेदारों का नाम तथा मोबाइल नंबर भी जारी कर दिया था।

राष्ट्रपति बोलीं- मैं ...

रहे हैं तो उस समय भी अपराधी अन्यत्र शिकार की तलाश में घात लगाए हुए हैं। पीड़ितों में छोटी छोटी स्कूली बच्चियां तक शामिल हैं। कोई भी सभ्य समाज बेटियों और बहनों के साथ ऐसी बर्बरता की अनुमति नहीं दे सकता। राष्ट्र का आक्रोशित होना स्वाभाविक है और मैं भी आक्रोशित हूं। पिछले साल महिला दिवस के अवसर पर मैंने एक समाचार पत्र में लेख के रूप में महिला सशक्तिकरण के बारे में अपने विचार और उम्मीदें साझा की थीं। महिलाओं को सशक्त बनाने में हमारी पिछली उपलब्धियों के कारण मैं आशावादी हूं। मैं खुद को भारत में महिला सशक्तिकरण की उस शानदार यात्रा का एक उदाहरण मानती हूं। लेकिन जब मैं देश के किसी भी हिस्से में महिलाओं के खिलाफ क्रूरता के बारे में सुनती हूं तो मुझे बहुत दुख होता है। हाल ही में, मैं एक अजीब दुविधा में फंस गयी थी, जब राष्ट्रपति भवन में राखी मनाने आए कुछ स्कूली बच्चों ने मुझसे मासूमियत से पूछा कि क्या उन्हें भरोसा दिया जा सकता है कि भविष्य में /"निर्भया/" जैसी घटना की पुनरावृत्ति नहीं होगी? मैंने उनसे कहा कि हालांकि राज्य हर नागरिक की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन आत्मरक्षा और मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण सभी के लिए, खासकर लड़कियों के लिए, उन्हें मजबूत बनाने के लिए आवश्यक है। लेकिन यह उनकी सुरक्षा की गारंटी नहीं है, क्योंकि महिलाओं की कमजोरी कई कारकों से प्रभावित होती है। जाहिर है, इस सवाल का पूरा जवाब हमारे समाज से ही मिल सकता है। और ऐसा होने के लिए, सबसे पहले जरूरत है कि ईमानदारी और बिना किसी पूर्वाग्रह के आत्मावलोकन किया जाए। समय आ गया है कि जब एक समाज के नाते हमें स्वयं से कुछ मुश्किल सवाल पूछने की जरूरत है। हमसे गलती कहां हुई? और इन गलतियों को दूर करने के लिए हम क्या कर सकते है? इन सवालों का जवाब खोजे जाने तक हमारी आधी आबादी, दूसरी आधी आबादी की तरह स्वतंत्रतापूर्वक नहीं रह सकती। इसका उत्तर देने के लिए, मैं इसे शुरू में ही स्पष्ट कर देती हूं। हमारे संविधान ने महिलाओं सहित सभी को उस समय समानता प्रदान की, जब दुनिया के कई हिस्सों में यह केवल एक विचार था। राज्य (शासन) ने तब इस समानता को स्थापित करने के लिए, जहां भी ज़रूरत थी वहां संस्थाओं का निर्माण किया और इसे कई योजनाओं और पहलों के साथ बढ़ावा दिया। नागरिक समाज आगे आया और इस संबंध में राज्य के प्रयासों को गति प्रदान की। समाज के सभी क्षेत्रों में दूरदर्शी नेताओं ने लैंगिक समानता पर जोर दिया। अंत में, कुछ असाधारण, साहसी महिलाएं थीं, जिन्होंने अपनी कम भाग्यशाली बहनों के लिए इस सामाजिक क्रांति से लाभ उठाना संभव बनाया। यही महिला सशक्तिकरण की गाथा रही है। फिर भी, यह यात्रा बाधारहित नहीं रही। महिलाओं को अपनी जीती हुई एक- एक इंच ज़मीन के लिए संघर्ष करना पड़ा है। सामाजिक पूर्वाग्रहों के साथ-साथ कुछ रीति-रिवाज़ों और प्रथाओं ने हमेशा महिलाओं के अधिकारों के विस्तार का विरोध किया है। यह एक बहुत ही विकृत मानसिकता है। मैं इसे पुरुष मानसिकता नहीं कहूंगी, क्योंकि इसका व्यक्ति की लैंगिकता से कोई खास लेना-देना नहीं है: ऐसे बहुत से पुरुष हैं जिनमें यह नहीं है। यह मानसिकता महिला को कमतर इंसान, कम शक्तिशाली, कम सक्षम, कम बुद्धिमान के रूप में देखती है। ऐसे विचार रखने वाले लोग इससे भी आगे बढ़कर महिला को एक वस्तु के रूप में देखते हैं। महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों के लिए कुछ लोगों द्वारा महिलाओं को वस्तु के रूप में पेश करने की यही मानसिकता जिम्मेदार है। यह भावना ऐसे लोगों के दिमाग में गहराई से बैठी हुई है। हालांकि उनमें से कुछ ने ही पूरे देश का ध्यान खींचा। इन्हें भी जल्द ही भुला दिया गया। क्या हमने सबक सीखा? जैसे-जैसे सामाजिक विरोध कम होते गए, ये घटनाएं सामाजिक स्मृति के गहरे और दुर्गम कोने में दब गईं, जिन्हें केवल तभी याद किया जाता है जब कोई और जघन्य अपराध होता है।

सौम्या की जमानत ....

जेल में बंद है। उनके छोटे बच्चे हैं। प्रकरण की सुनवाई में अभी काफी टाइम लगना है। साथ ही इसी मामले में तीन अन्य आरोपियों को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल चुकी है। लिहाजा उन्हें भी जमानत का लाभ प्रदान किया जाए। सुनवाई के बाद जस्टिस एनके व्यास की सिंगल बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब इसमें फैसला आ गया है जिसमें यह जमानत अपील खारिज कर दी गई है।

ध्यान रहे कि 570 करोड़ के कोल लेव्ही वसूली मामले में सौम्या चौरसिया के साथ ही आईएएस समीर बिश्नोई, रानू साहू व अन्य को ईडी ने गिरफ्तार किया था। इस मामले में पीछे डेढ़ साल से सौम्या चौरसिया जेल में बंद है। उनकी दो बार पूर्व में जमानत याचिका खारिज हो चुकी है।

बीएसपी से एग्रीमेंट करने ....

आधिकारिक और आवासीय परिसरों पर छापे की कार्रवाई की है। यह छापेमारी भ्रष्टाचार और जालसाजी के आरोपों के संबंध में की जा रही है। जांच एजेंसी ने इन परिसरों से महत्वपूर्ण दस्तावेज तथा साक्ष्य जुटाए हैं। गौरतलब है भिलाई इस्पात संयंत्र और ईपीआईएल ने 30 अप्रैल 2010 को नए ओएचपी और कच्चे माल की प्राप्ति एवं हैंडलिंग सुविधाओं के विस्तार के लिए साढ़े पांच सौ करोड़ से अधिक के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। इस परियोजना के तहत ईपीआईएल ने विभिन्न सिविल निर्माण कार्यों के लिए निविदाएं जारी की थीं। आरोप है कि निजी कंपनी के साझेदार ने जाली दस्तावेजों और चालानों के जरिए 84 लाख पांच हजार 880 रुपए का अनुचित लाभ प्राप्त किया और ईपीआईएल को इस प्रकार भारी नुकसान पहुंचाया।

यू-ट्यूब से देखी ....

उन्हें मिल चुका है। उन्होंने बताया कि इससे पहले उनकी मूर्तियां प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों के साथ ही महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश तक जाती रही है, लेकिन यह पहला अवसर है, जब हैदराबाद और बिहार से आर्डर आया है।

उल्लेखनीय है कि दुर्ग जिले के थनौद गांव मूर्तिकारों के लिए ही प्रख्यात है। यहां हर दूसरे घर में एक मूर्तिकार है। इस गांव में विघ्नहर्ता की मूरत तैयार करने वाले मूर्तिकारों की कला का ही परिणाम है कि यहां पांच हजार से अधिक छोटी-बड़ी मूर्तियां तैयार की जाती है और सभी मूर्तियां बिक जाती है। इनमें एक फीट से 20 फीट तक उंचाई वाली प्रतिमाएं शामिल है।

बांग्लादेश : जमात-ए-इस्लामी पार्टी पर से हटा प्रतिबंध

ढाका। बांग्लादेश में नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस नीत अंतरिम सरकार ने बुधवार को जमात-ए-इस्लामी पार्टी पर से प्रतिबंध हटा दिया। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपने शासन के खिलाफ राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शनों के दौरान उस पर प्रतिबंध लगा दिया था। हसीना सरकार ने पार्टी को "उग्रवादी और आतंकवादी" संगठन बताते हुए प्रतिबंधित कर दिया था और उसकी छात्र इकाई और अन्य संबद्ध संगठनों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण व्यवस्था को लेकर आंदोलन भड़काने का दोषी ठहराया था। संयुक्त राष्ट्र के अनुमानों के अनुसार, हिंसक विरोध प्रदर्शनों और हसीना सरकार की कार्रवाई में 600 से अधिक लोग मारे गए। गृह मंत्रालय ने बुधवार को पार्टी पर से प्रतिबंध हटा दिया, जिससे उसे अपनी गतिविधियां फिर शुरू करने का रास्ता मिल गया। चुनाव लड़ने के लिए उसे निर्वाचन आयोग में पंजीकृत कराना होगा। पार्टी के नेतृत्व की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। जमात-ए-इस्लामी पर 2013 से चुनावों में भाग लेने पर रोक है, जब आयोग ने उसका पंजीकरण रद्द कर दिया था और उच्च न्यायालय ने इस निर्णय को बरकरार रखा था।

झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना: महिलाओं के सम्मान और विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने 'झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' के तहत कोल्हान प्रमंडल की 6 लाख से अधिक महिलाओं को सम्मान राशि का लाभ प्रदान किया है। यह योजना राज्य की महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक उत्थान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री सोरेन ने बताया कि प्रतिदिन लगभग 40 से 50 हजार महिलाओं को इस योजना के अंतर्गत जोड़ा जा रहा है और यह एक सतत योजना है जो कभी समाप्त नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने

जानकारी दी कि इस योजना के अंतर्गत पिछले 15 से 20 दिनों में लगभग 48 लाख महिलाओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

कार्यालय नगरपालिका परिषद कांकेर, जिला उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

कमांक/382/ लो. नि.शा./ न.पा.प./ 2024 — कांकेर, दिनांक 28/08/2024

-:: प्रथम मेनुअल निविदा आमंत्रण सूचना ::-

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार / फर्म से प्रारूप अ में निम्नलिखित कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :-

01. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 12/09/2024 समय संध्या 4.00 बजे तक ।
02. निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि 12/09/2024 को समय संध्या 5.00 बजे तक ।
03. निविदा प्रपत्र मुहरबंद लिफाफा में जमा करने की तिथि 19/09/2024 समय संध्या 5.00 बजे तक।
04. निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि 20 /09 / 2024 को समय संध्या 4.00 बजे ।
05. सशर्त निविदा स्वीकार नहीं किया जावेगा ।

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	समयावधि
01	Providing laying and connectiong power supply for 544 KVA HT Permanent connection at STP Plant (Annpurnapara) Kanker as per approved schedule of CSPDCL Jagdalpur	49.66	50,000/-	1500/-	02 माह

टीप – वार्षिक निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में लोक निर्माण शाखा से प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् कांकेर

पेज एक के शेष

फर्जी दिव्यांग सर्टिफिकेट से ....

आंदोलन स्थगित कर दिया है। वहीं संघ की मांग पर अब फर्जी दिव्यांग सर्टिफिकेट से नौकरी करने वालों पर एक्शन की तैयारी की जा रही है। छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ के अध्यक्ष बोहित राम चंद्राकर ने बताया कि मांगों को पूरा करने के लिए 1 महीने का आश्वासन दिया है, इसमें भी कार्रवाई नहीं होती है तो आंदोलन किया जाएगा।

विभागों की लापरवाही...

समिति बनाने की मांग की है। इसके लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के परिपत्र क्रमांक 18-04/2011/9/17 तारीख 25.02.2011 का उपयोग किया जा सकता है। सबसे बड़ी बात कि फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र बनने के मामले में कोई कड़ी गाइडलाइन नहीं है। इसके लिए एक परिपत्र जारी करने की मांग है जिसमें 7 साल सजा और 50 लाख रुपए जुर्माना का प्रावधान होना चाहिए।

सत्यापन के बाद भी सिर्फ...

दिलवाया गया। अपने रिश्तेदारों को फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी दिलवाया। हरिभूमि से बात करते हुए उसने कहा कि जांच के लिए हमेशा से तैयार हैं लेकिन जिला बोर्ड से जारी प्रमाण पत्र की जांच राज्य बोर्ड से कराने का प्रावधान ही नहीं है। हाईकोर्ट से स्टे मिलने के बाद भी उच्च अधिकारी परेशान कर रहे हैं और दिव्यांग संघ के दबाव में काम किया जा रहा है। उसने कहा कि जिन लोगों पर आरोप हैं उनमें से कई अधिकारी-कर्मचारियों ने पहले भी संभागीय और राज्य मेडिकल बोर्ड से जांच कराई है **लेकिन दिव्यांग संघ मानने को** : तैयार नहीं है। ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी आशुतोष पात्रे, नायब तहसीलदार राहुल कौशिक और सहकारिता विभाग में कार्यरत अजय सोनी ने कहा कि राज्य और संभागीय मेडिकल बोर्ड पहले ही 50 प्रतिशत विकलांगता के सर्टिफिकेट का सत्यापन कर चुका है। इसके बाद फिर से जांच के लिए बार-बार दबाव डाला जा रहा है।

देश के 10 राज्यों में बनेंगे...

बढ़ावा देगा। इन शहरों को वैश्विक मानकों के नए स्मार्ट शहरों के रूप में विकसित किया जाएगा। ये शहर उन्नत बुनियादी ढांचे से लैस होंगे जो टिकाऊ और कुशल औद्योगिक संचालन का समर्थन करते हैं। एनआईसीडीपी से रोजगार के महत्वपूर्ण अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

जगदलपुर, अंबिकापुर कोरबा .....

बनाए जाएंगे। इसके तहत छत्तीसगढ़ के भालुमुड़ा में 21 किमी लाइन कवर होगी। साथ ही यात्री ट्रेनों की गति सीमा 160 किमी प्रति घंटा हो जाएगी। ये परियोजना पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का हिस्सा है। डबल लाइन के साथ ही छत्तीसगढ़ में 6 बड़े और 4 छोटे पुल बनाए जाएंगे। इसके अलावा 20 रेल फ्लाई ओवर और अंडरब्रिज भी होंगे। दरअसल, से ट्रैक तीन नदियों बसुंधर, बरहाझारला और केलो से होकर निकलेगा। इसके लिए रायगढ़ में 125.89 हेक्टेयर भूमि लगेगी।सरदेगा से भालुमुड़ा के बीच परिवहन के लिए कोई बस सेवा नहीं है। इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में आदिवासी आबादी है। इनके बीच सांस्कृतिक-सामाजिक संबंध हैं। इस रेल लाइन के निर्माण से आस-पास के गांवों के निवासियों को फायदा होगा। छत्तीसगढ़ में मौजूदा भालुमुड़ा और दो नए स्टेशन (थांगरघाट, धौरभांठा) बनेंगे। मोदी कैबिनेट ने निजी एफएम रेडियो नीति के तहत 234 नए शहरों में 730 चैनलों के लिए 784.87 करोड़ रुपए की ई-नीलामी करवाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसमें छत्तीसगढ़ के भी 3 शहर जगदलपुर, अंबिकापुर और कोरबा शामिल हैं। तीनों शहरों में 3-3 चैनल स्वीकृत किए गए हैं। केंद्र सरकार की ओर से दी गई स्वीकृति में जगदलपुर अहम है। सरकार की ओर से कहा गया है कि इससे नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। स्थानीय बोली, संस्कृति और 'वोकल फॉर लोकल' पहल को बढ़ावा मिलेगा। निजी एफएम रेडियो की स्थापना से नक्सल क्षेत्र में सरकारी पहुंच बढ़ेगी।

सरगुजा मार्ट कंपनी की मुख्य...

को अंबिकापुर जेल से प्रोडक्शन वारंट में लाकर पूछताछ करने पर उक्त अपराध में सम्मिलित होना बताई है। आरोपिया को दिनांक 27 अगस्त को गिरफ्तार करने के उपरांत माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर पुनः न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया है। विदित हो कि सरगुजा मार्ट के माध्यम से ठगी के शिकार हुये 7 नये लोग सामने आये हैं, उनसे प्रत्येक से 31,500 रूपए कुल 2,20,500 रूपए (दो लाख बीस हजार पांच सौ) ठगी होने की बात सामने आई है, प्रकरण की विवेचना की जा रही है। महिला आरोपिया के प्रापर्टी का डिटेल लेकर ठगी की गई संपत्ति का आंकलन कर आगामी कार्यवाही की जा रही है।

कोरोना काल में जेल से पैरोल पर...

की समाप्ति पर पैरोल पर छूटे अधिकांश कैदी व बंदी में स्वयं जेल वापस लौट गए थे, किन्तु गंभीर मामले में सजा काट रहे संभाग व प्रदेश के कई कैदी जेल नहीं पहुंचे। जेल प्रशासन ने कैदियों के परिजन को कैदी के जेल वापस नहीं होने की सूचना दी। परिजनों की ओर से कोई जवाब नहीं आने पर जेल प्रशासन ने कैदियों के संबंधित थानों में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने पत्राचार किया।

ट्रंप के खिलाफ नए सिरे से अभियोग दायर

वाशिंगटन। अमेरिका की संघीय सरकार ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के बाद अमेरिकी संसद परिसर 'कैपिटल हिल' में हुए दंगों के संबंध में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ मंगलवार को नए सिरे से अभियोग दायर कर उन पर लगाए गए आरोपों को सीमित कर दिया। दरअसल

उच्चतम न्यायालय ने पूर्व राष्ट्रपतियों को अभियोगों से छूट होने के संबंध में हाल में एक फैसला सुनाया था, जिसके बाद नए सिरे से अभियोग दायर किया गया है और पुराने अभियोग के उस भाग को हटा दिया गया है, जिसमें चुनाव में हुई हार को पलटने के लिए विधि मंत्रालय की कानून प्रवर्तन शक्तियों का प्रयोग करने के प्रयास का ट्रंप पर आरोप लगाया गया था। उच्चतम न्यायलय ने अभियोजकों और बचाव पक्ष के वकीलों को यह बताने को कहा था कि 'व्हाइट हाउस' (अमेरिकी के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) के आधिकारिक कृत्यों को लेकर पूर्व राष्ट्रपतियों को अभियोजन से संभावित छूट संबंधी उसके फैसले के बाद वे मामले में कैसे आगे बढ़ना चाहते हैं।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

''मिनी रत्न कम्पनी''
(कोल इंडिया लिमिटेड का एक उपक्रम)

क्रमांकः एसईसीएल/मप्र/गेवरा क्षेत्र/भू–राजस्व/2024/857 — दिनांक 12.08.2024

आम सूचना

इस प्रकाशन के माध्यम से यह सूचित किया जाता है कि गेवरा परियोजना गेवरा क्षेत्रांतर्गत ग्राम अमगांव के अधोलिखित खातेदार एवं उनके द्वारा नामित आश्रित/उम्मीदवार के नाम में विभिन्न दस्तावेजों में भिन्न–भिन्न नाम दर्ज है, जो कि निम्नानुसार हैः–

क्र.	ग्राम का नाम	राज्य शासन द्वारा प्रदत्त प्रमाणित पत्रक V/VI में खातेदार का नाम	नामांकन के अनुसार खातेदार का नाम	खसरा नं. (सीबीए के तहत) पत्रक अनुसार	रकबा भुगतान व्हाउचर अनुसार	रोजगार हेतु नामांकित व्यक्ति का नाम	खातेदार से संबंध
1	अमगांव	राजमति बेवा महेत्तर सिंह	राजमति बेवा महेत्तर सिंह – फौत, वारिसान – उमेंदराम, सुमेंदराम, सूनीबाई आ. महेत्तर राम (सुमेंदराम आ. महेत्तर राम–फौत) वारिसान– दीपक कुमार, दुरपति, भगवती, गिरजा बाई आ. स्व. सुमेंदराम, जानकी बाई बेवा सुमेंदराम	384/2	0.336 हे./ 0.83 एकड़	दुरपति बाई पिता सुमेंद राम पति गोवर्धन आधार कार्ड में नाम – दुरपति बाई पति गोवर्धन निवास प्रमाण पत्र में नाम – दुरपति बाई पिता सुमेंद राम जाति प्रमाण पत्र में नाम – दुरपति बाई पिता सुमेंद राम स्कूल प्रमाण पत्र में नाम – दुरपति बाई पिता सुमेंद राम राशन कार्ड में नाम – दुरपति बाई पति गोवर्धन प्रसाद रोजगार पंजीयन कार्ड में नाम – दुरपति बाई पिता सुमेंद राम	पुत्र की पुत्री (पोती)

खातेदार/सहखातेदार के नाम में भिन्नता का विवरण

वर्ष 2001-2005 के पी-II	बी-1 वर्ष 2003-04	फौती नामांतरण दिनांक 09.09.2019 के अनुसार	शपथ पत्र के अनुसार नाम	अनुमोदित घटते क्रम की सुची/ मुआवजा पत्रक 1ए के अनुसार)
राजमति बेवा महेत्तर सिंह	राजमति बेवा महेत्तर	राजमति बेवा महेत्तर राम	राजमति बेवा महेत्तर राम	राजमति बेवा महेत्तर सिंह

क्र.	ग्राम का नाम	राज्य शासन द्वारा प्रदत्त प्रमाणित पत्रक V/VI में खातेदार का नाम	नामांकन के अनुसार खातेदार का नाम	खसरा नं. (सीबीए के तहत) पत्रक अनुसार	रकबा भुगतान व्हाउचर अनुसार	रोजगार हेतु नामांकित व्यक्ति का नाम	खातेदार से संबंध
2	अमगांव	शर्मिला पिता उमेंदराम	शर्मिला बाई यादव पिता उमेंदराम	541/47	0.223 हे./ 0.55 एकड़	आधार कार्ड में नाम – शर्मिला बाई यादव पति नंदकुमार निवास प्रमाण पत्र में नाम – शर्मिला बाई यादव पति नंदकुमार जाति प्रमाण पत्र में नाम – शर्मिला पिता उमेंदराम स्कूल प्रमाण पत्र में नाम – शर्मिला पिता उमेंदराम राशन कार्ड में नाम – शर्मिला बाई यादव पति नंदकुमार	स्वयं

खातेदार/सहखातेदार के नाम में भिन्नता का विवरण

वर्ष 2001-2005 के पी-II	बी-1 वर्ष 2003-04	नामांतरण पंजी दिनांक 20.04.2013 के अनुसार	शपथ पत्र के अनुसार नाम	वंश वृक्ष के अनुसार	अनुमोदित घटते क्रम की सुची/ मुआवजा पत्रक 1ए के अनुसार)
शर्मिला पिता उमेंदराम	शर्मिला पिता उमेंद राम		शर्मिला बाई यादव पिता उमेंद राम	शर्मिला बाई यादव पिता उमेंदराम, पति नंदकुमार	शर्मिला पिता उमेंदराम

क्र.	ग्राम का नाम	राज्य शासन द्वारा प्रदत्त प्रमाणित पत्रक V/VI में खातेदार का नाम	नामांकन के अनुसार खातेदार का नाम	खसरा नं. (सीबीए के तहत) पत्रक अनुसार	रकबा भुगतान व्हाउचर अनुसार	रोजगार हेतु नामांकित व्यक्ति का नाम	खातेदार से संबंध
3	अमगांव	हरीश चन्द्र प्रताप पिता श्याम लाल	कुलदीप कुमार पिता बाबूलाल, हरिशचन्द्र प्रताप सिंह पिता श्याम लाल	219, 653	0.692 हे./ 1.71 एकड़	**आधार कार्ड में नाम** - सूर्य प्रकाश सिंह पिता हरीश चन्द्र प्रताप सिंह **निवास प्रमाण पत्र में नाम** - सूर्या प्रकाश सिंह पिता हरिश चन्द्र प्रताप सिंह **जाति प्रमाण पत्र में नाम** - सूर्या प्रकाश सिंह पिता हरिश चन्द्र सिंह **स्कूल प्रमाण पत्र में नाम** - SURYA PRAKASH SINGH S/O HARISHCHANDRA PRATAP SINGH **राशन कार्ड में नाम** - सूर्य प्रकाश सिंह पिता हरीशचन्द्र प्रताप सिंह	पुत्र

खातेदार/सहखातेदार के नाम में भिन्नता का विवरण

वर्ष 2000-2005 के पी-II	ऋण पुस्तिका के अनुसार	राजस्व आदेश अनुसूचित पत्र रा.प्र.क्र. 04अ 6/2008-09 दिनांक 16.06.2009 के अनुसार	शपथ पत्र के अनुसार नाम	वंश वृक्ष के अनुसार	अनुमोदित घटते क्रम की सुची/ मुआवजा पत्रक 1ए के अनुसार)
हरीश चन्द्र पिता श्याम लाल	हरीश चन्द्र पिता श्यामलाल	हरीश चन्द्र पिता श्याम लाल	हरीश चन्द्र प्रताप सिंह पिता श्याम लाल	हरीश चन्द्र प्रताप सिंह पिता श्यामलाल	HARISHCHANDRA PRATAP S/O SHYAM LAL

(1) अतः किसी भी संबंधित व्यक्ति को इस पर आपत्ति हो तो अपना पूरा नाम, हस्ताक्षर, पता एवं मूल दस्तावेजी प्रमाणों के साथ इसकी लिखित शिकायत अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में इस सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि के पश्चात् प्रस्तुत दावा–आपत्ति मान्य नहीं होगा।
(2) प्रस्तुत रोजगार के प्रस्ताव में खातेदार एवं आश्रित उम्मीदवार के नाम/उपनाम भिन्न–भिन्न दस्तावेजों में भिन्न–भिन्न दर्ज है, जो एक ही व्यक्ति का होना दर्शाया गया है, इस संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन के 07 दिवस के अंदर प्रस्तुत करें।

महाप्रबंधक, एसईसीएल गेवरा क्षेत्र

पीएमएलए के मामलों में भी जमानत नियम है और जेल अपवाद : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को मनी लॉन्ड्रिंग (पीएमएलए) मामले में रांची हाईकोर्ट के फैसले को खारिज करते हुए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कथित करीबी प्रेम प्रकाश को जमानत दी। साथी ही अपने फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने दोहराते हुए कहा कि पीएमएलए मामलों में भी जमानत नियम है और जेल की सजा तो सिर्फ अपवाद है। गौरतलब है कि मनीष सिसोदिया को जमानत देने के फैसले में भी इसी नियम का पालन किया था। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अपने आदेश में ये भी कहा कि पीएमएलए के तहत हिरासत के दौरान कोई आरोपी जांच अधिकारी या जांच एजेंसी के सामने कोई अपराध स्वीकार करता या उससे संबंधी बयान देता है तो उसे अदालत में सबूत नहीं माना जा सकता है। इसे केस दर केस देखा जाएगा।

इकबालिया बयान सबूत के तौर पर नहीं होगा पेश

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आमतौर पर ये माना जाता है कि पीएमएलए के तहत जांच एजेंसी के सामने हिरासत में दिए गए आरोपी के इकबालिया बयान को बतौर सबूत माना जाता था। लेकिन, हम उस पर भारतीय साक्ष्य अधिनियम (पूर्व में भारतीय साक्ष्य अधिनियम) की धारा 25 के तहत प्रतिबंध लगाते हैं। यानी कि आरोपी के हिरासत में दिए गए इकबालिया बयान को उसके ही खिलाफ इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

राशिफल

मेष
किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष
व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन
आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

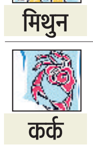
कर्क
आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह
आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या
मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला
आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक
आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु
आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। परन्तु आते उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर
माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ
अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

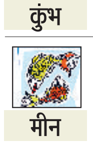
मीन
शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

शब्द पहेली - 5616

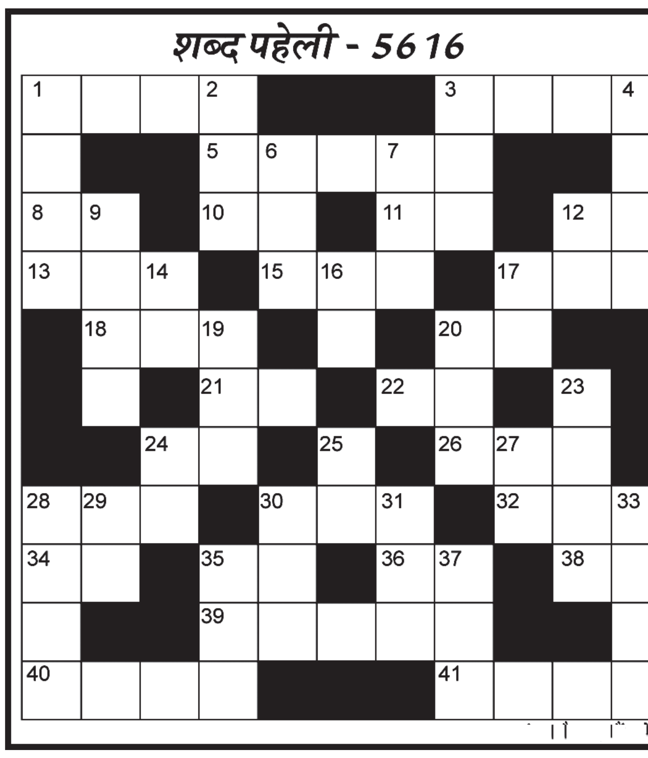

बाएं से दाएं-
1. पक्षियों का शोर-4
3. मुठभेड़,भिड़ंत-4
5. क्रोधित होना-5
8. लाश,पार्थिव देह-2
10. नवीन-2
11. सरिता-2
12. संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13. दोजख,नर्क-3
15. नमकीन लवण-3
17. बेकार-3
18. आंचल-3
20. फायदा,लाभ-2
21. चिट्ठी,पत्र-2
22. जी,चित-2
24. संपूर्ण-2
26. कुचलना,दबाना-3
28. दाड़म,एक फल-3
30. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32. खिचड़ी,पुलाव-3
34. मां,आई-2
35. भाग्य(अंग्रेजी-2)
36. सौतन-2
38. लीन-2
39. चमकीला-5
40. नसीब,किस्मत-4
41. चुनौती-4

ऊपर से नीचे
1. दलाली-4
2. स्वदेश,जन्मभूमि-3
3. दौंडी पीटना-3
4. बेमिसाल-4
6. इसमें तलवार रखते हैं-3
7. मापदंड,आदर्श-3
9. इच्छित वस्तु-4
12. जीरक,कणिका-2
14. थोड़ा,जरा-2
16. आनंद-2
17. क्रोधित,रुष्ट-2
19. अदा-3
20. पति की बहन-3
23. मन को हरने वाला-4
24. निष्कर्ष-2
25. उम्मीद-2
27. वोट,अभिमत-2
28. धरोहर,थाती-4
29. रिश्ता-2
30. नकद राशि,रोकड़-3
31. संचित,मसविदा-3
33. रीति अनुसार-4
35. अदृढ़,तर्कहीन-3
37. द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली -5615 का हल

सूडोकू नववाल 5627

सरल

सूडोकू नववाल - 5626 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

गरीबों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने 28 अगस्त 2014 से हुई शुरुआत

जन-धन योजना के 10 वर्ष पूर्ण, अब तक खोले गए 53 करोड़ खाते, पीएम ने बताया ऐतिहासिक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश में जनधन खातों की शुरुआत को आज 10 साल पूरे हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहले कार्यकाल के दौरान 28 अगस्त 2014 को गरीबों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से इसकी शुरुआत की गई थी और इस एक दशक में बड़ा बदलाव भी देखने को मिला है। पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट के जरिए इसे ऐतिहासित दिन करार दिया है। तो वहीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आंकड़े पेश कर बदलाव की पूरी तस्वीर साफ की है।

बुधवार को जनधन खातों की शुरुआत को 10 साल पूरा होने के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्विटर अकाउंट पर एक पोस्ट के जरिए कहा कि, 'आज देश के लिए ऐतिहासिक दिन है।' उन्होंने सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जन धन योजना करोड़ों देशवासियों, विशेषकर हमारे गरीब भाई-बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर देने में सफल रही है।

भारत के निर्माण का प्रयास

प्रधानमंत्री ने पेशेवर मंच 'लिंक्डइन' पर बाद में लिखा आज प्रधानमंत्री जन धन योजना को शुरू हुए एक दशक हो गया है और यह पहल महज एक नीति नहीं है। यह एक ऐसे भारत के निर्माण का प्रयास है, जहां हर नागरिक, चाहे उसकी आर्थिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो, उसकी औपचारिक बैंकिंग प्रणाली तक पहुंच हो।

वंचित लोगों को मिला सम्मान

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने आधिकारिक खाते पर लिखा, "आज एक ऐतिहासिक दिन है... जन धन योजना के 10 वर्ष पूरे हो गए हैं। सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं और इस योजना को सफल बनाने के लिए दिन-रात एक करने वाले सभी लोगों को भी बहुत-बहुत बधाई।" उन्होंने कहा कि जन धन योजना वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और करोड़ों लोगों खासकर महिलाओं, युवाओं तथा वंचित समुदायों को सम्मान देने में सबसे आगे रही है।

- योजना में एक दशक में बड़ा बदलाव देखने मिला
- सबसे अधिक 67 फीसदी खाते ग्रामीण और अर्बन क्षेत्र में खोले गए
- इन खातों में सबसे अधिक 55 फीसदी खाते महिलाओं के है

खाते से मिलता है यह फायदा : *जनधन खाते में जमा की गई राशि पर ब्याज तो मिलता ही है, बल्कि दुर्घटना में मृत्यु और पूर्ण विकलांगता के लिए 2 लाख रुपए का बीमा और आंशिक विकलांगता के लिए यह 1 लाख रुपए का एक्सीडेंटल इंश्योरेंस भी हो जाता है। यही नहीं इसमें 30,000 रुपए का लाइफ कवर भी मिलता है। बैंक खातों की तरह जनधन अकाउंट में मिनिमम बैलेंस की कोई लिमिट नहीं होती है, बल्कि इसमें तो लाभार्थी को 10,000 रुपए की ओवरड्राफ्ट सुविधा भी मिलती है।*

30 लाख महिलाओं को बैंकिंग प्रणाली में लाया गया

प्रधानमंत्री ने कहा कि 65 प्रतिशत से अधिक खाते ग्रामीण या अर्द्धशहरी क्षेत्रों में हैं, जिससे वित्तीय समावेशन की प्रक्रिया महानगरों तक सीमित नहीं रही। करीब 39 लाख करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष हस्तांतरण हुआ है। उन्होंने कहा, " लेकिन, दूसरा पहलू प्रभावशाली आंकड़ों से कहीं आगे है। जहां तक महिला सशक्तीकरण का सवाल है, जन धन योजना परिवर्तनकारी साबित हुई है। करीब 30 करोड़ महिलाओं को बैंकिंग प्रणाली में लाया गया है।"

पिछड़े वर्ग पर सकारात्मक प्रभाव

मोदी ने कहा कि इसी तरह, इस योजना के लाभ व बैंक खाते के जरिये मिलने वाले अन्य लाभों ने करोड़ों अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग परिवारों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जन धन, 'जेएएम' त्रिमूर्ति - जनधन, आधार और मोबाइल का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन गया है।

एयरटेल की इंडस टावर्स में 50 फीसदी हिस्सेदारी होगी

नई दिल्ली। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल की 2,640 करोड़ रुपये की शेयर पुनर्खरीद योजना पूर्ण होने पर इंडस टावर्स में 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी होगी। टावर्स ने 14 अगस्त को 465 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 5.67 करोड़ से अधिक शेयर की पुनर्खरीद शुरू की, कुल शेयर की संख्या का करीब 2.107 प्रतिशत है।

टीपीजी की निवेश इकाई ने टाटा टेक में हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली। परिसंपत्ति प्रबंधन फर्म टीपीजी ने खुले बाजार में लेनदेन के जरिये 1,230 करोड़ रुपये में टाटा टेक्नोलॉजीज में तीन प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी। राइज क्लाइमेट एसएफ पीटीई लिमिटेड के जरिये टाटा टेक में 1,014.16 करोड़ रुपये के औसत भाव पर 1.2 करोड़ से अधिक शेयर यानी 2.99 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी। इस बिक्री के साथ टाटा टेक में टीपीजी राइज क्लाइमेट एसएफ की हिस्सेदारी जून, 2024 तक के नौ प्रतिशत से घटकर लगभग छह प्रतिशत रह गई है। कॉण्थॉल मॉरीशस इन्वेस्टमेंट लिमिटेड ने टाटा टेक में 0.99 प्रतिशत हिस्सेदारी यानी 40 लाख शेयर खरीदे, जिससे लेनदेन का मूल्य 406 करोड़ रुपये हो गया।

यूपीआई लेनदेन का आकार 2029 तक होगा 439 अरब

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

यूपीआई पर कुल लेनदेन पिछले वित्त वर्ष के लगभग 131 अरब से बढ़कर 2028-29 तक 439 अरब होने की उम्मीद है और यह कुल खुदरा डिजिटल भुगतान का 91 प्रतिशत हिस्सा होगा। पीडब्ल्यूसी इंडिया की एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है।

- पीडब्ल्यूसी इंडिया की एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया

'द इंडियन पेमेंट्स हैंडबुक-2024-29' शीर्षक वाली रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत के डिजिटल भुगतान परिदृश्य में पिछले आठ साल में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है और उद्योग का अनुमान है कि मात्रा में तीन गुना से अधिक विस्तार होगा। डिजिटल भुगतान 2023-24 के 159 अरब बढ़कर से वित्त वर्ष 2028-29 तक 481 अरब तक पहुंचने का अनुमान है।

मूल्य के संदर्भ में भुगतान लेनदेन बाजार की वृद्धि दोगुनी होने की उम्मीद है। यह इस अवधि में 265 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 593 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच जाएगी। पीडब्ल्यूसी इंडिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि यूपीआई ने साल-दर-साल 57 प्रतिशत की लेन-देन मात्रा के साथ अपनी उल्लेखनीय वृद्धि जारी रखी है। रिपोर्ट में कहा गया है, "वित्त वर्ष 2023-24 में, कुल लेन-देन की मात्रा 131 अरब से थोड़ी अधिक थी और 2028-29 तक यह 439 अरब तक पहुंच जाएगी।

विमल वाटिका और वी-स्क्वेयर में विशेष ऑफर के अंतिम चार दिन शेष

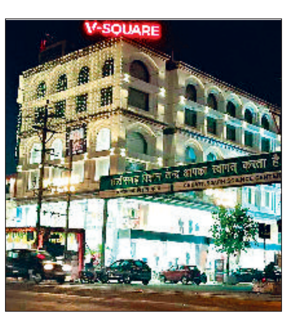

रायपुर। पंडरी कपड़ा मार्केट स्थित विमल वाटिका और अंबुजा मॉल के पास वी-स्क्वेयर में शॉपिंग पर विशेष छूट की पेशकश की जा रही है। इस ऑफर के अंतिम चार दिन बचे हैं, जिसमें सभी ब्रांडेड सूटिंग, शर्टिंग, एथनिक वियर, लेडीज वियर और किड्स वियर पर 50% की छूट दी जा रही है। ये छूट सभी प्रमुख ब्रांड्स जैसे रेमंड, रीड एंड टेलर, ब्लैकबेरी, लेवाइस, यूएस पोलो, जैक एन जॉन, ओनली, बीबा, काजो, स्पाइकर, लिनेन क्लब, अरविंद और वीरो मोडा पर है। स्टोर के संचालक महेश चौधरी ने बताया कि यह रियल स्टॉक क्लियरेंस सेल की खासियत है कि सभी ब्रांडेड शर्टिंग, सूटिंग और फैब्रिक पर 50% का डिस्काउंट उपलब्ध है। साथ ही स्टोर में अल्ट्रेशन और स्टिचिंग की सुविधा भी उपलब्ध है।

उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल में तीन दिवसीय ईसीजी कैंप

UMH™
आयुष्मान भव:
24x7 हृदय रोग एवं ब्रेन स्ट्रोक आपातकालीन सुविधा

रायपुर। भाटागांव स्थित उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल में बुधवार से तीन दिवसीय ईसीजी कैंप का आयोजन किया गया है। इस कैंप के दौरान स्थानीय निवासियों को मुफ्त में ईसीजी जांच की सुविधा प्रदान की जाएगी, जिससे वे अपनी दिल की सेहत का मूल्यांकन कर सकेंगे। ईसीजी (इलेक्ट्रो कार्डियो ग्राम) जांच दिल की धड़कनों को रिकॉर्ड कर के दिल की समस्याओं की पहचान करने में सहायक होती है। यह जांच दिल की बीमारियों की प्रारंभिक पहचान के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है और इससे दिल की सेहत को बनाए रखने में मदद मिलती है। उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. जिनेश जैन के नेतृत्व में ईसीजी, ईको, टीएमटी और अन्य कार्डियक जांच सेवाएं उपलब्ध है। इसका उद्देश्य दिल की सेहत से जुड़ी सभी समस्याओं का समाधान प्रदान करना है।

हियरिंग केयर सेंटर की ओर से निशुल्क जांच एवं परामर्श शिविर

रायपुर। हियरिंग केयर सेंटर ने बैरन बाजार स्थित छत्तीसगढ़ कॉलेज के पास 28 से 31 अगस्त तक एक निशुल्क बहरापन जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया है। यह शिविर सुबह 10:30 बजे से शाम 7 बजे तक चलेगा। शिविर में श्रवण यंत्रों पर भारी छूट और कोक्लियर इम्पलांट (परामर्श) और स्वीच थेरेपी पर विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। प्रसिद्ध कंपनियों फिलिप्स और रेक्टन के श्रवण यंत्र उपलब्ध होंगे। हियरिंग केयर सेंटर की अन्य शाखाएं कचहरी चौक रायपुर, सुपेला भिलाई, बिलासपुर, जगदलपुर, कोरबा और अंबिकापुर में स्थित हैं। यह शिविर दूरदराज क्षेत्रों से मरीजों को बहरेपन की जांच और डिजिटल श्रवण यंत्रों की उचित मूल्य पर उपलब्धता का लाभ प्रदान करता है।

क्लासिक ग्रुप के प्रॉपर्टी फेस्ट को मिल रहा अच्छा रिस्पॉन्स

रायपुर। क्लासिक ग्रुप के सभी प्रोजेक्ट्स में 'क्लासिक लाइफस्टाइल प्रॉपर्टी फेस्ट' का आयोजन किया गया है। इस आयोजन के तहत साइट विजिट करने वाले परिवारों को चांदी का सिक्का उपहार के रूप में दिया जा रहा है। इसके साथ ही किसी भी प्रोजेक्ट में बुकिंग करने पर 10 ग्राम तक का सोने का सिक्का और क्लब हाउस की फ्री मेंबरशिप भी मिल रही है। यह विशेष ऑफर 31 अगस्त तक मान्य रहेगा। इस फेस्ट को लोगों से काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है और कई परिवार साइट विजिट करने के बाद स्पॉट बुकिंग कर रहे हैं। क्लासिक ग्रुप अपने विश्वस्तरीय प्रोजेक्ट्स के माध्यम से एक नई जीवनशैली का अनुभव पेश कर रहा है। क्लासिक कैसल में 2 बीएचके और 3 बीएचके के स्वतंत्र मकान और प्रीमियम प्लॉट्स उपलब्ध है, जो कचना के प्रीमियम रेजीडेंशियल जोन में स्थित है। मकान या प्लॉट्स लेने वालों की सुविधा के लिए बैंक फाइनेंस की व्यवस्था भी की गई हैं।

छोटे केड़वाल के जंगल से भारी मात्रा में विस्फोटक, भरमार बंदूक बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

सुकमा जिले के चिंतागुफा थाना क्षेत्र में कोंटा व किस्टाराम एरिया कमेटी के नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर सुरक्षा बलों की पार्टी विशेष नक्सली विरोधी अभियान के लिए रवाना किया गया था। अभियान के दौरान थाना चिंतागुफा के ग्राम पातादुलेड़ जंगल-पहाडी एवं थाना किस्टाराम के ग्राम छोटेकेड़वाल जंगल में नक्सली पुलिस पार्टी को देखकर छुपाकर कर रखे डम्प सामाग्री को छोड़कर भाग खड़े हुए। नक्सलियों के मंसूबों को सुरक्षा बलों द्वारा नाकाम कर दिया गया। यहां सुरक्षा बलों को नुकसान पंहुचाने की नीयत से नक्सलियों के द्वारा छुपा कर रखे भरमार बंदूक, पाइप बम, विस्फोटक सहित अन्य सामाग्री को जवानों द्वारा बरामद किया गया है।नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर जिला बल, 204, 206, 208 कोबरा वाहिनी सेकंट बटालियन की संयुक्त टीम नक्सल उन्मूलन अभियान के लिए रवाना हुई थी। 27 अगस्त को थाना चिंतागुफा कैम्प दुलेड़ से टूआईसी सीआरपीएफ विशाल विंग, अजय कुमार, टी सैमसन राजू एवं जिला बल की संयुक्त पार्टी नक्सली गस्त सचिंर्ग के लिए ग्राम पातादुलेड़ व आस-पास क्षेत्र की ओर रवाना हुए थे। अभियान के दौरान 27 अगस्त को ग्राम पांतादुलेड़ के पास नक्सलियों द्वारा सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने की मंसूबे से पूर्व से 6 किलो का पाइप बम बरामद किया गया। जिसे सुरक्षा की दृष्टि से सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए बीडीएस टीम द्वारा सुरक्षित निष्क्रिय किया गया

■ सर्चिंग टीम को देखकर डंप विस्फोटक छोड़कर भागे नक्सली

वहीं 28 अगस्त को थाना किस्टाराम के कैम्प डब्बामरका से टूआईसी 208 कोबरा खेमचंद कश्यप के नेतृत्व में टीम ग्राम छोटेकेड़वाल, सिंगनमड़गू, कामाराम व आस-पास जंगल क्षेत्र की ओर रवाना हुए थे। अभियान के दौरान छोटेकेड़वाल के जंगल में सुरक्षा बलों की गतिविधियों को देखकर नक्सली जंगल व झाड़ी का आड़ लेकर भाग गए। बाद में घटनास्थल की सघन सर्चिंग करने पर नक्सलियों के ठिकाने में डम्प कर रखे भरमार बदूंक, डेटोनेटर, कोर्डेक्स वायर, फटाका, दवाइयां व अन्य नक्सली सामाग्रियां बरामद की गई।

छात्र की तबियत बिगड़ी, मौत

भिलाई। घर से स्कूल को निकले एक बालक की अचानक तबियत बिडने से उसकी मौत हो गई। घटना नंदिनी थाना क्षेत्र की है। नंदिनी पुलिस ने बताया कि ग्राम कोडिया निवासी छात्र रोशन धमधा विकासखंड के अहिवारा स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल में कक्षा 8वीं में पढ़ाई करता था। स्कूल से रोशन का दोपहर 12.15 मिनट पर छुट्टी के बाद घर जाने के लिए बाहर निकल रहा था। तभी अचानक रोशन की तबियत बिगड़ गई। रोशन निजी वाहन से स्कूल आता था। रास्ते में रोशन ने उल्टी भी किया। चालक ने छात्र को पानी पिलाया और नंदिनी नर्सिंग होम में उपचार के ललिए भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने बच्चे की गंभीरता को देख उसे अहिवारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेफर कर दिया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्कूल प्रबंधन ने बताया कि बुधवार से छात्र का परीक्षा था। नंदिनी टीआई मनीष शर्मा ने बताया कि मृतक छात्र के शव का पंचनामा कर पीएम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया है।

वन क्षेत्र में कटाई, 7 ग्रामीणों को भेजा जेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बस्तर जिले के ग्राम कोटेकामा डोंगरीगुड़ापारा के 11 अतिक्रमकों के विरूद्ध वन अधिनियम 1927 की धारा 26 एवं लोक सम्पत्ति क्षति निवारण अधिनियम 1984 की धारा 3 (1) के तहत कार्रवाई कर न्यायिक हिरासत में केन्द्रीय जेल जगदलपुर भेजा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार वन परिक्षेत्र भानपुरी के अन्तर्गत उप परिक्षेत्र बनियागांव के पिपलावण्ड बीट क्रमांक आरएफ 1107 में ग्राम कोटेकामा के ग्रामीणों द्वारा अतिक्रमण के उद्देश्य से लगभग 6 हेक्टेयर वन क्षेत्र में कटाई सफाई किया जा रहा था। जिसे परिसर रक्षक पिपलावण्ड वनपाल देवेश मौर्य एवं उप वनक्षेत्रपाल बुधरूराम कश्यप द्वारा वन प्रबंधन समिति पिपलावण्ड के सहयोग से अपराधियों को पकड़ा। उनके विरूद्ध वन अपराध पीओआर ग्राम कोटेकामा डोंगरीगुड़ापारा निवासी भागीरथी, पदम, नंदलाल एवं अन्य 4 व्यक्ति के विरूद्ध वन अपराध प्रकरण कायम कर समस्त वनोपज को जप्त कर निस्तार डिपो परिवहन कराया गया। अपराधियों को विधिवत मंगलवार को अपरान्ह 4 बजे गिरफ्तार कर महारानी अस्पताल जगदलपुर में चिकित्सीय परीक्षण के बाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

जहर सेवन से अधेड़ की मौत

धमतरी। मानसिक बीमारी के चलते एक अधेड़ ने कीटनाशक दवाई का सेवन कर आत्महत्या कर ली है।

अस्पताल पुलिस चौकी के अनुसार सिहावा थाना क्षेत्र के ग्राम भुरसीडोंगरी निवासी कमलेश मरकाम पिता खेदूराम उम्र 50 वर्ष की दो दिन दिन से दिमागी हालत ठीक नहीं थी। वह अचानक घराबकर डर जाता था। मंगलवार को पति पत्नी दोनों घर पर थे। इसी दौरान कमलेश घर में रखी कीटनाशक को लेकर अपने कमरे में चला गया। कुछ देर बाद पत्नी जयंतीबाई कमरे में गई तो कीटनाशक का डिब्बा खाली पाया। कमलेश ने डिब्बे में रखे जहर का सेवन कर लिया था।

झारखण्ड सरकार, ग्रामीण कार्य विभाग
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
कम्बाईण्ड बिल्डिग, प्रथम तल्ला, एल0सी0 रोड, धनबाद

ई-अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा संख्या:- 13/RWD/DHANBAD/24-25 दिनांक :- 24-08-2024

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, धनबाद द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या / पैकेज संख्या	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में) अंक में	प्राक्कलित राशि (लाख में) अक्षर में	कार्य समाप्ति की अवधि	टेण्डर कॉल संख्या
1	RWD/DHANBAD/ /12/24-25	टुण्डी	कुबरीटॉड़ बजरंगबली मंदिर से कारीटॉड़ तक पथ निर्माण कार्य (लम्बाई –2.200 कि0मी0)	231.149	दो करोड़ एकतीस लाख चौदह हजार नौ सौ	12 माह	प्रथम
2	RWD/DHANBAD/ /13/24-25	टुण्डी	गोविन्दपुर–गिरिडीह मुख्य पथ से आमबगान विरामपुर होते मोहनाद आर0ई0ओ0 रोड तक पथ निर्माण (लम्बाई –5.40 कि0मी0)	705.384	सात करोड़ पॉच लाख अड़तीस हजार चार सौ	18 माह	प्रथम

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि:– **31.08.2024**
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय:– **09.09.2024** अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय:– **11.09.2024** अपराह्न 3.30 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता:– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, धनबाद, पिन– 826001
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0– 0326–3554757

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, धनबाद

PR 333967 Rural Work Department (24-25)_D

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, Yash JainResident 4 Bhairav society pachpedi Naka near Arihant heights Raipur Chhattisgarh have changed my old name Yash Jainso in future I should berecognized by my new name that Yash Sheetal Jain in all Government and other documents Yash Sheetal Jain

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

ई– अतिअल्पकालीन निविदा सूचना संख्या – RDD/SD/BOKARO/35/2024-25

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	बोकारो जिला के कसमार प्रखण्ड अंतर्गत कसमार एवं मधुकरपुर सीमा के सामने खाँजो नदी पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण। (लम्बाई 67.12 मी०)	31921100.00	638500.00	10000.00	18 माह
2	बोकारो जिलान्तर्गत कसमार प्रखण्ड के गट्‌टीगड्ढ़ा एवं जरीडीह प्रखण्ड के रोरिया के बीच गवई नदी में उच्च स्तरीय पुल निर्माण। (लम्बाई 58.12 मी०)	30592500.00	612000.00	10000.00	18 माह
3	बोकारो जिला अंतर्गत कसमार प्रखण्ड के डामरूगोडा एवं लोधकियारी के बीच आदढेकिया नाला में उच्च स्तरीय पुल निर्माण। (लम्बाई 51.37 मी०)	31654100.00	633500.00	10000.00	18 माह
4	बोकारो जिला के गोमिया प्रखण्ड अंतर्गत कुन्दा और लावालौंग के बीच कटैल नदी में पुल निर्माण। (लम्बाई 39.37 मी०)	23801800.00	476500.00	10000.00	15 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 02.09.2024
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 02.09.2024 से दिनांक 09.09.2024 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, बोकारो।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 11.09.2024 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 06542 291060 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो

PR 333956 Rural Development (24-25)_D

मरकाटोला घाट में ट्रक को पीछे से बस से ठोका, 5 सवारी गंभीर

कांकेर। चारामा थाना की सीमा से लगे मरकाटोला घाट में उतरने के दौरान सवारी बस के चालक की लापरवाही से सामने जा रही ट्रक को ठोकर मारकर एक्सीडेंट कर दिया, जिसमें 5 सवारी घायल हो गई, जिसमें 4 गंभीर है, जिन्हें ईलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया। मरकाटोला घाट में पुराने मार्ग में सदैव हादसे हो रहे है वहीं एनएचएआई इस समस्या के निराकरण को लेकर गंभीर नजर नहीं नजर आ रही है। जानकारी के अनुसार बुधवार 28 अगस्त को सुबह 10 बजे सवारी बस क्रमांक सीजी 19 एफ 0972 धमतरी से कांकेर की ओर आ रही थी। मरकाटोला घाट के पास बस चालक ने सामने जा रही ट्रक क्रमांक एपी 21 टी जेड 5579 को पीछ से ठोकर मारकर एक्सीडेंट कर दिया। सवारियों की मानें तो बस का चालक मोबाईल पर बात कर रहा था और उसी की लापरवाही से यह हादसा हुआ। इस टक्कर में बस के सामने का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और बस में चालक के पास बैठी सवारी घायल हो गई। बस में सवार 5 सवारी घायल हो गई, जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए चारामा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। चार सवारी का प्राथमिक ईलाज के बाद छुट्टी दे दी गई वहीं गंभीर रूप से एक घायल को बेहतर ईलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया।

हादसे में घायल सवारी

बस में सवार हरी कीर्तन राठोर पति माखन लाल 50 वर्ष धमतरी, सकुन डहरे पति राजकुमार 50 वर्ष कांकेर, सानो बाई पति परदेशी 50 वर्ष ग्राम परसुली धमतरी, डॉ सौरभ बागडे 28 वर्ष चारामा को चोटे आई। वही राजेश वैष्णव पिता रामजी वैष्णव 50 वर्ष रायपुर को गंभीर चोट आने के कारण उन्हे प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया। हरी कीर्तन राठौर कांकेर में जिला महिला बाल विकास विभाग के अधिकारी पद पर पदस्थ है और धमतरी से प्रतिदिन आना जाना कांकेर करते थे। उनके अधीनस्थ कर्मचारी का कहना है कि उनकी पसली टूट गई है और धमतरी से रायपुर रेफर किया गया है।

जवान ने अपने राइफल से खुद को मारी गोली, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

एसएसबी के एक जवान ने अपने सिर पर गोली मारकर आत्महत्या कर लिया है। जिसे गंभीर अवस्था अस्पताल पहुचाया गया। जहां उफचार के दौरान दम तोड़ दिया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है। मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम सीमा, तहसील नारनूल जिला महेंद्रगढ़ हरियाणा मनोज कुमार 32 वर्ष की पदस्थापना एसएसबी 28 वीं बटालियन अंतागढ़ में थी। जनरल ड्यूटी के लिए रिसाली भिलाई के ट्रांजिट कैंप में आया था। उसे मंगलवार की रात को ड्यूटी करना था।

■ अंतागढ़ से ड्यूटी करने भिलाई आया था

ड्यूटी के दौरान ही रात 9.12 बजे मनोज कुमार ने अपने राइफल से सिर के दाहिने ओर गोली मारकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर एसएसबी के अधिकारी और जवानों मौके पर पहुचे और उसे गंभीर हालत में सुपेला स्थित स्पर्श अस्पताल पहुचाया गया। इस दौरान मनोज की मौत हो गई। बटालियन की ओर से जवानों के परिजनों को सूचना दी गई है।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

कारवाशिंग मैन

आवश्यकता है- DS कार वाशिंग एण्ड कार केयर में वाशिंग मैन एवं हेल्पर, मिस्त्री लड़कों की आवश्यकता है। वेतन- योग्यतानुसार संपर्क करें- जगन्नाथ चौक कोटा गुढ़ियारी रोड रायपुर मो. 7089829272 (RO-6467)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- रेडीमेट कपड़े की थोक दुकान मे कार्य करने हेतु अनुभवी लड़को की आवश्कता है संपर्क करे नंद होजयरी डिपो जयहिंद होजयरी मार्केट पंडरी रायपुर मो. 9300188811 (RO-4447)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन 10000/- महीना योग्य उम्मीदवार को ज्यादा वेतन संपर्क करें वायर हाउस जवाहर नगर एम.जी. रोड रायपुर(RO-1228)

आवश्यकता है- हार्डवेयर दुकान में कार्य करने के लिए आठवीं पास लड़के लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करे:- जैन हार्डवेयर एंड टूल्स, बाम्बे मार्केट, रायपुर, 9229101124.(RO-398)

कैप्टन/कुक

आवश्यकता है- बार में कार्य करने हेतु अनुभवी कैप्टन व इंडियन कुक की आवश्यकता है अनुभवी ही संपर्क करें। होटल विनार लिंक 1- जय स्तंभ चौक- मो- 9713577672 रायपुर (RO-6460)

हरिभूमि क्लासीफाईड

घरेलु कार्य/ड्रायवर

आवश्यकता है- घर में कार्य करने के लिए एक अनुभवी महिला और एक अनुभवी ड्राईवर की आवश्यकता है। जिसे 5 वर्ष का अनुभव हो रहने की सुविधा वेतन योग्यतानुसार संपर्क:- 9425207767, 7003707354, 9238677911. (RO-6459)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- साड़ी दुकान एवं रेडीमेड कपड़े की दुकान हेतु लड़के- लड़कियां एवं सेल्समैन- सेल्सगर्ल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करें:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोल बाजार, रायपुर मोबाइल नंबर:- 9329103178.(RO-2956)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- अनुभवी और स्मार्ट सेल्समैन- सेल्सगर्ल की आवश्यकता है संपर्क करें:- KOOL BEB'S अग्रसेन चौक नेहरूनगर भिलाई । मो.- 9827490990.(आरो न.-569)

हाउसकीपिंग/मैनेजर

आवश्यकता है- होटल में कार्य हेतु हाउसकीपिंग महिला एवं पुरूष एवं मैनेजर, वेटर, सिक्योरिटीगार्ड, कम्प्युटर आपरेटर एवं चैनमशीन आपरेटर एवं रेत खदान में काम करने हेतु युवकों की आवश्यकता है। संपर्क पप्पू मिश्रा मो.79923-26611.(आरो न.-571)

दुकान/गोडाऊन कार्य

आवश्यकता है- दुकान/गोडाऊन में कार्य हेतु युवक की शीघ्र आवश्यकता है.योग्यता-पांचवी पास वेतन-योग्यतानुसार। संपर्क-रायुपर कृषि केंन्द्र, 124, एस.के. प्लाजा, बॉम्बे मार्केट, रायपुर.(RO-1621)

कुरियर सर्विस

आवश्यकता है- कुरियर सर्विस में कार्य करने हेतु लड़को/लड़कियों की आवश्यकता है। स्थायी एवं फील्ड कार्य दोनों उपलब्ध , उम्र 18-35 वर्ष । संपर्क करें (निःशुल्क) मो.-91093-10898, 73545-77811, 88784-55536.(आरो नं - 6371)

इंचार्ज/ड्रायवर

आवश्यकता है- स्कूल में ट्रांसपोर्ट इंचार्ज - 2 पद ड्राइवर जिनको ऑटो मोबाइल का अनुभव हो - 2 पद आया - 2 पद Mobile :- 8319023876.(RO-1749)

डाटा कॉलिंग

आवश्यकता है- डाटा कॉलिंग के लिए सिखी हुई लड़कियों की आवश्यकता है। स्थान:-नेहरू नगर भिलाई (ऑफिस) जिला-दुर्ग मो.- 81033-43389.(आरो न.-570)

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- बंगलो एवं ऑफिस मे कार्य हेतु सुरक्षा गार्ड एवं घरेलु नौकर पुरुष की तत्काल आवश्यकता है अनुभव- 5-10 वर्ष उम्र 25-35 वर्ष वेतन योग्यतानुसार अनुभवी ही संपर्क करें:- 9109222000. (RO-2959)

आवश्यकता है- "होटल" जेलरोड, तेलीबांधा रायपुर हेतु सुपरवाइजर 4, सुरक्षा गार्ड 30, लेडी गार्ड 4, मार्केटिंग अधिकारी 2, योग्यता 10वीं, स्नातकोत्तर (आवास एक टाइम भोजन फ्री गार्ड हेतु गार्ड ऊंचाई 5.7) वेतन 10000/- से 15000/- संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED 434 चतुर्थतल, प्रोग्रेसिव पॉइंट, लालपुर, रायपुर मोबाइल नंबर:- 7746000016, 7747000019.(RO-2955)

ऑपरेटर/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- उरला बिरगांव में कार्य हेतु आवश्यकता- फ्लेक्सों ऑपरेटर+ कटिंग मशीन ऑपरेटर+ सुपरवाइजर पता- अशोक एंटरप्राइजेस उरला बिरगांव रायपुर मोबाइल 8770676924 संपर्क सुबह 10 से शाम 5 बजे तक (RO-4448)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु 18 से 30वर्ष, 10वीं, 12वीं, ग्रेजुएट अविवाहित लड़के चाहिए। वेतन 10000+ रहना फ्री+ कमीशन+ बोनस+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा सम्पर्क करें- 7415455110, 7898882634.(RO-35206)

वेल्डर/हेल्पर

आवश्यकता है- लेथ मशीन ऑपरेटर, वेल्डर, और हेल्पर की। पता बाराडेरा, सीआरपीएफ कैंप के पास, मंदिर हसौद, रायपुर संपर्क करें मोबाइल नंबर:- 7024347173. (RO-2960)

आवश्यकता है- वैल्डर वा हैल्पर की आवश्यकता है परमानेंट नौकरी के लिए सम्पर्क करे गौरव इंजीनियरिंग वर्कस, धमधा रोड बाईपास के पास, दुर्ग Phone no. 9329870104.(आरो नं -276)

आवश्यकता

आवश्यकता है- हेल्थ सेक्टर में करियर बनाएं , 8/10/12 वी फेल लड़के / लड़कियां ना हो निराश मेडिहब्स होम हेल्थ केयर से जुड़ कर कमाएं 8000 से 25000 प्रतिमाह + रहना फ्री रजिस्ट्रेशन हेतु संपर्क करें ऑफिस रायपुर : 7772011223. (RO-3919)

ड्रायवर/हमाल

आवश्यकता है- ड्राइवर + हमाल + पैकिंग लड़के, अनुभवी एकाउंटेंट + सेल्स के लिए लड़के, कम्प्यूटर ऑपरेटर। संपर्क करे- गोकुल सुपर बाजार, एलआईसी के सामने, पंडरी, रायपुर। 7489770673, 9826183500. (RO-420)

अन्य

आवश्यकता है- Fraud कॉल से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप +मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें- 7003467406, 7645886307. (RO-432)

Astrology ज्योतिष

ज्योतिष - शास्त्रीजी घरबैठे सभी समस्याओं का समाधान प्यार धोखा, वशीकरण, सौतन छुटकारा लवमैरिज, रूठो को मनाना, ग्रहक्लेश, किया कराया, प्रेमी , पती, संतान कहने से बाहर होतो संपर्क करे समस्या केसीभी जड़से खत्म 7347259119.(RO-13135)

हरिभूमि क्लासीफाईड

Property प्रापर्टी

प्लाट

बेचना है - बोरियाखुर्द साई विहार में 1700 वर्गफीट 23 लाख में, खिलौरा हाईवे के नजदीक 5000 वर्गफिट सेमी कमर्शियल डबलरोड 25 लाख, डोमा में 2000 वर्गफीट शानदार आदिवासी आवासीय प्लाट मात्रा 9 लाख में संपर्क:- 8964000029.(RO-2958)

Purchase खरीदना

जमीन खरीदना है- दुर्ग नगर से 50-60 किलोमीटर के अंदर, खेती योग्य, डामर रोड टच, सस्ती जमीन खरीदना है। संपर्क 9039619131.(आरो नं -6370)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैंसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

Healthcare

गुप्त रोगो का सफल ईलाज पैसा ठीक होने के बाद
❖ गुप्त रोग, नामर्दी
❖ लिंग में छोटापन।
❖ शीघ्र पतन
❖ पेशाब से धातू जाना।
❖ लिंग में ढीलापन,
❖ शुक्राणु की कमी।
❖ शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी।
❖ जड़ीबुटी द्वारा खोई हुई शक्ति पुनः प्राप्त करें।
❖ चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।
निःसंतान दम्पति आज ही मिलें
आज ही संपर्क करें 9174440077, 9009330088

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे। 18 से 75 वर्ष तक लाभदायक लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक। घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस। 09083218330

चमड़ी रोग
क्या आप कोई गंभीर चमड़ी रोगो से परेशान है जिसका उपाय नहीं मिल रहा हो, इसमे सोरियासिस एक जटिल लाईलाज रोग हैं। क्योकि यह वात, पित्त, कफ, किसी एक विकृति के कारण यह रोग होता है। आप कैसे जानेंगे कि किस विकृति से रोग हुआ हैं। परंतु कारण को जाने बिना स्टेराइड इत्यादि दवा से इसे दबाने की कोशिश करते हैं जो रोग बाद में जिद्दी एवं पुराना हो जाता है। यह आटो इम्यून डिसआर्डर रोग है। इसकी चिकित्सा केवल आयुर्वेद के रस-रसायन के अलावा दूसरी चिकित्सा हैं ही नहीं। इसमे वायरस बैक्टीरिया दोनों नहीं होते । इसलिये यह छूत की बीमारी भी नहीं है। सिर मे रूसी का भ्रम, शरीर में तांबे रंग के पपड़ीयुक्त छिलकेनुमा छाले, दाग, नाखूनो का सड़ना उंगलियों का टेढ़ा होना, जोड़ो में सूजन-दर्द, अकड़न होकर रोगी अपंग हो जाता है। यह सोरियासिस के गंभीर लक्षण है। इसमे कोई चमड़ी रोग नाशक दवा या इस्टेराईड एवं पंचकर्म क्रिया से रोग नहीं जाता दब जाता है इससे कईयों के लीवर एवं किडनी खराब हो गये हैं यदि समस्त लाईलाज चमड़ी रोगों से परेशान हो तो मिलें।
वायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर क्लीनिक आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी.अग्रवाल (एम.डी.)
भारत चिकित्सा रत्न व राष्ट्रीय चिकित्सा सम्मान पुरुस्कार, नेशनल एवार्ड से सम्मानित
9425555659, 9617789223
डॉ. वी. के. अग्रवाल (बीएएमएस) (आयुर्वेद विज्ञान विशेषज्ञ) रजि. 00255)
9303948500
निशांत अग्रवाल(फार्मासाईटिस्ट)
9303242200
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरुप टाकीज के सामने, बजाज(गोल्ड) फाइनेंस के पीछे दुर्ग (छत्तीसगढ़)समय - शाम 4 से 7 बजे।
अपाईटमेंट फोन से (गुरुवार अवकाश)

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे। 18 से 80 वर्ष तक लाभदायक लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक। घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस। 08116592844

दुश्मनों की अब खैर नहीं, 647 करोड़ की हुई डील

भारतीय सेना होगी मजबूत, अमेरिकी कंपनी को मिला 73 हजार असॉल्ट राइफल्स का दूसरा ऑर्डर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सेना को जमीन पर और मजबूत बनाने के लिए 73 हजार सिग सॉयर 716 असॉल्ट राइफल्स का दूसरा ऑर्डर दिया गया है। सेना ने अमेरिकी कंपनी सिग सॉयर को 73 हजार असॉल्ट राइफल्स का दूसरा ऑर्डर दिया है। इससे पहले खरीदी गईं 72,400 राइफल्स कश्मीर और पूर्वोत्तर में नियंत्रण रेखा के साथ-साथ आतंकवाद विरोधी अभियानों में इस्तेमाल की जा रही हैं। पाकिस्तान और चीन की सीमा पर तैनात पैदल सेना की बटालियनों को भी सिग सॉयर राइफल्स दी गई हैं। दूसरे ऑर्डर की आपूर्ति होने पर भारतीय सेना के पास 1,45,400 सिग राइफल्स होंगी। करोड़ में रुपए में डील हुई है।

600 मीटर दूरी तक मार करने की क्षमता

भारतीय सेना ने फरवरी, 2019 में अमेरिकी कम्पनी 'सिग सॉयर' से 600 मीटर दूरी तक मार करने की क्षमता वाली 72 हजार 400 सिग-716 असॉल्ट राइफल्स खरीदी थीं। फास्ट-ट्रैक प्रोक्योरमेंट (एफटीपी) सौदे के तहत 647 करोड़ रुपए से खरीदी गईं 7.62X51 मिमी. कैलिबर असॉल्ट राइफल्स की दिसम्बर, 2019 में आपूर्ति हुई। सबसे पहले जम्मू-कश्मीर के उधमपुर स्थित उत्तरी कमान को यह राइफल्स दी गईं। भारतीय सेना की सभी पैदल सेना की बटालियनों को कम से कम 50 प्रतिशत सिग सॉयर राइफल्स मिली हैं। पाकिस्तान और चीन की सीमा पर तैनात पैदल सेना की बटालियनों को सिग सॉयर राइफल अधिक संख्या में मिली हैं।

कई देशों की पुलिस और सेनाएं करती है उपयोग

अमेरिकी कंपनी सिग सॉयर के अध्यक्ष और सीईओ रॉन कोहेन ने एक बयान में कहा कि हमें भारतीय सेना के आधुनिकीकरण प्रयास में भागीदार होने पर गर्व है। सिग-716 राइफल ने भारतीय सेना के साथ रक्षा मंत्रालय के आधुनिकीकरण लक्ष्यों को हासिल करने में मदद की है। इनका इस्तेमाल अमेरिका के अलावा दुनियाभर की करीब एक दर्जन देशों की पुलिस और सेनाएं करती हैं।

कमी को पूरा करने के लिए खरीदे हथियार

राइफल्स का करती है उपयोग भारतीय सशस्त्र बलों में हथियारों की कमी को पूरा करने के लिए खरीदी गईं 72,400 राइफल्स में से सेना को 66,400, भारतीय वायु सेना को 4,000 और नौसेना को 2,000 दी गईं थीं। भारतीय सेनाओं के पास मौजूदा समय में लगभग 20 लाख हथियार उपयोग में हैं। भारतीय सेना विभिन्न प्रकार की असॉल्ट राइफल्स का उपयोग करती है। इंसास (इंडियन स्मॉल आर्म्स सिस्टम), एके-47, सिग सॉयर 716 और टावर बंदूकें हैं।

दो दिवसीय दौरे पर आए विदेश मंत्री विएरा

दक्षिण अमेरिकी देशों के साथ संबंध मजबूत करने में जुटा भारत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लंबे अरसे बाद भारत ने एक बार फिर दक्षिण अमेरिकी देशों के साथ अपने रिश्तों पर ज्यादा ध्यान देना शुरू किया है। भारत यात्रा पर आए ब्राजील के विदेश मंत्री मौरो विएरा के साथ विदेश मंत्री एस जयशंकर की मुलाकात हुई और दोनों की अगुआई में नौवें भारत-ब्राजील संयुक्त आयोग की बैठक हुई। शाम को दक्षिण अमेरिका के एक अहम देश चिली के विदेश मंत्री अल्बर्टो वान क्लावेरेन नई दिल्ली पहुंचे। इसी महीने विदेश राज्यमंत्री पबित्र मार्गेरिटा ने इस क्षेत्र के पनामा, ग्वाटेमाला, अल-सल्वाडोर और डोमिनिक रिपब्लिक की यात्रा की है।

छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कार्पोरेशन लिमिटेड, रायपुर

प्रथम निविदा - ई - प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना (निर्माण प्रकोष्ठ) Website- www.cgmsc.gov.in
Main portal - http://eproc.cgstate.gov.in क्र. / 6469/ निर्माण / 2024 दिनांक 27/08/2024

स. क्र.	नि.आ. सू.क्र.	कार्य का नाम	राशि (रु.लाख)
		सरगुजा संभाग	
1	10047	जिला मनेन्द्रगढ़ - चिरमिरी - भरतपुर के मनेन्द्रगढ़ में 220 बिस्तरीय अस्पताल भवन का निर्माण कार्य।	3209.21
2	10048	जिला जशपुर के कुनकुरी में 220 बिस्तरीय अस्पताल भवन का निर्माण कार्य।	3209.21

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर। दिनांक 03/09/2024 से देखी जा सकती है। जिसकी अंतिम तिथि दिनांक 24/09/2024 तक है।। निविदा में भाग लेने हेतु अमानत राशि, निविदा प्रक्रिया शुल्क एवं निविदा संबंधित सभी दस्तावेज आनलाईन स्वीकार की जावेगी।

S-41269/2 — **अधीक्षण अभियंता**

झारखण्ड सरकार ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, सिमडेगा।
ई–प्रोक्युरमेंट सूचना
अतिअल्पकालीन ई० निविदा आमंत्रण सूचना संख्या RDD/SD/SIMDEGA/03/2024-25

1.कार्य की विस्तृत विवरणी :–

ग्रुप सं०	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रू० में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू० में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	सिमडेगा जिला अन्तर्गत कोलेबिरा प्रखण्ड के बरसलोया पंचायत के बरसलोया से बरटोली जाने वाले पथ में (ढोलबीर नदी) पर उच्चस्तरीय पुल निर्माण।	321.42500	642850.00	10000.00	18 माह
2	सिमडेगा जिला के ठेठईटांगर प्रखण्ड अन्तर्गत कोरोमियाँ पंचायत के सलगापोंछ सड़क से रोयाँटोली होते हुए राजा बांध टांगरटोली पथ पर पुलिया एवं गार्डवाल का निर्माण।	345.87500	691750.00	10000.00	18 माह
3	सिमडेगा जिला के ठेठईटांगर प्रखण्ड अन्तर्गत पण्डरीपानी–जलडेगा मुख्य पथ में घुटबहार, चुन्दाटोली, राजाबासा विलियम पथ में डीपाट ेली नवाबाँध नाला में उच्चस्तरीय पुलिया एवं गार्डवाल का निर्माण।	403.13800	806300.00	10000.00	18 माह

2.वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 05.09.2024 को 11:00 बजे पूर्वाह्न में।
3.ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय–दिनांक 05.09.2024 से दिनांक 12.09.2024 को अपराह्न 3:00बजे तक
4.ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, सिमडेगा।
5.ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय –13.09.2024 अपराह्न 5:00 बजे
6.ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, सिमडेगा।
7.ई–निविदा प्रकोश्ठ का दूरभाश सं० – 9060405905 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाश नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।
विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,सिमडेगा।

PR 333857 Simdega(24-25)D

GOVERNMENT OF CHHATTISGARH, WATER RESOURCES DEPARTMENT
OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER MAHANADI GODAWARI BASIN RAIPUR (C.G.)

e-PROCUREMENT TENDER NOTICE
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
CORRIGENDUM NO. 1

In System Tender 157899 /NIT No. : 02/SAC/2024-25, Raipur, Dated: 22.08.2024 Whose G-Number is 242501988 dated 24.08.2024 following amendments are made :-

Particulars	Earlier	Amendment
Bid Download Last Date & Time	27-08-2024 17:30	02-09-2024 17:30

Note:- All other terms and conditions will remain be unchanged.

Deputy Director Hydrometeorology, Division No. 04 Raipur (C.G.) for, Chief Engineer, Mahanadi Godawari Basin Water Resources Department, Raipur (C.G.)

G-242502053/2

न्यायालय नजूल अधिकारी राजनांदगांव (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.मा.क्र. 202408093800001 अ 20 (1) वर्ष 2023-24

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कार्यालय पुलिस अधीक्षक जिला राजनांदगांव (छ.ग.) द्वारा पत्र क्रमांक पुअ /राज/ एसी-1/डीएम- 404/2024 राजनांदगांव दिनांक 31.05.2024 के माध्यम से प.ह.नं. 40 रा.नि.मं. राजनांदगांव तहसील व जिला राजनांदगांव स्थित शासकीय नजूल भूमि मोहल्ला सिविल लाईन (राष्ट्रीय राजमार्ग) भूखण्ड क्रमांक 21/3 क्षेत्रफल 1.69 एकड़ रिक्त भूमि को नवीन पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय भवन निर्माण हेतु आबंटित करने हेतु पत्र प्रेषित किया गया है। अतः उपरोक्त आवेदित भूमि को नवीन पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय भवन निर्माण हेतु आबंटित किये जाने में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को किसी भी प्रकार की दावा आपत्ति पेश करना हो तो वे अपना दावा आपत्ति इस ईश्तहार के जारी दिनांक से 15 दिवस के भीतर न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर लिखित रूप में पेश कर सकते है। समयावधि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक **08/08/2024** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

पेशी दिनांक- 28/08/2024 — **नजूल अधिकारी, राजनांदगांव**

G- 242502040/2

कॉमिक बुक के जरिए मार्शल अर्जन सिंह की प्रेरणादायक कहानियां युवाओं तक पहुंचाएगी वायुसेना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

वायुसेना प्रमुख एयरचीफ मार्शल वी.आर.चौधरी ने बुधवार को राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रसिद्ध मार्शल अर्जन सिंह और वर्ष 1971 में भारत और पाकिस्तान के बीच लड़ी गई बोयरा की लड़ाई की कहानी युवाओं तक पहुंचाने के लिए एक कॉमिक बुक (हीरोज ऑफ द इंडियन एयरफोर्स-वॉल्यूम 1) जारी की। इसका उद्देश्य खासकर स्कूल में पढ़ने वाले युवाओं को वायुसेना के वीरता के इतिहास के बारे में जानकारी देते हुए उससे जुड़ने के लिए प्रेरित करना है। वायुसेना ने बताया कि मार्शल अर्जन सिंह ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान बर्मा अभियान में लड़ाई लड़ी थी। इसके बाद 1965 का भारत और पाकिस्तान का युद्ध लड़ा। वह भारतीय वायुसेना के एकमात्र ऐसे अधिकारी थे। जिन्हें मार्शल ऑफ द इंडियन एयरफोर्स के रैंक से नवाजा गया।

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी, धमतरी वनमण्डल, धमतरी (छत्तीसगढ़)
फोन 07722-238371(O), 236137(Fax), E-mail - dfo-dhamtari.cg@gov.in

निविदा निरस्तीकरण की सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है, कि रायपुर वृत्त अंतर्गत समस्त वनमंडलों (धमतरी, गरियाबंद, रायपुर, महासमुंद, बलौदाबाजार) में उपयोग हेतु वर्ष 2024-25 में विदोहन सामग्री (आरा (Saw), कनासी एवं पावर चैन सॉ इत्यादि, नाशवान सामग्री, फार्म पंजी) क्रय हेतु वृत्त स्तरीय निविदा निम्नानुसार आमंत्रित किया गया था।

क्र.	सामग्री का विवरण	विज्ञापन क्रमांक
01	आरा कनासी, पावर चैन सॉ इत्यादि	242501025
02	नाशवान सामग्री (गेरू, चूना, डामर टिन, टेप, नायलोन रस्सा, आयल चॉक इत्यादि)	242501102
03	फार्म पंजी	242501303

शासन के निर्देशानुसार समस्त सामग्री जेम पोर्टल के माध्यम से क्रय किया जाना है। अतः उक्त समस्त निविदाओं को निरस्त किया जाता है।

वनमण्डलाधिकारी धमतरी वनमंडल धमतरी

G-242502042/2

कार्यालय जिला आयुष अधिकारी, धमतरी
पता-जिला एवं सत्र न्यायालय के पीछे, प्रथम तल,
शास. आयुष पॉली क्लीनिक, कलेक्टोरेट परिसर रूद्री रोड, जिला धमतरी (छ.ग.)
दूरभाष क्रमांक 07722-232846 email id - ayushdhamtari.cg@gov.in

क्रमांक /स्था./2024 / 1014 — धमतरी, दिनांक 27/08/2024

-:: वॉक-इन-इन्टरव्यू की सूचना ::-

कार्यालय जिला आयुष अधिकारी धमतरी में डीएमएफ मद से कलेक्टर दर पर 01 पंचकर्म सहायक पुरूष. एवं 02 पंचकर्म सहायक महिला, रिक्त पदों की पूर्ति पद रोस्टर अनुरूप अर्हताधारी उम्मीदवार ((1) किसी मान्यता प्राप्त मण्डल विश्वविद्यालय से उच्चत्तर माध्यमिक शाला प्रमाण-पत्र परीक्षा या (10+2) उत्तीर्ण या स्नातक पाठ्यक्रम का प्रथम वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण (2) किसी शासकीय अथवा शासन द्वारा मान्यता प्राप्त संस्था से पंचकर्म में न्यूनतम 01 वर्षीय परीक्षा कोर्स उत्तीर्ण, (3) छ.ग. सह चिकित्सा परिषद् अधिनियम 2001 के अधीन पंजीकृत) **से वॉक-इन-इन्टरव्यू** के माध्यम से किया जाना है। एकमुश्त मानदेय 12000.00 की राशि का भुगतान डीएमएफ मद से किया जावेगा। इस हेतु दिनांक 11 सितम्बर 2024 को समय 11.00 बजे से **कार्यालय जिला आयुष अधिकारी धमतरी के सभा कक्ष में वॉक-इन-इन्टरव्यू** आयोजित किया गया है। अर्हताधारी उम्मीदवार निर्धारित तिथि एवं समय पर अपने मूल प्रमाण-पत्रों के साथ उपस्थित हो सकते है। विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाईट https://dhamtari.gov.in का अवलोकन करें।

प्र. जिला आयुष अधिकारी जिला धमतरी (छ.ग.)

G-242502050/1

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग
सुकमा वनमण्डल, सुकमा जिला- सुकमा (छ.ग.)

औद्योगिक बांस का नीलाम विज्ञापन – सुकमा वनमण्डल सुकमा, जगदलपुर वृत्त जगदलपुर

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि जगदलपुर वृत्त के सुकमा वन मण्डल के अन्तर्गत, सुकमा काष्ठागार में संग्रहित ईमारती काष्ठ नीलाम दिनांक 03/09/2024 का विज्ञापन दिनांक 23/08/2024 को प्रकाशित किया गया है, पुनः काष्ठागार/बांसागार में संग्रहित औद्योगिक बांस को नीलाम दिनांक 03/09/2024 समय प्राप्त 10:00 बजे सुकमा काष्ठागार/बांसागार नीलाम हॉल में किया जावेगा।

अतः इच्छुक व्यापारियों से अनुरोध है कि वे नीलाम में भाग लें। नीलाम की शर्ते व अन्य जानकारियाँ कार्यालयीन दिवसों में काष्ठागार अधिकारी या वन मण्डल कार्यालय सुकमा से प्राप्त की जा सकती है। प्रस्तावित मात्रा में कमी या अधिकता हो सकती है। बोली लगाने के पूर्व कृपया वनोपज का निरीक्षण करने के बाद ही बोली लगावें। नीलाम में लॉट पर बोली लगाने के पूर्व सत्यंकार राशि 10 प्रतिशत के बराबर या 1000/- रूपय, इनमें से जो भी अधिक हो बयाने की राशि जमा करना अनिवार्य हैं। वर्ष 2024 का पंजीयन एवं फर्म का पेन नम्बर एवं जी.एस.टी. नम्बर की प्रति जमा करें।

सुकमा काष्ठागार में अनुमानित औद्योगिक बांस की मात्रा।

प्रजाति	नया औद्योगिक बांस मात्रा		
	साईज	संख्या (बंडल)	मात्रा (नो.टन.)
औद्योगिक बांस	1 Meter	31	0.248
	2 Meter	720	12.000
योग		751	12.248

वनमण्डलाधिकारी सुकमा वनमण्डल, सुकमा

G-242502056/2

NAVA RAIPUR ATAL NAGAR VIKAS PRADHIKARAN
Paryavas Bhawan, North Block, Sector- 19, Nava Raipur Atal Nagar, Dist.- Raipur 492 002, Chhattisgarh.
Tel No: +91 771 2512500; Fax No.: +91 771 2512400.
Website: www.navaraipuratalnagar.com http://eproc.cgstate.gov.in

E-Procurement Tender Notice

The Chief Executive Officer, NRANVP invites tender for following works:

NIT NO: 26/ZT-Elect./EE(Elect.)/CE/NRANVP/2024-25, Nava Raipur Atal Nagar, Dist. Raipur, Dated: 23.08.2024

Name of Work: "Zonal tender for various electrical works within NRANVP Area, at Nava Raipur Atal Nagar Dist. Raipur (C.G.)" (1st Call)

Estimated cost : INR 1.43 Crs, EMD : INR 2.43 Lakhs
Period of Completion : 12 Months
Last Time & Date of Online Submission: 15:00hrs on 18.09.2024

The E-Procurement tender documents can be downloaded from the portal (Website) http://eproc.cgstate.gov.in directly and shall be submitted online on the same website only after making on payment of bid participation fees online.

Amendment in tender, if any, will only be uploaded on the website and shall not be published in any newspaper.

Chief Engineer, NRANVP

S-41263/2

यूक्रेन के ड्रोन हमले में बर्बाद हुआ रूस के रोस्तोव का तेल डिपो

नई दिल्ली। रूस के दक्षिणी इलाके में मौजूद रोस्तोव के कमेंस्की जिले में तेल डिपो को यूक्रेन ने उड़ा दिया है। यूक्रेन के ड्रोन हमले में तेल डिपो के कई टैंकर जल गए हैं। लगातार जल रहे हैं। उनमें से अब भी आग निकल रही है। रोस्तोव के गवर्नर वसिली गोलुबेव ने कहा कि इस हमले में किसी की जान नहीं गई। न ही कोई जख्मी हुआ है। उन्होंने यह जानकारी अपने टेलीग्राम मैसेजिंग एप पर डाली. फायर फाइटर्स आग को बुझाने का प्रयास कर रहे हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस इलाके में रूसी एयर डिफेंस ने यूक्रेन के चार ड्रोन्स मार गिराए. लेकिन मंत्रालय ने तेल डिपो के बारे में कुछ भी नहीं कहा। बाजा टेलीग्राम

छत्तीसगढ़ संवाद
(जनसम्पर्क विभाग की सहयोगी संस्था)
नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर जिला - रायपुर, छत्तीसगढ़, फोन 0771-2512580

निविदा सूचना क्र. 1193 / छ. ग.सं./ प्रकाशन / 2024 — नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 28.08.2024

क्रिएटिव एवं बहुआयामी कार्यों में दक्ष एकीकृत एजेंसी की सेवा लेने हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना

छत्तीसगढ़ संवाद द्वारा क्रिएटिव एवं बहुआयामी कार्यों में दक्ष एकीकृत एजेंसी की सेवा लेने हेतु निर्धारित प्रारूप में समस्त वांछित दस्तावेजों सहित पूर्ण भरे हुए निविदा ऑनलाईन माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

निविदा प्रारूप एवं नियम शर्तों का अवलोकन छत्तीसगढ़ संवाद की वेबसाईट **http://samvad.cg.nic.in** पर किया जा सकता है। प्रारूप एवं नियम शर्तों में संशोधन होने पर संशोधन की सूचना उक्त वेबसाइट के माध्यम से दी जाएगी, पृथक से समाचार पत्रों में सूचना प्रकाशन नहीं की जाएगी। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि निम्नानुसार है

निविदा प्रपत्र का शुल्क	रूपये 2,360 / - (वापसी योग्य नहीं)
अमानत राशि	राशि रूपये 3,00,000/- (बिना ब्याज के वापसी योग्य)
प्री - बिड	दिनांक 10/09/2024 समय अपरान्ह 3:30 बजे
निविदा में भाग लेने हेतु ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि	दिनांक 03/10/2024 समय दोपहर 2:00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	दिनांक 03/10/2024 समय अपरान्ह 3:00 बजे तक
ऑनलाईन जमा तकनीकी प्रस्ताव प्रपत्र खोलने की तिथि	दिनांक 03/10/2024 समय सायं 4:30 बजे से
कार्य योजना के प्रस्तुतिकरण	दस्तावेज में योग्य पाये गए फर्मों को कार्य योजना प्रस्तुतिकरण के लिए आमंत्रित किया जाएगा।
ऑनलाईन जमा फाईनेन्शियल बिड खोलने की तिथि	प्रस्तुतिकरण पश्चात निर्धारित अंकों में से कम से कम 70 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले फर्मों को फाईनेन्शियल बिड खोलने की तिथि एवं समय पृथक से सूचित किया जाएगा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी छत्तीसगढ़ संवाद, रायपुर, छत्तीसगढ़

S-41272/2

कार्यालय कलेक्टर, जिला- बीजापुर, छत्तीसगढ़

अल्पकालिक द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना (जिला निर्माण समिति)

निविदा क्र./23 — **बीजापुर, दिनांक 27/08/2024**

कलेक्टर, जिला बीजापुर की ओर से राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा अन्तर्गत शासकीय प्राथमिक शाला भवन निर्माण कार्यो की स्वीकृत जिला निर्माण समिति के माध्यम से आर०ई०एस० के दिनॉक 01. 11.2021 से प्रचलित एस.ओ. आर. (भवन निर्माण कार्य के लिए) दर प्रतिशत दर के आधार पर तथा लोक निर्माण विभाग में एकल पद्धति से पंजीकृत एवं पात्र ठेकेदारों से मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमा. लागत राशि रू. (रू. लाख में)	अमानत राशि (रू. में)
1	GOVT. PRIMARY SCHOOL - 1- ADKAPALLI, 2- CHHOTE ALVADA, BLOCK - BHAIRAMGARH	20.30 प्रत्येक ईकाई	15200.00 प्रत्येक ईकाई

महत्वपूर्ण निर्देश :-

निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि	-	05/09/2024 सायं 5.00 बजे तक
निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि	-	13/09/2024 अपरान्ह 3.00 बजे तक
निविदा खोलने की अंतिम तिथि	-	13/09/2024 अपरान्ह 3.30 बजे तक
टेंडर फार्म का मूल्य	-	750.00 प्रति फार्म
कार्य पूर्ण करने की समय सीमा	-	05 माह वर्षा ऋतु सहित
ठेकेदारों की श्रेणी	-	डी-श्रेणी या उससे ऊपर

निविदा प्रपत्र कलेक्टर कार्यालय जिला निर्माण समिति शाखा बीजापुर में आवेदन के साथ ऊपर दर्शाये अनुसार निविदा प्रपत्र के मूल्य का डिमाण्ड ड्राफ्ट, चेक एवं नगद जो कि कलेक्टर बीजापुर के नाम से एवं बीजापुर में देय हो (जो वापसी योग्य नहीं है)।

टीप :- निर्माण के संबंध में अन्य आवश्यक विशेष नियम व शर्तो की जानकारी कार्यालय के सूचना पटल में या वेबसाईट www.bijapur.gov.in पर उपलब्ध है।

कलेक्टर जिला बीजापुर

G-242502060/2

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, बैकुण्ठपुर, जिला- कोरिया (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal:https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 157998 / निविदा सूचना क्र. 03 / व.ले.लि. / 2024-25, दिनांक 27.08.2024

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक **18.09.2024, (17:30 बजे)** तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का नाम : तामडांड जलाशय योजना के रिमॉडलिंग कार्य के अंतर्गत मुख्य नहर एवं माईनर नहर में मिट्टी का कार्य एवं लाईनिंग का कार्य तथा 02 नग सी.डी. का निर्माण एवं कुलावा फिक्सिंग का कार्य।

अनुमानित लागत : रू. 290.85 लाख।

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साईट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक **03.09.2024** समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट: 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।
2. निविदा की अनुमानित लागत एस. ओ. आर. 01.08.2010 (संशोधित 01.08.2022)

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, बैकुण्ठपुर, जिला-कोरिया (छ.ग.)
कृते मुख्य अभियंता हसदेव गंगा कछार,
जल संसाधन विभाग, अंबिकापुर, (छ.ग.)

G-242502043/4

म्यांमा : संरा ने की नागरिकों पर सैन्य हमलों की निंदा

संयुक्त राष्ट्र। ब्रिटेन ने म्यांमा से संबंधित संयुक्त राष्ट्र का एक व्यापक प्रस्ताव सदस्य देशों को वितरित किया है, जिसमें शांति प्रयासों को नए सिरे से शुरू करने का आग्रह किया गया है, नागरिकों पर हमलों, खासतौर पर सेना द्वारा किए गए हमलों की निंदा की गई है और अवैध हथियारों की तस्करी रोकने का आह्वान किया गया है। एसोसिएटेड प्रेस को मंगलवार को प्रस्ताव का मसौदा प्राप्त हुआ जिसमें ''म्यांमा में बढ़ती हिंसा पर चिंता'' व्यक्त की गई है।

म्यांमा में इन दिनों सैन्य शासन और प्रतिरोधी बलों के बीच गृहयुद्ध छिड़ा हुआ है। प्रस्ताव में ''बड़े पैमाने पर सुरक्षित, तेजी से और निर्बाध मानवीय सहायता की पहुंच'' को आसान बनाने का आह्वान किया गया है।

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER CHHATTISGARH RURAL ROAD DEVELOPMENT AGENCY PROJECT CIRCLE, BILASPUR (C.G.)

NIT No 209/ 1846/Tender/CGRRDA/2024 — Bilaspur Dated 27/08/2024

Superintending Engineer, Project Circle Bilaspur on behalf of Governor of Chhattisgarh invites package wise bids in electronic tendering system for, Annual Repair & Maintenance of Roads under PMGSY & MMGSVY, sanctioned for below mentioned district of the state, from the eligible contractors / Firms registered with unified registration system (e-registration) for the works mentioned below. Date of release of Invitation for Bids through e-procurement:

S. No	NIT No	Work Name	Amount (Rs. in Lakhs, i/c GST)	Districts	Rate invited
01	209	Zonal Tender Annual Maintenance/ MOW/Patch Repair/ Renewal Work/Other Minor work of Construction Rural Road Under PMGSY	100.00	Bilaspur	Percentage Rate SOR 22.02.2018 issued by CE, CGRRDA Raipur **(2nd Call)**
02	209	Zonal Tender Annual Maintenance/ MOW/Patch Repair/ Renewal Work/Other Minor work of Construction Rural Road Under MMGSVY	75.00	Bilaspur	Percentage Rate SOR 22.02.2018 issued by CE, CGRRDA Raipur **(2nd Call)**
03	209	Zonal Tender Annual Maintenance/ MOW/Patch Repair/ Renewal Work/Other Minor work of Construction Rural Road Under PMGSY/ MMGSVY	100.00	Korba	Percentage Rate SOR 22.02.2018 issued by CE, CGRRDA Raipur **(2nd Call)**
04	209	Zonal Tender Annual Maintenance/ MOW/Patch Repair/ Renewal Work/Other Minor work of Construction Rural Road Under PMGSY/ MMGSVY	180.00	Mungeli	Percentage Rate SOR 22.02.2018 issued by CE, CGRRDA Raipur **(2nd Call)**
05	209	Zonal Tender Annual Maintenance/ MOW/Patch Repair/ Renewal Work/Other Minor work of Construction Rural Road Under PMGSY/ MMGSVY	200.00	GPM	Percentage Rate SOR 22.02.2018 issued by CE, CGRRDA Raipur **(2nd Call)**

Detailed N.I.T. and other Details can be viewed on our website https://eproc.cgstate.gov.in. on or after 30/08/2024. In future any related corrigendum would be seen in the notice section of the website.

Superintending Engineer
Chhattisgarh Rural Road Development Agency
Project Circle, Bilaspur, (C.G.)
E-mail: se_pmgsybsp@yahoo.com

S-41270/3

डिजिटल डिमेंशिया से ऐसे करें अपना बचाव

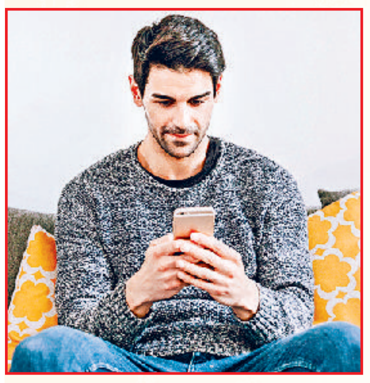

मोबाइल के अत्यधिक इस्तेमाल के कारण आजकल लोगों में याद्दाश्त और एकाग्रता में कमी जैसी समस्याएं बढ़ने लगी हैं। इस समस्या को डिजिटल डिमेंशिया कहा जाता है। इससे कैसे करें बचाव, आपको जरूर जानना चाहिए।

प्रिकॉशन

डॉ. विपुल रस्तोगी
सीनियर साइकेट्रिस्ट
मेदांता हॉस्पिटल, गुरुग्राम

आपने भी शायद यह महसूस किया होगा कि जब भी कुछ पलों के लिए आप अपने मोबाइल से दूर होते हैं, तो आपको बेचैनी महसूस होने लगती है। हाथों में स्मार्ट फोन लेकर उसे घंटों स्क्रॉल करते रहने की आदत ना केवल लोगों के मानसिक, बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत नुकसानदेह साबित होती है।

क्या है नुकसानः जब हम स्क्रीन के साथ ज्यादा समय बिताते हैं तो एकाग्रता में कमी आने लगती है। जबकि अच्छी याद्दाश्त के लिए एकाग्रता बहुत जरूरी है। मोबाइल के साथ ज्यादा वक्त बिताने के कारण हमारी हॉबीज पीछे छूटने लगती हैं। मोबाइल के कारण व्यक्ति अपने अन्य जरूरी कार्यों पर ध्यान नहीं दे पाता। जिससे वह अपने प्रोफेशनल जीवन में पिछड़ने लगता है, स्टूडेंट्स के रिजल्ट पर भी इसका बुरा असर पड़ता है।

प्रमुख लक्षणः डिजिटल डिमेंशिया के शिकार लोगों में अनिद्रा, चिड़चिड़ापन, सिरदर्द और हाई बीपी जैसे लक्षण नजर आते हैं। चूंकि ऐसे लोग वॉक, एक्सरसाइज जैसी शारीरिक गतिविधियों से दूर हो जाते हैं, इसलिए इनका वजन तेजी से बढ़ने लगता है, जिससे इन्हें ओबेसिटी और डायबिटीज जैसी समस्याएं परेशान करने लगती हैं। लोगों की शॉर्ट टर्म मेमोरी कमजोर होने लगती है, शब्दों को याद करने में कठिनाई होती है और मल्टीटास्किंग स्किल भी कमजोर हो जाती है। सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि इस समस्या से पीड़ित लोग खुद इसके लक्षणों से अनजान होते हैं और पल भर के लिए भी अपने मोबाइल से दूर रहने के लिए तैयार नहीं होते हैं। लोग अपना अकेलापन दूर करने के लिए मोबाइल पर निर्भर होते है, लेकिन इसी निर्भरता के कारण उनका अकेलापन और बढ़ने लगता है।

कैसे करें बचावः मोबाइल अकेलापन दूर करने का सबसे आसान माध्यम लगता है, इसीलिए अपनी बोरियत दूर करने के लिए लोग अकसर मोबाइल स्क्रॉल करते रहते हैं। इस आदत से बचने के लिए मोबाइल और गैजेट्स के अलावा अन्य विकल्प ढूंढने चाहिए। लोगों से मिलें और बातचीत करें, घर की सफाई और बागवानी जैसे कार्यों में स्वयं को व्यस्त रखें। अपने लिए कुछ नए शौक विकसित करें। मसलन, अच्छी किताबें पढ़ें, डायरी लिखें, पेंटिंग, म्यूजिक, डांस और आर्ट एंड क्राफ्ट जैसी एक्टिविटीज में स्वयं को व्यस्त रखें। अपना स्क्रीन टाइम घटाने की कोशिश करें। रात को सोने के दो घंटे पहले से मोबाइल देखना बंद कर दें। अगर आप अपने बच्चों को इस बुरी आदत से बचाना चाहते हैं, तो पहले अपना स्क्रीन टाइम घटाने की कोशिश करें। अपने घर में यह नियम बनाएं कि लगातार एक घंटे तक परिवार का कोई भी सदस्य मोबाइल नहीं देखेगा। टाइम मिलने पर आपस में बातचीत करें या कोई बोर्ड गेम खेलें। जब फोन की बैटरी लो हो जाए तो उसे चार्जिंग के लिए ऐसी जगह पर लगाएं, जिसके आस-पास बैठने की कोई जगह ना हो, इसी बहाने थोड़ी देर तक आप फोन से दूर रहेंगे। नोटिफिकेशन ऑफ रखें, अगर जरूरी बात करनी हो तो मैसेज के बजाय कॉल करें, अगर किसी प्रोफेशनल जरूरत के कारण स्क्रीन के साथ ज्यादा वक्त बिताना हो, तो मोबाइल के बजाय लैपटॉप का इस्तेमाल करें। एप्स के बजाय ब्राउजर का इस्तेमाल करें, क्योंकि इसका प्रोसेस थोड़ा लंबा होता है तो आलस्य की वजह से आप इसका कम इस्तेमाल करेंगे। आजकल प्रोफेशनल जरूरतों के कारण मोबाइल पर निर्भरता बढ़ती जा रही है, लेकिन कोशिश यही होनी चाहिए कि छुट्टी वाले दिन मोबाइल से दूर रहें।

अगर आप इन बातों का ध्यान रखेंगे तो आपके लिए डिजिटल डिमेंशिया से बचना आसान हो जाएगा। *

प्रस्तुतिःविनीता

बीते कुछ महीनों से कई देशों में मंकीपॉक्स के कई मामले सामने आए हैं। इसीलिए अपने देश में भी कुछ राज्यों में हेल्थ एडवाइजरी जारी की जा रही है। ऐसे में मंकीपॉक्स बीमारी की संक्रामकता, इसके कारणों, लक्षणों और इससे बचाव के तरीकों के बारे में जानना जरूरी है। यहां इस बारे में डिटेल में बताया जा रहा है।

कई देशों में फैल रहा मंकीपॉक्स सावधानी बरतना है जरूरी

डॉक्टर्स एडवाइस

ताजा जानकारी के अनुसार, मंकीपॉक्स वायरस दुनिया भर के कई देशों में फैल चुका है और बहुत से लोग इससे प्रभावित हो रहे हैं। मंकीपॉक्स या एमपॉक्स नामक बीमारी मंकीपॉक्स वायरस, जिसे आमतौर पर एमपीएक्सवी के नाम से जाना जाता है, के कारण होती है। इस वायरस के तेज फैलाव को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदा बताया है। ऐसे में इस बारे में पूरी जानकारी रखना और सावधानी बरतना सभी के लिए जरूरी है।

मंकीपॉक्स कैसे फैलता है

नारायणा हॉस्पिटल, गुरुग्राम में सीनियर कंसल्टेंट-इंटरनल मेडिसिन, **डॉ. पंकज वर्मा** मंकीपॉक्स के बारे में बताते हैं, 'एमपॉक्स एक वायरल बीमारी है, जो मंकीपॉक्स वायरस के कारण होती है, जो ऑर्थोपॉक्स वायरस जीनस की एक प्रजाति है। इस वायरस के दो अलग-अलग क्लेड, क्लेड I और क्लेड II हैं। मंकीपॉक्स आमतौर पर हल्की बीमारी होती है और 2 से 4 सप्ताह में ठीक हो जाती है। लेकिन कभी-कभी यह गंभीर बीमारी का कारण भी बन जाती है, जो छोटे बच्चों, गर्भावस्था के दौरान और कमजोर इम्यूनिटी सिस्टम वाले लोगों में अधिक होती है। मंकीपॉक्स का संक्रमण जानवरों से मनुष्यों में और संक्रमित व्यक्ति से दूसरों में फैल सकता है। संक्रमित व्यक्ति के खांसने या छींकने से निकली बूंदों को सांस के माध्यम से अंदर लेना, या यदि ये बूंदें आपकी आंखों, नाक या मुंह में चली जाती हैं तो भी यह वायरस आपको संक्रमित कर सकता है। संक्रमित शारीरिक तरल पदार्थ, चकत्ते, घाव, पपड़ी या छाले के साथ शारीरिक संपर्क होना या संक्रमित व्यक्ति द्वारा इस्तेमाल की गई दूषित वस्तुओं को छूना-जैसे बिस्तर, तौलिया या कपड़े के संपर्क में आने से भी यह वायरस फैल सकता है।' कहने का मतलब है कि यह वायरस बहुत संक्रामक है इसलिए बचाव के लिए बहुत सावधानी बरतने की जरूरत है।

मंकीपॉक्स बीमारी के लक्षण

श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली के प्रिंसिपल कंसल्टेंट-इंटरनल मेडिसिन एंड इंफेक्शन डिजीज **डॉ. दीपक गुप्ता** मंकीपॉक्स के लक्षणों के बारे में बताते हैं, 'इसके शुरुआती लक्षणों में फ्लू जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं। वायरस के संपर्क में आने के 5 से 21 दिन बाद इसके लक्षण शुरू होते हैं। प्रारंभिक लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, ठंड लगना, जोड़ों में दर्द, पीठ दर्द, मांसपेशियों में दर्द, सूजी हुई लिंफ नोड्स और अत्यधिक थकान महसूस होना शामिल हैं। मंकीपॉक्स वायरस के कारण एक विशिष्ट प्रकार के दाने भी हो सकते हैं, जो कभी-कभी बड़े चेचक के फफोले के समान दिखते हैं। ये दाने बुखार और अन्य लक्षणों के 1 से 5 दिन बाद विकसित हो सकते हैं। दाने शुरुआत में सपाट लाल धब्बों के समान होते हैं। फिर यह पीले रंग के तरल पदार्थ से भरे घाव में बदल जाते हैं और फिर पपड़ीदार होकर गिर जाते हैं। ये दाने सामान्य रूप से आपके चेहरे, मुंह के अंदर, छाती, पीठ, हाथ, पैर और जननांग के अलावा अन्य स्थानों पर भी हो सकते हैं। ऐसे में इन लक्षणों के प्रति सतर्कता आवश्यक है और अगर आपको ऐसे लक्षण महसूस हों तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।'

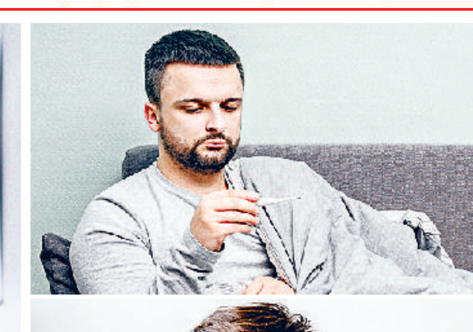

इलाज और बचाव

धर्मशिला नारायणा हॉस्पिटल, दिल्ली में सीनियर कंसल्टेंट-इंटरनल मेडिसिन, **डॉ. गौरव जैन** मंकीपॉक्स से बचाव और इलाज के बारे में बताते हैं कि ज्यादातर लोगों में मंकीपॉक्स हल्का होता है और उन्हें विशेष उपचार की आवश्यकता नहीं होती है। हालांकि डॉक्टर लक्षणों या जटिलताओं के आधार पर इलाज करते हैं। उदाहरण के तौर पर अगर आपको अपने दाने से त्वचा में संक्रमण हो जाता है तो आपको दर्द निवारक दवाओं या एंटीबायोटिक दवाओं की आवश्यकता हो सकती है। इस बीमारी का दूसरा सप्ताह बहुत नाजुक होता है और यदि जल्द ही इस बीमारी का निदान हो जाए तो इसे फैलने से रोका जा सकता है। वृद्ध लोग जिन्हें चेचक का टीका लगा होता है, उनमें इस बीमारी के प्रति प्रतिरोधक क्षमता अधिक होती है। मंकीपॉक्स वायरस संक्रमण के लिए कोई भी प्रमाणित, सुरक्षित इलाज नहीं है, लेकिन हाल ही में मंकीपॉक्स के बढ़ते मामलों के बाद सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने बताया है कि वो इस बीमारी के खिलाफ एक वैक्सीन विकसित कर रहे हैं, जिससे मंकीपॉक्स के कारण होने वाले जोखिमों को कम किया जा सकता है। इसके अलावा इस बीमारी से बचाव के तौर पर आप स्वच्छता का ध्यान रखें, खांसने या छींकने वाले लोगों से दूरी बनाएं, खुद खांसते या छींकते समय अपना नाक और मुंह ढंकें, संक्रमित व्यक्ति एवं उनकी किसी भी वस्तु के संपर्क में आने से बचें और इस बीमारी से जुड़े किसी भी तरह के लक्षण महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। *

हेल्थ इमरजेंसी घोषित हुआ एमपॉक्स

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने विगत 14 अगस्त 2024 को एमपॉक्स को 'पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न' घोषित किया है। इस बीमारी का आउटब्रेक तो डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और अन्य अफ्रीकी देशों में हुआ था, लेकिन इसके केस यूरोप में स्वीडन और एशिया में पाकिस्तान तक प्रकाश में आए हैं, इसलिए डब्लूएचओ के लिए यह कदम उठाना आवश्यक हो गया था ताकि सभी देश सतर्क रहें और अपने नागरिकों को एमपॉक्स से सुरक्षित रखने के लिए जरूरी बंदोबस्त कर लें। एमपॉक्स के शुरुआती मामले 2022 में सामने आए थे और तब से यह बीमारी बिना रोक-टोक निरंतर फैलती ही जा रही है, हाल ही में इसके केस दुनियाभर से रिपोर्ट हो रहे हैं। एमपॉक्स या मंकीपॉक्स दुर्लभ जूनोटिक रोग है यानी, यह जानवरों से इंसानों में फैलता है। एमपॉक्स के सही स्रोत की जानकारी अभी तक नहीं हो सकी है, लेकिन माना जा रहा है कि छोटे स्तनधारी जैसे गिलहरी और बंदर इसके कैरियर हैं। फिलहाल एमपॉक्स का कोई विशिष्ट इलाज उपलब्ध नहीं है। इसलिए डब्लूएचओ सहायक केयर की सिफारिश करता है, जैसे जिन व्यक्तियों को जरूरत है, उन्हें दर्द या बुखार की दवा देना। आमतौर से इसके लक्षण अपने-आप ही चले जाते हैं। एमपॉक्स से पीड़ित व्यक्तियों को चाहिए कि वह हाइड्रेटेड रहें, ठीक से भोजन करें, पर्याप्त नींद लें, अपनी त्वचा को खुजाएं नहीं, लाल चकत्तों को छूने से पहले और बाद में हाथों को धोएं और अपनी त्वचा को सूखा और खुला रखें। स्मालपॉक्स का उपचार करने के लिए एंटीवायरल दवा टेकोविरीमैट विकसित की गई थी। जनवरी 2022 में यूरोपियन मेडिसिंस एजेंसी ने अपवाद हालात में एमपॉक्स का इलाज करने के लिए इसे मंजूरी दी, लेकिन इस प्रकार की दवाओं के साथ अनुभव सीमित ही रहा है। तीन वैक्सीन-एमवीए-बीएन, एलसी16 और ऑर्थोपॉक्सवायरस स्मालपॉक्स के विरुद्ध विकसित की गईं थीं, उन्हें भी एमपॉक्स को रोकने के लिए मंजूरी दी गई है। बहरहाल, जिन लोगों को खतरा है उन्हें ही टीकाकरण के लिए ठीक समझा जा रहा है। डब्लूएचओ इस पक्ष में नहीं है कि बड़े पैमाने पर टीकाकरण किया जाए। इस मामले में सभी को सावधान रहने की जरूरत है।

- डॉ. माजिद अलीम

भूलने की समस्या दूर करे योग

योगोपचार

अकसर व्यस्त जीवनशैली के चलते हम कुछ ना कुछ रोजमर्रा की जिंदगी में भूल ही जाते हैं, लेकिन जरूरत से ज्यादा भूलना या इंपॉर्टेंट बातें भी बार-बार भूलना एक बीमारी का संकेत हो सकता है। ज्यादा स्ट्रेस लेने की वजह से लोग भूलने की बीमारी के शिकार हो जाते हैं। इसके अलावा अगर आप अनिद्रा के शिकार हैं तो इसका असर भी आपकी ब्रेन मेमोरी पर पड़ता है। नींद कम आने की वजह से न सिर्फ आपका स्वास्थ्य खराब होता है, बल्कि धीरे-धीरे आपके लिए चीजों को याद रखना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में योग की मदद से आप अपनी याद्दाश्त तेज कर सकते हैं। हाल में हुए एक अमेरिकी शोध के अनुसार, प्रतिदिन 20 मिनट तक योगासनों का अभ्यास दिमाग के लिए ट्रेडमिल पर घंटों दौड़ने से अधिक फायदेमंद है।

भुजंगासनः भुजंगासन ना सिर्फ याद्दाश्त तेज रखता है बल्कि कमर दर्द से लेकर साइटिका और स्लिप डिस्क जैसे रोगों में लाभदायक है। इसे करने के लिए पहले पेट के बल सीधे लेट जाएं और दोनों हाथों को कंधों के समानांतर रखें। अब सांस लेते हुए हाथों के बल शरीर के अग्रभाग को ऊपर की ओर उठाएं और जितना हो सकें उतना खींचें। 30 सेकेंड तक इसी अवस्था में रहने के बाद सांस छोड़ते हुए वापस सामान्य अवस्था में आ जाएं। लेकिन हार्निया के मरीज इस आसन को ना करें।

कपालभाति प्राणायामः इसे करने से श्वांस की गति सामान्य होती है, एकाग्रता बढ़ती है और मस्तिष्क तक रक्त का प्रवाह अच्छी तरह होता है। इसे करने के लिए पहले सुखासन में बैठ जाएं। अब गहरी सांस लें और फिर मुंह बंद कर तेजी से सांस बाहर की ओर छोड़ें। इस दौरान पेट की गति साफ दिखनी चाहिए। 30 सेकेंड बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं। *

स्टमक अल्सर की समस्या अब काफी लोगों को होने लगी है। इसकी अनेक वजहों में स्ट्रेस, नशे की आदत, ज्यादा दवाओं का सेवन भी शामिल हैं। यहां डिटेल में इस बीमारी के लक्षणों और इलाज के बारे में भी बता रहे हैं।

स्ट्रेस-नशे से बढ़ती है स्टमक अल्सर की आशंका

अवेयरनेस

शिखर चंद जैन

इन दिनों अधिकांश लोगों को पेट में दर्द, गैस, अपच, अम्ल और पेट की गड़बड़ी की शिकायत हो रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि इसके कई कारण हो सकते हैं। जैसे ज्यादा स्ट्रेस, दर्द निवारक दवाओं का अधिक सेवन, पेट में हार्मफुल बैक्टीरिया, गलत खान-पान या तंबाकू, शराब आदि का सेवन।

स्ट्रेसः ज्यादा स्ट्रेस आपको मानसिक रूप से परेशान तो करता ही है इससे आपके पेट में अल्सर की शिकायत भी हो सकती है। अनुभवी चिकित्सकों ने पाया है कि बहुत ज्यादा तनाव लेने वाले लोगों की आंतों की लाइनिंग में इन्फ्लेमेशन बढ़ जाता है। अमेरिका स्थित वर्जीनिया के गैस्ट्रो हेल्थ स्पेशलिस्ट डॉक्टर टोनिया एडम्स के अनुसार, 'यह सच है कि गंभीर रूप से बीमार, इंटेंसिव केयर यूनिट में भर्ती मरीजों के गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट की लाइनिंग में घाव और इन्फ्लेमेशन हो जाता है।' इसी तरह न्यूयॉर्क की गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉक्टर कैरोलीन न्यूबेरी कहती हैं, 'पेप्टिक अल्सर तब बनता है, जब पेट में मौजूद एसिड छोटी आंत या पेट की सुरक्षा परत को भेदने लगता है। वहीं गैसट्रिक अल्सर तब होता है, जब स्टमक लाइनिंग में घाव हो जाते हैं।'

नशाः कई बार स्ट्रेस की वजह से लोग ज्यादा सिगरेट, गुटखा या शराब जैसी हानिकारक चीजों का सेवन करते हैं। वर्जीनिया गैस्ट्रो हेल्थ हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉक्टर टोनिया एडम्स कहते हैं, 'सिगरेट पीना और ज्यादा शराब पीना भी पेट को भारी नुकसान पहुंचाता है। जिनको पेट संबंधी बीमारियां पहले से मौजूद हैं, उनके लिए तो यह और भी घातक हो जाता है। इनकी वजह से भी पेट में इन्फ्लेमेशन और घाव या छाले हो सकते हैं।'

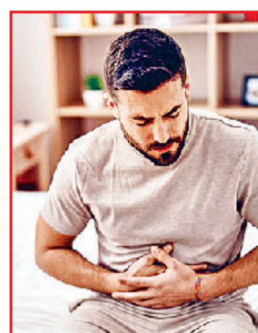

हार्मफुल बैक्टीरियाः पेट में अल्सर होने का एक अन्य कारण है, पेट में हार्मफुल बैक्टीरिया की मौजूदगी। 2020 में की गई स्टडी में शोधकर्ताओं ने अमेरिका में 1.3 मिलियन मरीजों के मेडिकल रिकॉर्ड्स का विश्लेषण किया। यह 2009 से 2018 के बीच एकत्रित एंडोस्कोपी रिपोर्ट्स थी। स्वास्थ्य विज्ञानियों ने पाया कि 17 फीसदी मामलों में पेप्टिक अल्सर की वजह हेलीकोबैक्टर पाईलोरिया नामक बैक्टीरिया था। यह बैक्टीरिया किसी भी माध्यम से लोगों में पहुंचता है तो उनका इम्यून सिस्टम में इन्फ्लेमेटरी सेल्स रिलीज करने लगता है। जिससे गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट की लाइनिंग डैमेज होने लगती है।

कुछ दवाएं भी हैं जिम्मेदारः ह्यूस्टन मेथाडिस्ट हॉस्पिटल में गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉक्टर नेहा माथुर का कहना है कि जो लोग नियमित रूप से स्टेरॉयड या नॉन स्टेरॉयड एंटी इन्फ्लेमेटरी दवाएं या आइबुप्रोफेन या एस्प्रिन जैसी दवाई लेते हैं, उन्हें भी अल्सर की शिकायत हो सकती है। ये दवाएं लंबे समय तक और ज्यादा डोज में लेना पाचन तंत्र के लिए हानिकारक हो सकता है।'

प्रमुख लक्षणः शोधकर्ताओं का मानना है कि दुनिया में 5 से 10 फीसदी लोगों के पेट में अल्सर हो जाता है। डॉक्टर नेहा माथुर कहती हैं कि पेप्टिक अल्सर से पीड़ित लोगों में अकसर विशेष लक्षण नहीं देखे जाते। मगर कुछ लोगों के पेट में दर्द, पेट की गड़बड़ी, सीने में जलन, जी मिचलाना ,ब्लोटिंग आदि की शिकायत हो सकती है। कई बार अल्सर से ब्लीडिंग भी हो सकती है, काला मल या खून के साथ स्टूल पास हो सकता है। उनके अनुसार स्ट्रेस से भी पेट में अल्सर हो सकता है, क्योंकि स्ट्रेस कई प्रकार से उदर रोग जैसे-इरिटेबल वावेल सिंड्रोम, सीवियर एसिड रिफ्लक्स आदि का भी सबब बनता है।

इलाजः अल्सर का इलाज इसके कारणों पर निर्भर करता है। अगर बैक्टीरिया की वजह से अल्सर है तो डॉक्टर एंटीबायोटिक का कोर्स करने की सलाह देते हैं। इसका पता लगाने के लिए स्टूल टेस्ट, ब्रीद टेस्ट और एंडोस्कोपी की जाती है। अगर बैक्टीरिया की वजह से ऐसा नहीं है तो एंटासिड दवाएं, सादा भोजन और जीवनशैली में परिवर्तन की सलाह दी जाती है। *

इस बात पर आम लोगों ही नहीं विशेषज्ञों के बीच भी बहस होती रही है कि खाना भूख लगने पर खाना चाहिए या सही समय पर। डाइट और हेल्थ संबंधी स्टडीज में भी कुछ मतभेद दिखता है। ऐसे में अलग-अलग डाइट-हेल्थ स्टडीज के निष्कर्ष के बारे में जरूर जानना चाहिए।

कितना सही-कितना गलत फिक्स टाइम पर खाना

डाइट स्टडी

राजकुमार 'दिनकर'

लगभग दो-तीन दशकों से लोगों के बीच बहस छिड़ी हुई है कि सेहत के लिए आखिर खाने का सही तरीका क्या है? क्या हमें हर दिन एक निश्चित समय पर ही भोजन करना चाहिए या जब भूख लगे तब खा लेना चाहिए?

क्या कहती हैं स्टडीजः जॉन होपकिंस यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट वेलफेयर डिपार्टमेंट के मुताबिक, 'हमारी भूख को कुशलतापूर्वक नियंत्रित करने की क्षमता सिर्फ हमारे जैविक पैटर्न या सर्केडियन साइकल में निहित है। करीब 100 सालों के अनगिनत अध्ययनों, शोधों से यह बात साबित हो चुकी है कि हमारे शरीर का रियल पैटर्न, सिर्फ हमारी सर्केडियन साइकिल के पास है, जो हमारी तमाम गतिविधियों को 24 घंटे के चक्र में विभाजित करती है। इसलिए चाहे सोने या जागने की बात हो, भोजन और उपवास की बात हो, इसके मुताबिक एक निश्चित समय पर ही ऐसा करना हेल्थ के लिए सबसे सही होता है।'

किंग्स कॉलेज, लंदन के रिसर्चर्स ने भी यूरोपीय न्यूट्रिशन कॉन्फ्रेंस में यह खुलासा किया है कि हमारी बॉडी हमें सिर्फ 10 घंटे के भीतर ही खाने की गतिविधियां संपन्न करने का अवसर देती है यानी, 10 घंटों के निर्धारित समय में ही हमें खाना चाहिए। इसी से ही हमारा मूड, भूख और एनर्जी तीनों का लेवल नियंत्रित होता है। इस तरह 24 घंटे के निश्चित समय में 14 घंटे हमें उपवास रखना चाहिए। डायटिशियन इस सर्केडियन टाइम पीरियड को ही इंटरमिटेंट फास्टिंग कहते हैं। एक निश्चित समय पर खाने का समर्थन कई स्टडीज करती हैं।

यह भी है एक पक्षः एक मजबूत पक्ष इस बात का समर्थक भी है कि चाहे आपने आखिरी बार कभी भी भोजन किया हो, लेकिन अगर आपको भूख लग रही है, तो आपको खाना खा लेना चाहिए, बिना भोजन के शेड्यूल की परवाह किए। इस पक्ष के मुताबिक वास्तव में हमें अपनी बॉडी को ही अपनी भूख का सबसे बड़ा संकेत मानना चाहिए। आखिरकार हमारी बॉडी, भूख का संकेत हमारी जरूरतों को ध्यान में रखकर ही करती है। यह भूख इस बात का संकेत है कि हमारे शरीर को जरूरी ईंधन चाहिए। लेकिन ज्यादातर खान-पान के विशेषज्ञों का तर्क है कि भूख लगना हमेशा हमारे शरीर को ऊर्जा की जरूरत का संकेत ही नहीं होता। जो लोग ओवरईट करते हैं, वो भी बिना भूख लगे नहीं खाते, लेकिन उन्हें बार-बार भूख लगती है। इससे पता चलता है कि उनका शरीर भूख को लेकर सही संकेत कर पाने में असमर्थ है।

लेटेस्ट स्टडी का निष्कर्षः हाल में छपे नेचर कम्युनिकेशन जर्नल का यह शोध अध्ययन सबसे मौजूं है कि रात में 9 बजे के बाद भोजन करना कई तरह की बीमारियों और मानसिक रोगों का जोखिम बढ़ा सकता है। डाइट एक्सपर्ट कहते हैं कि रात का भोजन करने में हर घंटे की देरी के साथ, हम अपनी मस्तिष्क संबंधी बीमारियों का जोखिम 8 फीसदी से ज्यादा बढ़ा लेते हैं। अगर रात में 9 बजे के बाद खाना खाते हैं तो यह जोखिम 28 फीसदी तक पहुंच सकता है। दुनियाभर की विभिन्न प्रयोगशालाओं में हुए शोध अध्ययन इसी दिशा की तरफ बढ़ते दिखाई दे रहे हैं कि हमें हर दिन एक निश्चित समय पर ही भोजन करना चाहिए।

कई शोध अध्ययनों में पाया गया है कि करीब 90 फीसदी तक लोगों की बॉडी, हंग्री कॉल बहुत साइंटिफिक तरीके से ही देती हैं। लेकिन जो लोग कुछ बीमारियों से ग्रस्त हों या जिनमें कई तरह के केमिकल स्राव, रासायनिक क्रियाओं में डिस्टरबेंस पैदा कर रहे हों, उन लोगों के लिए भूख, धोखा भी साबित हो सकती है। इसलिए दुनिया के ज्यादातर डायटिशियन जोर देते हैं कि शाम का भोजन 6 से 7 बजे तक ही कर लेना चाहिए। ऐसा करने से भोजन पचने के लिए जरूरी एंजाइम और एसिड शरीर समय पर उत्पन्न कर देता है, जिससे पोषक तत्वों का अवशोषण तेजी से और प्रभावी तरीके से हो जाता है। खाना पच जाता है और उसका सार तत्व शरीर की सारी जरूरतों को पूरा करने में सक्षम रहता है। वजन का बढ़ना, मेटाबॉलिज्म का मंद पड़ना, अच्छी नींद ना आना और हृदय रोग की आशंका करीब-करीब खत्म हो जाती हैं। ऐसी कई तरह की समस्याएं सही समय पर (शाम के भोजन के लिए 6 से 7 बजे के बीच) कर लेने से दूर होती हैं और हम नुकसान से बच जाते हैं। *

खबर संक्षेप

40 साल बाद कश्मीर में खेलेंगे दिग्गज क्रिकेटर

नई दिल्ली। शिखर धवन और दिनेश कार्तिक समेत कई दिग्गज 20 सितंबर से शुरू हो रहे लीजैंड्स लीग क्रिकेट के तीसरे सत्र में नजर आएंगे और करीब 40 साल बाद दिग्गज क्रिकेटर श्रीनगर में खेलेंगे। लीग 20 सितंबर को जोधपुर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में शुरू होगी। इसमें छह टीमें 25 मैच खेलेंगी और शीर्ष दो टीमों के बीच फाइनल 16 अक्टूबर को होगा। फ्रेंचाइजी आधारित टूर्नामेंट में 200 खिलाड़ियों का पूल बनाया गया है। इसका फाइनल श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम पर होगा।

मेघालय ने जीता सुब्रतो कप का सब-जूनियर खिताब

बेंगलुरु। मेघालय के नोनगिरी प्रेसबिटेरियन सेकेंडरी स्कूल ने बुधवार को यहां एकतरफा फाइनल में उत्तर प्रदेश के मेजर ध्यानचंद खेल कॉलेज को 3-0 से हराकर 63वें सुब्रतो कप अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट के सब जूनियर लड़कों के वर्ग का खिताब जीत लिया। नोनगिरी प्रेसबिटेरियन की ओर से प्रॉस्परवेल रिनटोंग (पहले और 34वें मिनट) ने दो जबकि नामेबानलेन नोंगकसेह ने एक गोल किया। एयर मार्शल नागेश कपूर ने बैडमिंटन स्टार एचएस प्रणय और एथलीट अश्विनी अकुंजी के साथ ट्रॉफी विजेता टीम को दी। नोनगिरी प्रेसबिटेरियन को खिताब जीतने के लिए चार लाख रुपए की इनामी राशि मिली।

दिशा और आराध्य ने किया उलटफेर

पुणे। भारत के दिशा संतोष और आराध्य शर्मा ने बुधवार को यहां इंडिया जूनियर इंटरनेशनल ग्रां प्री बैडमिंटन टूर्नामेंट में क्रमशः लड़कियों और लड़कों के एकल के शुरुआती दौर में बड़ा उलटफेर किया। दिशा ने चीनी ताइपे की छठी वरीयता प्राप्त लियाओ जुई ची को 21-15, 21-18 से जबकि क्वालीफायर आराध्य शर्मा ने पांचवीं वरीयता प्राप्त साई प्रसाद तीगाला को 15-21, 21-7, 21-15 से हराया। भारत के अन्य खिलाड़ियों में टंकारा ज्ञान दत्तू तलसिला ने ऑस्ट्रेलिया के श्रेय ढांड को 20-22, 21-19, 23-21 से जबकि गैरवरीयता प्राप्त प्रतीक कौंडिल्य ने दसवीं वरीयता प्राप्त साई श्रेयस पल्लेरला को 21-19, 21-12 से पराजित किया।

2023 फ्रेंच ओपन की उपविजेता कैरोलिना से होगा अगला मैच

ओसाका ने 10वीं रैंकिंग वाली येलेना को 6-3 6-2 से हराया

यूएस ओपन : एक साल बाद शानदार वापसी

ओसाका ने ओस्टापेंको को हराया, अल्काराज भी जीते

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

एक साल पहले मातृत्व अवकाश के दौरान नाओमी ओसाका अमेरिकी ओपन के दौरान यहां नजर आई थीं जब उन्होंने महान तैराक माइकल फेल्प्स के साथ मानसिक स्वास्थ्य के विषय पर चर्चा में भाग लिया था और उस समय उन्हें पता नहीं था कि फिर कोर्ट पर कब उतरेंगी। एक साल बाद ओसाका ने लुईस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम पर 10वीं रैंकिंग वाली येलेना ओस्टापेंको को 6-3, 6-2 से हराकर अमेरिकी ओपन के अगले दौर में प्रवेश कर लिया। चार साल में पहली बार उन्होंने शीर्ष दस में शामिल किसी खिलाड़ी को हराया है। अब उनका सामना 2023 फ्रेंच ओपन उपविजेता कैरोलिना मुचोवा से होगा जिसने अमेरिका की कैटी वोलिनेट्स को 6-3, 7-5 से हराया।

रिकॉर्ड पांच घंटे 35 मिनट चला इवांस और खाचानोव का मैच

अमेरिकी ओपन में डैन इवांस और कारेन खाचानोव के बीच पहले दौर का मैच पांच घंटे 35 मिनट तक चला जो टूर्नामेंट में रिकॉर्ड है। टूर्नामेंट में 1970 में टाइब्रेकर की शुरुआत के बाद से यह सबसे लंबा मैच है। इवांस ने खाचानोव को 6-7, 7-6, 7-6, 4-6, 6-4 से हराया। पांचवें सेट में इवांस 4-0 से पीछे चल रहे थे। आखिरी प्वाइंट पर 22 शॉट की रैली चली और इवांस ने इसमें बाजी मारकर मुकाबला अपने नाम किया। इससे पहले रिकॉर्ड पांच घंटे 26 मिनट का था जब 1992 अमेरिकी ओपन सेमीफाइनल में स्टीफन एडबर्ग ने माइकल चांग को हराया था।

स्वियाटेक की आयान जीत

महिला वर्ग में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियाटेक ने कैमिला राखिमोवा को 6-4, 7-6 से हराया। वहीं अमेरिका की 11वीं वरीयता प्राप्त डेनियेले कोलिंस को हमवतन कैरोलिन डोलेहाइड ने 1-6, 7-5, 6-4 से मात दी। वहीं 2020 आस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन सोफिया केनिन ने 2021 अमेरिकी ओपन विजेता एम्मा राडूकानू को 6-1, 3-6, 6-4 से हराया।

चार सेट में जीते अल्काराज

पुरुष वर्ग में चार बार के ग्रैंडस्लैम विजेता स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने आर्थर ऐश स्टेडियम पर क्वालीफायर लि तू को 6-2, 4-6, 6-3, 6-1 से मात दी। वहीं मार्च में दो डोप टेस्ट में नाकाम के मामले में 'क्लीन चिट' मिलने के बाद दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनेर ने मैकी मैकडोनाल्ड को 2-6, 6-2, 6-1, 6-2 से मात दी।

कोरिया ओपन बैडमिंटन में भारतीय चुनौती समाप्त

सियोल। अश्मिता चालिहा, मालविका बंसोड़ और आकर्षी कश्यप की बुधवार को यहं कोरिया ओपन के पहले दौर में हार के साथ इस सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय अभियान समाप्त हो गया। दुनिया के 53वें नंबर की खिलाड़ी अश्मिता को महिला एकल के एकतरफा मुकाबले में दुनिया की 17वें नंबर की खिलाड़ी पोर्नपावी चोचुवोंग के खिलाफ 8-21, 13-21 से हार झेलनी पड़ी जबकि आकर्षी को पहले दौर के एक अन्य मुकाबले में डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसन के खिलाफ 15-21, 15-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। दुनिया की 41वें नंबर की खिलाड़ी मालविका को कड़े मुकाबले में दुनिया की 18वें नंबर की खिलाड़ी डेनमार्क की लाइन होजमार्क जेयर्सफेल्ट के खिलाफ 21-18, 15-21, 17-21 से हार मिली। मिश्रित युगल में आयुष राज गुप्ता और श्रुति स्वेन की भारतीय जोड़ी को को सुंग ह्युन और इयोम ह्ये वोन की कोरियाई जोड़ी के खिलाफ 7-21, 12-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

बाबर को छह स्थान का नुकसान, नौवें स्थान पर खिसके

कोहली और जायसवाल की टेस्ट रैंकिंग में सुधार

एजेंसी ▶▶| दुबई

सीनियर भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली बुधवार को जारी नवीनतम आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में दो स्थान के फायदे से आठवें स्थान पर पहुंच गए जबकि उनके कप्तान रोहित शर्मा एक स्थान के नुकसान से छठे पायदान पर हैं। रोहित और कोहली के अलावा युवा यशस्वी जासयवाल भी बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल हैं। वह एक स्थान के फायदे से सातवें स्थान पर हैं।

इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट श्रीलंका के खिलाफ मैनचेस्टर में अच्छे प्रदर्शन के बाद टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। ओल्ड ट्रैफर्ड में 56 और 32 रन की पारी खेलने वाले इंग्लैंड के हैरी ब्रूक तीन स्थान के फायदे से चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के बाबर आजम, ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और रोहित को पीछे छोड़ा। बाबर को छह स्थान का नुकसान हुआ है और वह संयुक्त तीसरे से नौवें स्थान पर खिसक गए हैं। पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान पहले टेस्ट में शतक की बदौलत सात स्थान के फायदे से संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है।

अश्विन गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर

भारत के अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और बाएं हाथ के स्पिनर रविंद्र जडेजा क्रमशः तीसरे और सातवें स्थान पर बने हुए हैं। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स (चार स्थान के फायदे से 16वें स्थान पर) और श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिता फर्नांडो (10 स्थान के फायदे से 17वें स्थान पर) को रैंकिंग में फायदा हुआ है। ऑलराउंडरों की सूची में जडेजा और अश्विन शीर्ष दो स्थान पर हैं जबकि अक्षर पटेल छठे पायदान पर हैं।

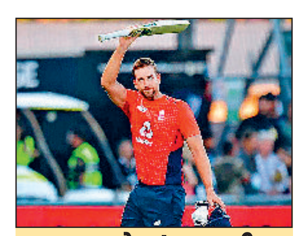

मलान ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

लंदन। इंग्लैंड के लिए सभी प्रारूपों में शतक जमाने वाले पूर्व शीर्ष टी20 बल्लेबाज डेविड मलान ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। मलान ने 22 टेस्ट, 30 वनडे और 62 टी20 मैच खेले हैं। वह टी20 प्रारूप में 2020 में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बने। उन्होंने पिछले साल वनडे विश्व कप के बाद से इस प्रारूप में नहीं खेला है। मलान ने कहा, 'मैने तीनों प्रारूपों को काफी संजीदगी से लिया लेकिन टेस्ट क्रिकेट में काफी मेहनत चाहिए। पांच दिन और तैयारी के दिन अलग। यह मानसिक रूप से काफी थकाऊ है।'

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय हॉकी टीम घोषित

पाठक बनेंगे श्रीजेश, गोल पोस्ट की मिली जिम्मेदारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पी आर श्रीजेश के संन्यास के बाद आगामी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कृशन बहादुर पाठक को हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली 18 सदस्यीय भारतीय हॉकी टीम का मुख्य गोलकीपर बनाया गया है।भारत के अलावा टूर्नामेंट में कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और मेजबान चीन भाग लेंगे। यह टूर्नामेंट आठ से 17 सितंबर तक खेला जाएगा। श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक में लगातार दूसरा कांस्य पदक जीतने के बाद हॉकी को अलविदा कह दिया था।

पेरिस ओलंपिक में भारत के स्टैंडबाय गोलकीपर रहे पाठक अब मुख्य गोलकीपर होंगे जबकि सूरज करकेरा रिजर्व गोलकीपर रहेंगे।

अनुभवी मिडफील्डर विवेक सागर प्रसाद को उपकप्तान बनाया गया है। नियमित उपकप्तान हार्दिक सिंह, मनदीप सिंह, ललित उपाध्याय, शमशेर सिंह और गुरजंत सिंह को आराम दिया गया है। भारत के उदीयमान ड्रैग फ्लिकर जुगराज सिंह जूनियर के लिए भी यह सुनहरा मौका होगा। वह प्रो लीग में अपनी प्रतिभा की बानगी दे चुके हैं।

भारतीय हॉकी टीम

गोलकीपर : कृशन बहादुर पाठक, सूरज करकेरा। **डिफेंडर :** जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, संजय और सुमित। **मिडफील्डर :** राजकुमार पाल, नीलाकांता शर्मा, विवेक सागर प्रसाद, मनप्रीत सिंह और मोहम्मद राहील। **फॉरवर्ड :** अभिषेक, सुखजीत सिंह, अराइजीत सिंह हुंडल, जूनियर टीम के कप्तान उत्तम सिंह और गुरजोत सिंह। मुख्य कोच : क्रेग फुल्टोन।

असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
HMS देखकर खरीदें
बाल्य रोगों व चुरना, दस्त (कृमि) के लिए विशेष लाभकारी
सुखौना टेबलेट
20 वर्षों से प्रसिद्ध 94060-21769

वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफ्रीका को 3-0 से रौंदा, 8 विकेट से जीता मैच

एजेंसी ▶▶| तारोबा

निकोलस पूरन के 13 गेंद में 35 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने वर्षाबाधित तीसरे टी20 क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को हराकर श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली। बारिश के कारण खेल एक घंटे विलंब से शुरू हुआ।

दक्षिण अफ्रीका की पारी के पांचवें ओवर में बारिश फिर शुरू हो गई जिससे मैच प्रति टीम 13 ओवर का कर दिया गया। दक्षिण अफ्रीका ने उस समय बिना किसी नुकसान के 23 रन बना लिए थे जब बारिश शुरू हुई। ट्रिस्टन स्टब्स ने 15 गेंद में 40 रन बनाकर टीम को चार विकेट पर 108 रन तक पहुंचाया। जवाब में पूरन ने दो चौके और चार छक्के जड़े। वेस्टइंडीज का स्कोर दो विकेट पर 60 रन था जब पूरन चौथे ओवर की पांचवीं गेंद पर आउट हुए।

शाइ होप ने 24 गेंद में नाबाद 42 और शिमरोन हेटमायेर ने 17 गेंद में 31 रन बनाए। दोनों ने तीसरे विकेट की अटूट साझेदारी में 56 रन जोड़े। इस साल टी20 विश्व कप से पहले भी वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफ्रीका को टी20 श्रृंखला में 3-0 से हराया था।

गुकेश ने गिरी से ड्रॉ खेला, प्रागी ने करुआना को बराबरी पर रोका

सेंट लुई। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश और आर प्रज्ञानानंदा ने सिंकफील्ड कप में आठ बाजियों में आठवीं बार ड्रॉ खेला। यह टूर्नामेंट ग्रैंड शतरंज टूर का हिस्सा है। विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर गुकेश ने नीदरलैंड के अनीष गिरी से सिर्फ 23 चाल में ड्रॉ खेला जबकि प्रज्ञानानंदा ने स्थानीय दावेदार फाबियानो करूआना को 28 चाल में बराबरी पर रोका।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सिंघानिया स्किन केयर — Makeover — मो. 94252-14479, 0771-4020411 — www.makeoverraipur.com

मोतियाबिंद — आयुष्मान कार्ड सुविधा — SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल — छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर — 9644099925

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर), कोब्लेशन एवं लेजर सर्जरी विशेषज्ञ — डॉ. जाऊलकर — ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified) — सेन्ट्रल एवेन्यू, चौबे कालोनी, प्रगति कॉलेज, रायपुर (छ.ग.) — फोन: 0771-4044551 — समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

स्वास्तिक नर्सिंग होम — बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल — मो. 7991031330, मो. 0771-4347172

अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)

प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक — मो. 9977247553 — मनोरोग, नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ

अष्टविनायक हॉस्पिटल — बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं। — बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन) — आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) — 7987225800, 9301744425

डायबिटिक क्लीनिक — Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre — Diabetic Clinic — 7724035770, 9329004557, 9303724304

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक — दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ — मो. 7999450384, 7042974029

वात, स्पाइन एवं पाइल्स केयर — राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर — मो. 9039050422

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508130

हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

चंदूलाल चंद्राकर मेमोरियल मेडिकल कालेज के अधिग्रहण को दी थी चुनौती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने माना है कि राज्य सरकार की विधायिका के संवैधानिक अधिकारों पर हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता। चंदूलाल चंद्राकर मेडिकल कॉलेज का अधिग्रहण भी संवैधानिक अधिकारों के तहत किया गया है, जिसके खिलाफ दायर याचिका को हाईकोर्ट ने आधारहीन मानते हुए खारिज कर दिया है। याचिका में अधिग्रहण अधिनियम को चुनौती दी गई थी। चंदूलाल चंद्राकर मेमोरियल मेडिकल कॉलेज दुर्ग के हितों की रक्षा के लिए योजना तय करने के लिए राज्य अधिकारियों को निर्देश देने की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका लगाई गई थी। जिसमें अधिनियम, 2021 की धारा 4, 5 और 9 के प्रावधानों को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की थी। याचिका में कहा गया था, कि याचिकाकर्ता एक धर्मार्थ शैक्षणिक संस्थान है और सोसायटी विभिन्न संस्थान चलाता है। चंदूलाल मेडिकल अस्पताल कंपनी अधिनियम के प्रावधानों के तहत एक कंपनी है और एक मेडिकल, डेंटल और फार्मेसी कॉलेज और 750 बिस्तरों वाला एक अस्पताल भी चला रही है।

न पंखा, न ढंग की टॉयलेट सीट

टॉर्चर रूम से कम नहीं होता मालगाड़ी के गार्ड का कोच!

एजेंसी ▶▶| मुंबई

जब आप हजारों रुपए खर्च कर के ट्रेनों में सफर करते होंगे तो उसकी सुख-सुविधाओं को देखकर खुश होते होंगे और उस अनुभव का मजा पूरी तरह से ले लेना चाहते होंगे। मग,र क्या आपने कभी यात्री गाड़ियों की जगह सामान लाने-ले जाने वाली ट्रेनों, यानी मालगाड़ियों की स्थिति को देखा है? उन ट्रेनों के इंजन तो वैसे ही होते हैं, जैसे यात्री ट्रेनों के, पर उनके गार्ड के डिब्बे काफी अलग होते हैं और उसके अंदर का नजारा किसी को भी चौंका सकता है। हाल ही में एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक मालगाड़ी के गार्ड ने अपने कोच के अंदर का हाल दिखाया है। ये डिब्बा देखकर आपको टॉर्चर रूम का ध्यान आएगा। वीडियो को एक गुड्स ट्रेन के गार्ड ने रिकॉर्ड किया है। गार्ड का काम बेहद जरूरी होता है, वो ड्राइवर के साथ मिलकर ट्रेन के संचालन का कार्य करता है। यात्री ट्रेनों में तो गार्ड के लिए अच्छी सुविधा वाले कोच लगाए जाते हैं, जिसमें बाथरूम और बैठने के लिए ढंग की सीटें होती हैं, मगर मालगाड़ी की बात करें तो वो टॉर्चर रूम से कम नहीं है।

लोहे के गर्म लिक्विड में गिरने से मजदूर की मौत

रायगढ़। ज़िले के पूर्वांचल क्षेत्र स्थित एमएसपी प्लांट में मंगलवार की रात काम करते समय गर्म लिक्विड में गिरने से एक ठेका श्रमिक की दर्दनाक मौत हो गई है। घटना के बाद अन्य श्रमिकों मे कंपनी प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार चक्रधर नगर थाना थाना क्षेत्र अंतर्गत जामगांव स्थित एमएसपी प्लांट में मंगलवार की रात साढ़े 11 के आसपास एक ठेका श्रमिक एसएमएस यूनिट में क्रेन से गला हुआ लोहा ले जाते समय गर्म लिक्विड में गिर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

हरिभूमि कम्युनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457. फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com